## बी॰ कॉम॰ (प्रतिष्ठा), द्वितीय खण्ड विशिष्ट लेखांकन चतुर्थ-पत्र

करणानेको के अंतिम जाते

## विषय-सूची

क्रम	शीर्षक	इकाई सं०	पु॰ सं०
1.	कम्पनियों के अन्तिम खाते	+श्य ठाउँ <b>।</b> शास्त्र€	2
2.	कम्पनी का एकीकरण	क्षाम्य प्राप्तिकार	18
3.	संविलयन एवं पुनर्निर्माण	3	33
4.	कम्पनी का समापन	than only and 4 to the file	54
5,	सूत्रधारी कम्पनी का प्राप्त विकास में अपन	१ । वे विकास के एक प्रकार के	63
6.	बैंकिंग कम्पनियों के लेखे	FIRE THE PROPERTY OF THE PARTY	73
7.	बीमा कम्पनियों के लेखे	तिथक संस्थ <b>र</b> । अधना अति	
8.	दोहरी लेखा प्रणाली	यार करने की अनिवासीता अधिनिवास <b>8</b> यान 211	110 m and and
		াজত চলগীন কল চচাত	

अवस्थ है दिन तैयार किया जाता है। आधिक निरुष्टा एक छात अलीप के अला में ज्याचारिक संस्था

क जिनवोश, साधन, द्रायत्व एवं अंशभारियों की पूँजी को प्रस्तुत कारता है।

एक आति है। जी कामनी दर्श अफलता को गायता है। यह पुरू द्वारा

### कम्पनियों के अंतिम खाते

#### पाठ-संरचना

- 1.1 उद्देश्य
- 1.2 कम्पनी का अन्तिम खाता
  - 1.2.1 लाभ-हानि खाता
  - 1.2.2 लाभ-हानि समायोजन खाता
  - 1.2.3 आर्थिक चिट्ठा
  - 1.2.4 अन्तिम खातों की स्वीकृति
- 1.3 उदाहरण
- 1.4 सारांश
- 1.5 अभ्यास हेतू प्रश्न
- 1.6 पठनीय पुस्तकें

#### 1.1 उद्देश्य

यह प्रसन्तता की बात है कि बी॰ कॉम॰ प्रतिष्ठा पार्ट II के लेखांकन के विशेष खातों पर अपने दूर दराज के छात्रों के लिए पाठ लिखना है। प्रारम्भ में आपको बताना चाहता हूँ कि लेखा शास्त्र एक सेवा प्रक्रिया है। यहाँ पर हमलोग कम्पनी के अन्तिम खाते के विषय में पढ़ेंगे।

#### 1.2 कम्पनी का अन्तिम खाता

सभी व्यावसायिक संस्थान अपना अन्तिम खाता तैयार करते हैं। किन्तु एकांकी व्यापार एवं साझेदारी में अन्तिम खाता तैयार करने की अनिवार्यता नहीं है। इसके विपरीत एक कम्पनी के लिए यह अनिवार्य है कि वह कम्पनी अधिनियम की धारा 211 एवं सेड्यूल VI के अनुसार अपना अन्तिम खाता तैयार करें।

लाभ हानि खाता एक निश्चित लेखा अवधि के बाद तैयार किया जाता है। इसे आय विवरण या उपार्जन विवरण भी कहते हैं। यह एक प्रतिवेदन है, जो कम्पनी की सफलता को मापता है। यह एक खास अवधि के लिए तैयार किया जाता है। आर्थिक चिट्ठा एक खास अवधि के अन्त में व्यावसायिक संस्था के विनियोग, साधन, द्रायित्व एवं अंशधारियों की पूँजी को प्रस्तुत करता है।

एक संयुक्त पूँजीवाली कम्पनी में जो लाभ हानि की रकम होती है उसे पूँजी खाते में सीधे स्थानान्तरित नहीं करते हैं, बल्कि उसके पहले कई वैधानिक अनिवार्यता को पूरा करते हैं। इसके लिए एक लाभ हानि समायोजन खाता बनाया जाता है। अतः एक कम्पनी की सभी लेखा विधि को हमलोग निम्नलिखित शीर्षक में अध्ययन करेंगे...

- (1) लाभ हानि खाता
- (2) लाभ हानि समायोजन खाता
- (3) आर्थिक चिट्ठां
- (4) अन्तिम खाते की स्वीकृति

#### 1.2.1 लाभ हानि खाता :

कम्पनी अधिनियम की धारा 211(2) के अनुसार प्रत्येक कम्पनी का लाभ हानि खाता कम्पनी के वित्तीय वर्ष के सच्चे व उचित चित्र प्रस्तुत करता है। एक गैर व्यावसायिक संस्थान में आय व्यय खाता तैयार किया जाता है। किन्तु ये प्रावधान बैंकिंग कम्पनी, बीमा कम्पनी, रेल, गैस या बिजली कम्पनी में लागू नहीं होते हैं।

#### अनुसूची 6 का द्वितीय भाग

लाभ हानि खाता बनाने के लिए अनुसूची 6 का द्वितीय भाग बहुत महत्त्व रखता है। इसके मुख्य प्रावधान को हमलोग यहाँ पर संक्षेप में लिखेंगे। लाभ हानि खाता में विभिन्न आय और व्यय के मद लिखे जाते हैं जिससे उस अवधि के लाभ हानि का सही ज्ञान प्राप्त हो सके तथा इससे निम्नांकित विषय में पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके

- (1) कुल विक्रय सकल लाभ जो व्यापार से हुआ है.
- (2) कुल क्रय,
- (३) प्रारम्भिक एवं अन्तिम रहतिया,
- (4) कार्य जो प्रगति पर है प्रारम्भ और अन्त में,
- (5) स्टोर एवं अन्य माल की खपत
- (6) शक्ति एवं जलावन,
- (7) मजदूरी एवं वेतन तथा बोनस
- (8) प्रॉवीडेंट फण्ड और अन्य संचयों के लिए किया गया खर्च,
- (9) कर्मचारियों के कल्याण पर किया गया खर्च, अध्याप विकास वित
- (10) बिक्री अभिकर्त्ता का कमीशन,
- (11) हास के लिए प्रावधान,
- (12) ऋण पत्रों एवं ऋण पर सूद,

अधिक मही हे सकती है। बरनत 11% की

- (13) विशेष दायित्वों के भुगतान के लिए किया गया संचय,
- (14) मकान किराया, मरम्मत इत्यादि पर किये गये व्यय,
  - (15) व्यवसाय कम्पनी या संस्था से सम्बन्धित सभी व्यय,
  - (16) कर, लगान, पारिश्रमिक कमीशन एवं आयकर इत्यादि का विवरण देना है। इसी प्रकार आय के विभिन्न मदों को भी लिखना पड़ता है।

आय के विभिन्न मदों को भी दिखाया जाता है, जैसे

- (1) विनियोग पर प्राप्त आय,
- (2) सद,
- (3) सहायक कम्पंनी से लाभांश।

कम्पनी अधिनियम में कोई प्रारूप अनिवार्य नहीं किया गया है। किन्तु केन्द्रीय सरकार अगर चाह तो किसी भी कम्पनी को आज्ञा दे सकती है कि वह अपने लाभ हानि खाते की बनाते समय अनुसूची ७ के भाग 2 में दो सूचनाओं को न माने, परन्तु यह आज्ञा केवल राष्ट्रहित में ही दी जा सकती है।

एक उत्पादक कम्पनी में कच्चे माल की खपत का पूर्ण विवरण देना आवश्यक है।

अगर कम्पनी का विस्तार हो रहा है तो विशेष हास का पूर्ण विवरण देना चाहिए। धारा 350 के अनुसार लाभ हानि खाता को हास का पूर्ण विवरण देना चाहिए तथ आयकर अधिनियम 1961 को भी ध्यान में रखना चाहिए।

ऋण पत्र पर सूद वार्षिक खर्च है। किन्तु ऋण पत्र जारी करने पर जा व्यय है वह पूँजीगत व्यय है। इसका भुगतान लाभ हानि खाते से प्रतिवर्ष होना चाहिए।

#### प्रबन्धकीय पारिश्रमिक :

कम्पनी के लाभ हानि खाता बनाते समय प्रबन्धकीय पारिश्रमिक को विशेष ध्यान से निकाला जाता है। धारा 179(A) के अनुसार एक कम्पनी निम्न पदाधिकारियों में से किसी एक को ही नियुक्त कर सकती है

शिवल ए अलावज

- (1) प्रबन्ध निदेशक
- (2) प्रबन्ध एजेन्ट (अभिकर्ता)
- (3) सचिव
- (4) मैनेजर

अधिकतम और न्यूनतम पारिश्रमिक धारा 158 के अनुसार एक सार्वजनिक कम्पनी (या एक निजी कम्पनी जो किसी सार्वजनिक कम्पनी की सहायक है) किसी भी वित्तीय वर्ष में शुद्ध लाभों में 11% से अधिक नहीं दे सकती है। परनतु 11% की गणना करते समय संचालकों को पारिश्रमिक तथा वह फीस जो संचालक मण्डल की सभा में भाग लेने के लिए दी जाती है, शामिल नहीं की जाती है।

(8) अंबीडरे फण्ड और अन्य संचयों के लिए किया गया

जहाँ तक न्यूनतम पारिश्रमिक का प्रश्न है, कम्पनी लॉ बोर्ड की स्वीकृति से कम लाभ होने पर 50,000 रु० तक प्रतिवर्ष दे सकती है। इस न्यूनतम राशि 50,000 रु० के अतिरक्त संचालकों को सभा में उपस्थित होने की फीस अलग से दी जा सकती है। प्रबन्धकीय पारिश्रमिक में अनुलाभों को भी जोड़ा जाता है।

शुद्ध लाभ की गणना कम्पनी अधिनियम की धारा 349, 350 तथा 351 के द्वारा निर्धारित होती है।

संचालकों का पारिश्रमिक धारा 309 और 310 के अनुसार कम्पनी आवर्त नियमों के अनुसार दिया जाता है। एक निदेशक को संचालक या कमिटि में भाग लेने के लिए फीस दी जाती है। अगर करमपी में । निदेशक है तो शुद्ध लाभ का 5% और एक से अधिक होने पर शुद्ध लाभ का 10% दिया जा सकता है।

(यह वर्णन विस्तार से नहीं है। आप स्वीकृत पुस्तक को अवश्य पढ़ लें। केन्द्र सरकार के द्वारा कई नियमावली जारी की गयी हैं जो धारा 269, 310, 350, 351, 309, 198, 387 और 388 से सम्बन्धित हैं।) 1.2.2 लाभ-हानि समायोजन खाता :

एक कम्पनी अपनी पूँजी अंशों को जारी करके प्राप्त करती है। ये अंश हस्तांतरणीय होते हैं इसिलए कम्पनी का लाभ किसी व्यक्ति का नहीं है। यह उस अंशधारी का है जो उस अवधि में उसका होल्डर है। कम्पनी अधिनियम बाध्य नहीं करता है कि समायोजन खाता बनाया जाय। किन्तु सभी कम्पनियाँ यह खाता बनाती है। इस खाता को पंक्ति के नीचे का खाता भी कहा जाता है। इस खाते में यह दिखाया जाता है कि

- (1) आयकर की क्या व्यवस्था की गयी है।
- (2) अंश पूँजी या ऋण के भुगतान में कितनी रकम लगायी गयी।
- (3) संचित (Reserve) में कितनी रकम रखी, तथा अवस्था अवस्था
- (4) लाभांश कितना दिया गया या प्रस्तावित है।

लाभ को संचित में हस्तांतरण करने का प्रावधान धारा 205 के अन्तर्गत उपधारा (2A) में है। इसके अनुसार लाभांश का भुगतान हास काटकर शुद्ध लाभ में से होना चाहिए। अगर लाभांश की रकम 10% है तो संचित में रकम डालना आवश्यक नहीं है किन्तु 10% से अधिक लाभांश घोषित करना है तो संचित में किन प्रकार लाभ का प्रतिशत हस्तांतरित किया जायेगा अगर 10% से अधिक, किन्तु 12.5% से 13% तक में 5%, 15% से 20% हो तो 7.5% और 9.0% से अधिक हो कम से कम 15% लाभ का हिस्सा संचित में डालना होगा।

लाभांश का भुगतान कम्पनी अधिनियम की धारा 205 के अनुसार किया जाता है। इसका वितरण अन्तर्नियमों के अनुसार किया जाता है। किन्तु लाभांश का भुगतान केवल लाभ में से किया जायेगा। आशियः भुगतान अंशों पर चुकता पूँजी के अनुपात में किया जायेगा। वर्ष के बीच में निदेशके विशेष प्रस्ताव में आन्तरिक लाभांश की घोषणा कर सकते हैं।

कम्पनी अधिनियम में एक संशोधन 17 4 1989 को हुआ जिसके अनुसार लाभ हानि खाता का स्वरूप और समायोजन खाता का नमूना (संक्षेप में) नीचे दिया गया है।

### Abridged Profit and Loss Account (Applicable from 17.4.1989), for the year

Partic	ulars High R A LARGIE R		Amount for the Current Financial Year	Amount for The Previous Financial Year
1.	Income		voe kus, zastissi	n in (many)
	Sales/Servicesrendered			a and the last
	Dividend			
	Interest			man who sold in
	Other Income			for the Dir Heister
		Total		
2.	Expenditure			गर्भ की व साल देहत
	(With details)			भीका भागत् है मिल
				क मानीसार नियम है।
	किया है। इस लाग में रह सिद्धा			जाता बनाती है। दूश खान
3.	Profit/Loss before Tax (	1 and 2)		THE TRUTE (1) 2 TH
4.	Provision for Taxation		में हाहाएंड के एक ग	अ विक्रमान (६)
5.	Profit/Loss after tax			off) (if (ii)
6.	Proposed Dividends			
7.	Transfer to Reserve and	d Surplus.		
	Please see Details	6 6 6 mm	sie rette bie ei	HER THE TENENDS ATTENDED
HEAL I		oss Appro	priation Accound 31st Dec.)	रे में सीवत में एक्स इसे में किया प्रवास का र
Prv.	Particular	Figures for	Prev.	Figure for
Year		the current	year year	the current year
	To Equity Dividend		appielie Pros	का पर तक बहु । अर्थ का
TINGTEST	To General Reserve		कार्य है। किस्तु लग	By Net Profit
			व विभाग के कि मि	As per
				P&LA/C
	To Debenture Reden	. Fund		

To Balance C/d.

Note: Please see details.

क पनी अधिनियम में एक सहाधन

#### 1.2.3 आर्थिक चिट्ठा

कम्पनी अधिनियम की धारा 211 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को अपने वित्तीय वर्ष के अन्तिम दिन एक आर्थिक तैयार करना है। यह चिट्ठा कम्पनी का सच्चा और उचित चित्र उपस्थित करता है।

आर्थिक चिट्ठा का प्रारूप सूची 6 में दिया हुआ है और उसी के अनुरूप होना चाहिए। चिट्ठा बनाते समय उन सूचनाओं पर पूरा पूरा ध्यान देना चाहिए जो चिट्ठा बनाने के सम्बन्ध में तलपट के बाहर दिया हुआ है। कम्पनी के प्रकाशित खातों में पहले चिट्ठा और बाद में लाभ हानि खाता बनाया जाता है।

चिट्ठा निम्नांकित दो प्रारूपों में से किसी एक प्रारूप में हो सकते हैं

- (1) कध्वधिर (Vertical Form) या
- (2) क्षैतिज प्रारूप (Horizontal Form)

दोनों प्रारूप, इस पाठ के अन्त में नमूना के रूप में दिया गया है। कम्पनी का चिट्ठी बनाते समय विशेष ध्यान देने योग्य बातें निम्नलिखित हैं

- (1) कोष के विभिन्न साधनों को अलग शीर्षक में दिखाना है।
- (2) कोष के विभिन्न प्रयोगों को क्रमश: दिखाना है।
- (3) हास प्रत्येक सम्पत्ति में से (अगर दिया है तो) घटाना चाहिए।
- (4) ऋण पत्रों पर ब्याज पूरे वर्ष का निकालना चाहिए। अगर तलपट में कम रकम दी गयी हो तो जितना कम हो उसका समयोजन करना चाहिए।
  - (5) समायोजनाओं के लेखे करना आवश्यक है।
- (6) प्रारम्भिक व्यय, अभिगोपन कमीशन, अंशों और ऋण पत्रों पर कटौती जैसे व्ययों के शेष को सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जायेगा तथा प्रत्येक वर्ष में कुछ रकम अपलिखित कर दी जायेगी।
- (7) लाभ हानि खातों में अगर लाभ है तो दायित्व में और हानि है तो सम्पत्ति पक्ष में लिखना चाहिए।

#### 1.2.4 अन्तिम खातों की स्वीकृति :

कम्पनी अधिनियम की धारा 215 के अनुसार जब अन्तिम खाते तैयार हो जाय तो उन्हें संचालक मंडल की स्वीकृति के लिए उनके समक्ष रखा जाता है। अंकेक्षण को सुपूर्व करने के पूर्व कम से कम दो संचालक (अगर एक हो तो एक ही) का हस्ताक्षर होना चाहिए।

्यह संचालक मंडल की जिम्मेवारी है कि वह एक योग्य अंकेक्षक से अंकेक्षित कराकर प्रतिवेदन लेकर संचालक के प्रतिवेदन के साथ वार्षिक सभा में स्वीकृति करा ले। स्वीकृति के बाद वार्षिक सभा के 30 दिन भीतर के 3 प्रति कम्पनी के रिजस्ट्रार के कार्यालय में जमा करना आवश्यक है। आर्थिक चिट्ठा का नमूना नीचे दिया जाता है।

	Nam	Specime of the (	<b>en of the V</b> Company	ertical Form	of Balance She	et withs E.E.I.
	Balai	nce Shee	et as at		A MARKON SE TRANSPORTE	tack within the
nser Mar fe	্ষীত চা কেন্দ্ৰ		और. उसी के चिट्ठा बनार	Schedule No.	Figures as at the end of the current year	Figure as at the end of the previous year
1. 1000	Source	of Fund	s	8 165P1 MAP.1	District the second of	
	(1)	Shareh	older's Fun	ds an izal	接中 作品联节 市市	
		(a)	Capital		r (Verlical Form)	
		(b)	Reserves	and		
	(0)		Surplus		Pares (Horizonial	INDIA 77
	(2)		unds		मा पाव के आज को व	
		(a)	Secured I			
		(b)		d Loans	क्षितिल साधनी की	8 8(45 (1) H
			Total			
11.	Applica	tion of F				
		(a)	Fixed Ass	Cio	व्यक्त सम्मति से हे (	
		(b)			ने पर स्थान पर सर्व	
	(3)	(c)	Investmer		स्था समभावात करन	
	(3)			ans and Adva	ances	(३) सम्राम
	(1)		rent Assets		तुः समागामास् । स्ट्रांस स	speciety (o)
	(4)			to the extent		सम्बंधि पंश्व में विषय
		(a)	en off or ac	Loss A/C.	is and it into th	* 1912 /*X
		(α)	Total	LUSS A.C.		
Note	Details	under ear		ove items sha	II be given in sepa	arata Cabastata
					cribed books for	
#615T	1 8 8 Th				Balance Sheet	Jetails.
		海门湖				
		Bala	nce Sheet	of(	n). (15 75 76 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16 16	PA WAR WAR
Figure	for Car	oital and	OF POPPER PUR		<del></del>	20 F 10 F
the pre	RIBA PIP	oilities	ing is there is the		previous	the current

Rs.	Safer peture, and as where Rs. are a for Rs. in	INDEX IN SHOT INDIVIDE
CAEL SIES II	1. Share Capital some with the least	
(F) सम्बद्धाः	2. Reserves and	
ं प्रांबी हेण	Sumlue	10,000 स्ट भवन वह साम के लिए
102,5 (5)	THE 3. Secured Loans HE H HISTORY (IX) IDENTIFY	3. Current Assets
ांत्र सान ह	वाया कर्यानी द्वारा विकार की स्थिति में है। विबद्धा एव	Loans and
	if held fire	Advances Advances
	4. Unsecured Loans	4. Misc. Expenditure
	5. Current Liabilities (EBBT DOC 1818 16 8A)	
eA	and Provisions	(if Loss)
en	6. Fotnote for contingent	
	liabilities Assets entitlidail	CAPITAL

ातास मतीस का नियक

subscribed capital

Note- Place see the prescribed Books for details.

#### 1.3 उदाहरण

## 1. 31 दिसम्बर 1983 को पायोनियर मिल्स कं० लि० की पुस्तकों में अग्रबाकियाँ थीं— 1980

	Y TO THE POST YE	TO A STATE OF THE	
15,000 is	Motor Vehicle	000,98 39,000 I	Rs.
अंश (अधिकृत और निर्गमित)	Furniture	मशीनरी	2,00,000
60,000 अंश 10 रु॰ वाले	6,00,000	मोटर गाड़ी	15,000
2.88.950	anomisevina.	फर्नीचर 880 48	5,000
la Loans	Current Asse	प्रारम्भिक रहतिया	1,72,058
सामान्य संचय	2,50,000	कुल देनदार	1,57,380
अयाचित लाभांश	6,526	विनियोग	2,88,950
व्यापारिक लेन देन	36,858	रोकड़ बाकी	61,240
भवन	1,00,000	8 संचालकों की फीस	201,800
क्रय	5,00,903	अान्तरिक लाभांश bnobb	15,000
बिक्री	9,83,947	ाळ्याज (क्रे॰) noissimmoo	8,544
निर्माण व्यय	3,59,000	लाभ-हानि खाता । जु॰ 1983	Lawrence To
स्थापन ब्ययं होन	26,814	(क्रे॰) स्टॉफ प्रॉवीडेण्ट फण्ड	
सामान्य व्यय	31,078	00 = 39000	1.3700+15

- 31 दिसम्बर 1988 को समाप्त होने वाली 6 माह की अवधि के लिए, उपर्युक्त बाकियों और निम्न सूचनाओं के आधार पर कम्पनी का चिट्ठा और लाभ हानि खाता बनाइए
- (अ) 31 दि॰ 1983 को गेहूँ और आटे के रहतिया का मूल्यांकन 1,48,680 रु॰ किया गया. (व) 10,000 रु॰ भवन के हास के लिए, 6500 रु॰ प्रबन्ध अभिकर्त्ता के कमीशन एवं 1500 रु॰ प्रावीडेण्ट फण्ड में अंशदान के लिए आयोजित कीजिए। (स) विनियोग में अर्जित ब्याज 2,750 रु॰ था। (द) 2,500 रु॰ का एक कर्मचारी की क्षतिपूर्ति का दावा कम्पनी द्वारा विवाद की स्थिति में है। चिट्ठा एवं लाभ हानि खाता बनाते समय आवश्यक मान्यताएँ मान सकते हैं।

## Balance Sheet (As at 31st Dec. 1983)

Liabilities	(# L)	Rs.	Assets	6. Folnote for a	Rs.
CAPITAL			Fixed Assets	esitilidal	
Authorised issued and		elisteb ro	Building	1,00,000	Note-
subscribed capital		6,00,000	Less Depr.	10,000	ा,३ यस
RESERVES AND SUI	RPLUS				90,000
General reserves	पुस्तका म	2,50,000	Machinery	5 6251 Januar 10	2,00,000
Staff provident fund		39,000	Motor Vehicles		15,000
P/f A/c		बर्गीप्रभ	Furniture	(जामीमनी और जिल्लामित)	5,000
Balance on	fst	्राह्म <sup>व</sup>	6,00,000	नश १० इ० वाले	000,00
July 1st 1983	19,848		Investment		2,88,950
Add net profit	34,268	(F) (F)			(
1,72,058	51.116	क्रमित्राष्ट्	Current Assets,		
1,57,380	· 对形	कुल दे	and Advance	kk	ह इनामह
Less interim	,1	विनियो	Stock	, PARIE	1,48,680
dividend	15,000	36,116	36.858	लेब देन	व्यापारिक
CURRENT LIABILITIE			Book debts		1,57,380
Creditors	मिं का की	36,858	Cash		67,240
Unclaimed dividend	ह लाभांश	6,526	5,00,901		
Mang. Agent commiss	ion Code	6,500	9,83,947		विकारी
Contingent liability	2,500	त्र स्थान	3,59,000	The state of the s	मिम्गण उस
A STATE OF THE STA	Rs.	9,75,000	26,814	Rs.	9,75,000

<sup>1. 3700 + 1500 = 39000</sup> 

#### Profit and Loss A/c

कार मंती का किएक

(For the year ending Dec. 31, 1983)

1 500 002 5		4.00,000	
To Opening stock	1,72,058	By Sales (100, 01 stories ) Type part	9,83,947
To Purchases	5,00,903	By Closing Stock (000,04 pms)	1,48,680
To Manufacturing expend,	3,59,000	मुणीदस समाता अंशोर में बाजार मुन्ये	As Yorke
To Gross profit c/d	1,00,666	पुलिधिकार अर्था में (30% भुगतान)	हम्पीयों क
000 Rs.	11,32,627	ति पूर्व बाजाल मुख्य में से जो काम है) Rs.	11,32,627
To Establishment	26,814	By Gross profit b/d	1.00,666
To Generela charges DOCAL	31,078	By Interest 8,544	11,294
To Director's fees	1,800	By Int. accrued 2,750	प्राती के प्रित
To Dep. on building	10,000	निर्ममण या कतीती	क हुए एउ
To Managing agent commission	6,500		
To Staff provident fund	1,500	भन्य सूचनाएं हैं (अ) शवन वर न्यू प	
To Net Profit	34,268	उन्ति दर से चालू वर्ष के लाभा के जिल तथा 20,000 रु० अरुण, पत्र शोधन लोग म	त्रमा है (ब) 0% लाशांशा
Rs.	1,11,960	Rs.	1,11,960

### 1.4 बम्बई ट्रेडर्स लिमिटेड खाते में 31 दिसम्बर 1983 को निम्न बाकियाँ थीं-

Balance-Sheet	Rs.	Rs. /
अंशपूँजी, 6,000 समता अंश 100 अंश 100 रु वाले वाले वाले		6,00,000
5% बन्धक ऋणपत्र	ital	000,00,1
लाभ हानि नियोजन खाता 000,00	100/ each	18,000
विनियोगों पर प्राप्त (सकल 10,000 रु०)	1,25,000	7,000
वेतन, बोनस आदि रेंग्या priblind no	2,500	CARTAL
संचालन शुल्क- 000.00 no autimu 7 000.00.	100/ each 6	6,000 shares @
प्रशासन बिक्री, वितरण एवं सामान्य व्यय	1,40,000	
ऋण पत्रों पर भुगतान ब्याज	2,500	

सकल लाभ	ne tiloud		4,85,000
भवन निर्माण के लिए अग्रिम		80,500	
भवन (लागत 4,00,000)	ne year end	3,50,000	
फर्नीचर और फिक्सचर्स (लागत 10,000)	1,72,058	7,000	To Opening stock
मोटर गाड़ियाँ (लागत 40,000)	6,00,903 ·	30,500	To Purchases
विनियोग कम्पनियों के पूर्णदत्त समता अंशों में बाजार मूल्य (1,	80,000)	onsq:	To Manufacturing e
कम्पनियों के पूर्विधिकार अंशों में (50% भुगतान)	999,00 f	40,000	To Gross profit old
रहतिया (लागत एवं बाजारू मूल्य में से जो कम हैं)	1,32,627	2,25,000	
विविध देनदार (आरक्षित, अच्छे इनमें से 90% 9-7 ह			
उसके बाद के हैं)	26,814	2,00,000	To Establishment
हस्तस्थ और बैंक में रोकड़	31,078	11,000	To Generals charge
करों के लिए संचय	1,800		200, 64, 1's 188s
विविध लेनदार			60,000
ऋण पत्र के निर्गमण पर कटौती	000,01	2,000	To Dep. on building
	6,500	14,16,000	T 000, 61,010, agent

निम्न अन्य सूचनाएँ हैं (अ) भवन पर 5%, फर्नीचर पर 10%, मोटर पर 20% हास अपलिखित करना है (ब) उचित दर से चालू वर्ष के लाभों के लिए करों का प्रावधान करना है। (स) संचालकों ने 10% लाभांश तथा 20,000 रु० ऋण पत्र शोधन कोष में हस्तांतरित करने का निर्णय लिया। अन्तिम खाते बेनायें

#### Solution-

#### Bombay Trade Ltd.

1.4 बम्बई देहमें लिपिटेड खाते में 31 विसम्बर 1983 को निम्न वारिकवां शी-

Balance-Sheet (As on 31-12-1983)

Authorised Capital		Fixed Assets	REIN	SK APK-P OF
6,000 share @ 100/- each	6,00,000	Building	4,00,00	ला मात्र मान
000.75		Less dep.	गया (सकता	प्रम तिसीवती पर
ISSUED AND SUBSCRIBED		on building	67,500	वेतन , बोगस ३
CAPITAL .	1		3,32,500	
6,000 shares @ 100/- each	6,00,000	Furniture 10,000		Carrier Co
, as a second of the		Less Dep. 3,700	S SOU PUNDO	Terri Denyk
			विशिव निर्मान	th len to se

AND DESCRIPTION OF THE PERSON	
	Fo interest on debenture 2,500
	Motor Vehicles 4,000 Less dep. 15,600
1,04,400	To Depreciation 5,000
	008.VI 24,400 000blu8
	Furniture 700
	INVESTMENT 3,63,200
	Equity shares 2,00,000
	(Market Value 1,80,000)
1,02,500	Unquated Pref. Share40,000
	To Not Profit e/a . 1,46,400
	CURRENT ASSETS
	Stock 2,25,000
	S. debtors 1,80,800
sy balance	Cash at bank 11,000
3,14,800	Advance against cons-
y Current	tructions of building 80,500
	Debt for more than
	3 month 20,000
	1, 4 सार्राष्ट्र
	5,16,500
पनी अधिनय	Misc. expenditure
हे । इंग्रह्म आई	Discount on issue of debtor.
11,21,700	11,21,700
	OOZ,SO,1 OOS,SI,SI OOS,PI,SI

- 1. 4,00,000 3,50,000 = 50,000  $3,50,000 \times 5$  7 = 17,500 + 50,000 = 66,500
- 2. 10,000 7,000 = 300  $\frac{700 \times 10}{100} = 700$ , 3000 + 700 = 3700  $\frac{100}{100} = 300$
- 3. 40,000 30,500 = 9500,  $30500 \times 20\% = 6100$ , 9500 + 6100 = 15,600

#### Profit and Loss A/c SF SF SF SF SF SF SF SF (4)

(For the year ending Dec, 31, 1983)

To Salaries, Bonus 1,25	5,000	By Gross Profit b/d 4,85,000
To Director's fees	2,500	By Divident 10,000
To Admn, and other expenses 1,40	0,000	Less Income tax 3,000

To Interest on debenture 2,500		POO,7
Add outstanding 2,500	Motor Vehi	Depending tedemphon
Tc Depreciation	5,000	lund 20,000
Building 17,500	0,000	P/L approp, A/c 84,400 1 04,400
Furniture 700		Secured loan
M. Vehicles 6,100	NVESTME	UNSECURED LOAN
2,00,000	24,300	1000 00 \$
To Prov. for taxation @ 25%	SV 1920SIVI	5% Deben ures 1,00,000 1.02,500
To Net Profit e/d	1,46,400	
Rs.	4,92,000	40121VOR9 BS. 4,92,000
To Debenture redemption	HUUK	S erection 2
Fund   008,08,1	20,000	By Balance b/d 18,000
To Proposed dividend	60,000	(from previous year)
To Balance c/d os probled	84,400	By Current year's profit 1,46,400
nad <sub>Rs.</sub>	1,64,400	COMPINE UNTUABLE
20,000	1,01,100	Rs. 1,64,000

#### 1. 4 सारांश

कम्पनी के अंतिम खाता के अन्तर्गत भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत निर्धारित प्रारूप में कम्पनी को आर्थिक चिट्ठा तथा लाभ हानि खाता तैयार करना है।

Paid-up pref. share 40,000

To Salaries, Bonus

To Director's fees

To Admn, and other expenses 1, 40,000

#### 1.5 अभ्यास हेतू प्रश्न

- (1) एक कम्पनी के अन्तिम खातों से आप क्या समझते हैं? एक आर्थिक चिट्ठा कैसे तैयार किया जाता है? उदाहरण या नमूना देकर नमझायें।
  - (2) आर्थिक चिट्ठा के मुख्य मदों को समझायें।
  - (3) लाभ हानि खाता और लाभ हानि समयोजन खाता में तुलना कीजिए।
  - (4) निम्नलिखित पर नोट निखें अंग्रेजिय किंग्रिक भीवापी
    - (अ) चालू दायित्व, 1981 18 390 gnibne 1894 edi 1971)
  - 000 ट(ब) चालू सम्पत्ति, मिलान हरता एवं
    - (स) संदिग्ध दायित्व, 100000
    - (द) आर्थिक चिट्ठे के स्वकृति।

1,25,000

(5) विभाजन योग्य लाभ क्या है? लाभांश के वितरण के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम में कीन कीन विभिन्न प्रावधान बनाये गये हैं?

कायनी का अंतिम खाता

Fire insurance

#### Practical Problems— 000.00(4) 防部区 000.04 08 切割財 1第 09 00.04 图

Q. The following balance were extracted from the books of C. Company Ltd. for the year ended 31st December, 1991.

Buildings HE HE REST STY TO HE FEE TO HE	म शेन दियां हु	6,00,000
Furniture and a 30.6 1984		
Motor vehicles	राते का सलपट	000,000 mm E.B.
Equity shares of companies	6,400	4,00,000
Stock-in-trade at cost	10,000	4,00,000
Sundry debtors, unsecured, considered go	25.00boo	2,80,000
Cash at Bank noisivorq eldab bs8	15,000	1,72,000
Advance against construction of building	3,200	1,30,000
Share Capital-	2,300	Variet Hwards
10,000 Equality shares of Rs. 100 each	21,400	10,00,000
Sundry creditors	2,700	3,50,000
P&L A/c (cr. balance)	100	20,000
Gross Profit	005.1	10.00,000
Dividend received on investments	1,550	10,000
Salaries and wages	700	2,20,000
Director's fees	008	8,000
Electricity charges	50,000	25,000
Rent, taxes and insurance	-00S.T-	
Auditor's fees	1,500	10,000
Additor 3 1605	1,500	15,000

Prepare the P and L A/c of the company for the year ended 31st Dec. 1991 and Balance-Sheet as at that date after the following adjustments—

- (i) Provide 10% depereciation p.a.
- (ii) Stock has been revalued as Rs. 3,60,000. This has not been considered as yet.
- (iii) Debts more than 6 months are Rs. 80,000.

### प्रश्न.। को बनाते समय निम्नांकित बिन्दुओं पर ध्यान देना आवश्यक है

- 1. प्रश्न में सकल लाभ दिया हुआ है किन्तु स्टॉक की अन्तिम कीमत वर्ष के अन्त में मात्र 3,60,00 रु॰ है। इसलिए रु॰ 40,000 अर्थात् (4,00,000 3,60,000) को सकल लाभ में स कम करना है।
- 2. हास सभी स्थायी सम्पत्ति अर्थात् भवन, उपस्कर और मोटर गाड़ी पर 10% की दर से जोड़ना है।
- 3. लाभ हानि खाते का जमा शेष दिया हुआ है उसे इस वर्ष के शुद्ध लाभ में जोड़ना है।

## Q. 2. The following is the Trial Balance of E.B. Ltd. as at 30.6.1984.

30.6.1984 at E.B. L		
Cash-n-arrear	6,400	Subscribed
Land	10,000	Capital: 10,000 1800 18 9081 11-X0018
Building	25,000	Shares at Rs. 10 per share 1,00,000
Plant and machinery	15,000	Bad debts provision and to deso
Furniture	3,200	on 1st July, 1983
Carriage Inwards	2,300	Sales 85,000
Wages	21,400	Discounts
Salaries	4,600	To, oco Calonità Strato Socialia
Sales returns	2,700	Purchase returns 3,400
Bank charges	100	Sundry creditors 13,200
Travelling	1,200	Gross Profit
Discount	1,550	Share premium
Coal, gas, water etc.	700	Salaries and wages
Rates and taxes	800	General reserve 24,000
Purchases	50,000	2.1,000
B/R 00,75	1,200	Electricity charges
Printing	1,500	Rent, taxes and insurance
Audit fees	1,500	Auditor's ces
General expenses	1,900	Prepare the P and L A/c of the company to
Sundry debtors	42,800	Balance-Sheet as at that date after the follo
Stock (1st July, 1983)	25,000	
Fire insurance	- 400	(i) Provide 10% depereciation p.a.
Cash in hand no mood to	2,500	(ii) Stock has been revalued as Rs. 3,60,000
Cash at bank	14,000	(iii) Debts more than 6 months are Rs: 80;
	2,34,750	2,34,750

From the above Trial Balance, prepare the Trading Profit and Loss Account for the year ending 30.6.1984 and the Balance-sheet as on that date in the form prescribed under the Companies Act-1956, considering the following matters—

- (i) The value of stock as on 30.6.1984 was Rs. 30,000.
- (ii) Outstanding liabilities as on 30.6.1984 was wages Rs. 3,200; salaries Rs. 500 and rates and taxes Rs. 200.
- (iii) Fire insurance prepaid was Rs. 120.
- (iv) Provision to be made at 5% on sundry debtors for had debts.
- (v) Depreciation to be changed on building 2½ &. on plant and machinery @ 10% an on furniture @ 10% per share.
- (vi) The authorise capital of the company is 50,000 shares of Rs. 10 per share.

BEN WHIE - BEES

2.1 differen

में विस्तृत जानकारी देना है।

2.2 ventered en save

करने वाली नयी कप्पनी को क्रांता कप्पनी कहा जाता है।

#### 1.6 पठनीय पुस्तकें

1.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल
2.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह
3.	एडवांस्ड लेखांकन	शुक्ला एवं श्रीनिवास
4.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	एस० एन० महेश्वरी
5.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी Vol-II	शुक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं गुप्ता

इस पाठ का मरूप उद्देश्य छात्रा को कम्मनी को एकोकरण के बारे मे जिस्ता जानकारी तेना है।

इस पाठ में कार्यात के एकी काण का अर्थ, उदेश्य, इसके लाभ हानि एवं लायांकान विभिन्नों के बारे

रो समान प्रकृति की क्यापार करनेवाली कामनियाँ आपसी प्रतिस्पृद्धी नम करने और आपक्षाण

...

लाभ कवाने के उद्देश्य से एक हो जाती हैं तो इसे हम एकीकरण कहते हैं। दा का समापन और एक का निर्माण एकीकरण कहताता है। समापन होने काली कम्मनियों को विकास कम्मनी कहा जाता है और कुछ

समान का आंतर जात

FRIEND STIPSU

### कम्पनी का एकीकरण

#### he value of stock as cires in com 4 was As. 30,000 ii). Outstanding liabilities as on 30.6.1984 was wa was signification. As 500 and rates and taxes As 200. एकीकरण का आशये ा विषय शिक्ष कि कि प्राची कि प ly Prevision to be made at 5% on surgistion to be made at 5% o Depreciation to be changed on build with a rosaffey

एकीकरण में लेखा विधि विधि विधालियों गठ तह 201 9 2.5

परिचय

- लाभ-हानि खाता ०० वर्ग १० । आठेक इंटार्किए इति 2,5,1
- लाभ-हानि समायोजन खाता 2.5.2
- आर्थिक चिट्ठा 2.5.3
- अन्तिम खातों की स्वीकृति 2.5.4
- असहमत अंशधारी 2.5.5
- उदाहरण 2.6
- 2.7 सारांश कार्जनिक है। एक

reet as on that date in or sidering the following

2.0

2.1

2.2

2.4

2.3

- अभ्यास हेत् प्रश्न 2.8
- पठनीय पुस्तकें 2.9

#### 2.0 उद्देश्य

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कम्पनी के एकीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी देना है।

#### 2.1 परिचय

इस पाठ में कम्पनी के एकीकरण का अर्थ, उद्देश्य, इसके लाभ हानि एवं लेखांकन विधियों के बारे में विस्तृत जानकारी देना है।

#### 2.2 एकीकरण का आशय

जब दो समान प्रकृति की व्यापार करनेवाली कम्पनियाँ आपसी प्रतिस्पद्धी कम करने और अधिकतम लाभ कमाने के उद्देश्य से एक हो जाती हैं तो इसे हम एकीकरण कहते हैं। दो का समापन और एक का निर्माण एकीकरण कहलाता है। समापन होने वाली कम्पनियों को विक्रेता कम्पनी कहा जाता है और क्रय करने वाली नयी कम्पनी को क्रेता कम्पनी कहा जाता है।

### 2.3 एकीकरण के उद्देश्य

एकीकरण के निम्नलिखित उद्देश्य हैं (2) अगार क्रथ मूल्य नहीं हिया एका है तो उसके व

- व्यय को कम करना।
- प्रतिस्पद्धीं को कम करना। 2.
- व्यापार की नीतियों और कार्यवाहियों पर नियंत्रण स्थापित करना। Fhan 3
  - .1. उत्पादन लागत कम करना।
  - उत्पादन बढाना। 5.

  - कार्य प्रणाली में विशेषज्ञों की सहायता प्राप्त करना। 7.
  - वितरण सम्बन्धी प्राप्त सुविधा प्राप्त करना। 8.
  - जनता की अधिकतम सेवा करना।

#### 2.4 एकीकरण के दोष

एकीकरण के निम्नलिखित दोष हैं

- इससे एकाधिकार का जन्म होता है। अधिक कर 000 ह आधार भारत सर्वाद कर कि विकास
- 2. एकीकरण से कीमतों में वृद्धि की सम्भावना रहती है। : उ के अनपात में होगा अधित अ कम्मनी को व
  - वस्तुओं की कमी बाजार में हो सकती है।
  - इससे छोटी कम्पनियों के लोप होने का भय उत्पन्न हो जाता है। 4.
  - इससे अधिक पूँजी की जरूरत हो सकती है। 5.
  - प्रबन्ध सम्बन्धी कठिनाइयाँ भी उत्पन्न हो जाती है।
  - व्यापार की प्रगति में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

#### 2.5 एकीकरण की लेखाविधि (Accounting process in Amalgamation)

एकीकरण सम्बन्धी लेखे विक्रेता कम्पनियाँ (Vendor Companies) एवं क्रेता कम्पनी (Purchasing Company) अर्थात् नयी कम्पनी की पुस्तकों में करने पडते हैं। यह नियम तभी लागू होगा जब सारा का लाग कय मुल्य इ

#### 2.5.1 क्रय मूल्य का निर्धारण :

एकीकरण में क्रय मूल्य का निर्धारण एक कठिन समस्या है। इसका निर्धारण आपसी समझौते से होता है। हमलोगों को मूल्य निर्धारण करते समय यह देखना चाहिए कि

गण्यार कि रिशंड

(a) The Health Share (Not Assets Method)

नूल सम्मित नाम मात्र की समिति कहा परियास

(व) शहत कवड प्रवाली : इस प्रवाली के अन्तर्गत पूंची, लाभ एवं

जारी किये गय

बराकर राढ फण्ड निकाला जाता है। दोनों पद्धति से क्रय नृत्य एक हो अर

(b) Vis year synth (Net Fund Method)

2.5.2 उपार्थन शक्ति के आधार पर मुख्य का निर्धारण :

revisitely on frue

- (1) क्रय मृत्य दिया है या नहीं। अगर क्रय मूल्य दिया हुआ है तो उसी आधार पर उसकी गणना की जाती है।
  - (2) अगर क्रय मूल्य नहीं दिया हुआ है तो उसके दो आधार हैं
  - (a) शुद्ध सम्पत्ति प्रणाली (Net Assets Method)
  - (b) शुद्ध फण्ड प्रणाली (Net Fund Method)
- (a) शुद्ध सम्पत्ति प्रणाली : इस प्रणाली में हम कुल सम्पत्ति घटाव कुल दायित्व शुद्ध सम्पत्ति नियम का प्रयोग करते हैं।

प्रतिस्पद्ध को कम करा

कुल सम्पत्ति नाम मात्र की सम्पत्ति कुल दायित्व शुद्ध सम्पत्ति।

- (b) शुद्ध फण्ड प्रणाली : इस प्रणाली के अन्तर्गत पूँजी, लाभ एवं संचय के योग से दायित्व घटाकर शुद्ध फण्ड निकाला जाता है। दोनों पद्धति से क्रय मूल्य एक ही आयेगा।
  - (3) क्रय मूल्य को आंतरिक मूल्य के आधार पर भी निकाला जाता है।

अंश का आंतरिक मूल्य कुल सम्पत्ति कुल दायित्व कि कि विकास कि विकास

#### 2.5.2 उपार्जन शक्ति के आधार पर मूल्य का निर्धारण :

इस पद्धित के अनुसार कुल क्रय मूल्य दिया रहता है। इसी कुल क्रय मूल्य का बँटवारा एकीकरण होनेवाली कम्पनियों में उसके औसत लाभ अर्जन क्षमता के आधार पर करते हैं। जैसे अ कम्पनी ओर ब कम्पनी का औसत लाभ क्रमश: 2,000 रु० और 3,000 रु० है और क्रय मूल्य 15,000 रु० है जिसे 10,000 रु० अंशों और 5,000 रु० नकद दिये जायेंगे तो इनका बँटवारा अ और ब कम्पनी में क्रमश: 2: 3 के अनुपात में होगा अर्थात् अ कम्पनी को 4,000 रु० का अंश और 2,000 रु० नकद मिलेंगे और ब कम्पनी को 6,000 रु० का अंश और 4,000 रु० का नकद मिलेगा।

नयी कम्पनी द्वारा जारी अंशों की संख्या हमलोगों को दूसरी कठिनाई यह होती है कि विक्रेता कम्पनियों का कितना अंश क्रेता कम्पनी से मिलेगा। इसका निर्धारण नयी कम्पनी के अंश की कीमत पर निर्भर करता है।

अंशों की संख्या एक अंश का मूल्य

No of Share = Net Assets

Price of one share

यह नियम तभी लागू होगा जब सारा-का सारा क्रय मूल्य अंशों में दिया गया हो।

नयी कम्पनी की पूँजी: अगर नई कम्पनी ने अलग से अंश जारी नहीं किया हो तो उसकी पूँजी उतनी ही होगी जितना अंशों का निर्गमन उसने पुरानी अर्थात् विक्रेता कम्पनी को दिया है।

चुकता पूँजी = पुरानी कम्पनियों, को जारी किये गये अंश × अंश की कीमत

#### 2.5.3 बिक्रेता कम्पनी का बही में प्रविष्टियाँ :

प्रत्येक विक्रेता कम्पनी एक भुगतान प्राप्ति खाता (Realisation A/c) खोलेगी और सभी सम्पत्ति और दायित्व तथा क्रय मूल्य, क्रय व्यय इत्यादि की प्रविष्टि करेगा। पुरानी कम्पनी के सभी खाते बन्द कर दिये जायेंगे It funds are taken over by our chasing company

(Being lands taken over by new compan

Particular liability A/c

Purchasing Co A/c

Bank A/c

To Asset Alc

इसके लिए प्रविष्टियाँ निम्नांकित होंगी A bnu I Inabivoid soayoldma

Realisation A/c Dr.

To Each Asset A/c

(प्रत्येक सम्पत्ति को पुस्तकीय मूल्य पर स्थानान्तरित किया) कि वर्ष

Each Liability A/c Dr.

To Realisation A/c

(Being Liabilities Transferred)

(दायित्वों का स्थानान्तरण किया)

(Being purchase consideration d 7. Having Calculated the Purchase Price and number of shares in the Purchasing companies, we propose to take you to the books of Journal in the under companies and purchasing company.

Journal Entries in the Books of vender company

For transferring Sundry Assets (1978) 1.

Realisation A/c Dr. Book-Values

DIE A THE

To Sundry Assets A/c

(Being transfer of tangible

assets excluding fictitious assets)

For transferring sundry liabilities 2.

Liabilities (Each) A/c

**Book-Values** 

To Realisation A/c

(Being transfer of liabilities) or (2201) teres prise

3.	For transferring Provisions	अकता पूंजी = पुरानी कमानियां क
	Provision for Bad debts A/c	Dr. किया का विकास पार्टको है.2.
ec theto vii	Depreciation Fund A/c	Dr. अलोका विकास कामनी एक पार
sia fallos f	(Being respective assets taken as	
4.	It funds are taken over by purchasi	
1 Lang Suite	Employees provident Fund A/c	Drain हिंदू प्रक्रिक्यों हिम्मा वि
	Pension Fund etc. A/c	Dr. Go\A noitealleefi
	(Being funds taken over by new co	mpany)
Note -	- If the funds or any one fund	To Each Asset A/c
	is not taken over than the	(अरथेक सम्मति को पुस्तकीय मूर
	Particular liability A/c	Dr.
	To Bank	Each Llability A/c Dr.
	(Being paid)	
5.	For Purchase consideration	To Realisation A/c
	Purchasing Co. A/c	(Being Liabilities Transfür
	To Realisation A/c	(दाचित्वां का स्थानान्तरण किया
	(Being purchase consideration due	
6.11	If any Assets is not taken over	7. Having Calculated the hasing companies, we propose
in the un	(a) If sold at Book Value	ompanies and purchasing con
	Bank A/c	Dr ·
	TO ASSET A/C	Journal Entries in the Boo
	(Being the amount realised)	. 1/ For transferring Su
	(b) If sold at a higher price, at a pr	Peallsation A/dillo
	Bank A/c	Dr. Sundiy Assets
	To Asset A/c	
	To Realisation A/c	(Being transfer of
	(Being the amount realised mo	ore than Book-Value)
	(c) If sold at a loss admids it won	2. For transferring su
	Bank A/c	Dr. Lisbilities (Each)
	Realisation B/c	Dr.
	To asset A/c	To Realisation A/c
	Being asset (loss) sold at lowe	r price than the Book-Value

का एकीकर	ण			T Wind
a.7.0.1 è	Sim	ilarly if any liability is	not taken over	by the
	pure	chasing company, bu	it the same is to	
	by t	he vender company.		For premium
	(a)	If paid at Balance-S	Sheet value	Debenture A/c
		Liability A/c	Dr.	Realisation A/c
		To Bank	ture/Shares A/	To Cash/Deben
		(Being liability paid	at Book Value)	(Being Debentu
	(b)	If paid at a higher p		Debentura A/c
		Liability A/c	Dr. oV	To Realisation A
		Realisation A/c	sen Dr. \ejul	To Cash/Deben
		To Bank	res paid at disc	(Being Depentu
		(Being liability paid	with Premium)	In case of prefe
	(c)	If paid at discount	natisation A/c	For Profit on Re
		Liability A/c	Dr.	Realisation A/c
		To Bank	holders A/o	To equity share
		To Realisation		(Being profit on I
		(Being liability paid		or Equity shareh
8.	For	Liquidation/Reconst	ruction expense	
	(a)	If paid by the vende	r company	
		Realisation A/c	Dr.	(Being loss
		To Bank		Tor transforming t
		(Being cost paid)		Equity share cap
	(b)	If paid by purchasin	y company and	
		included in purchas	e price	Dividend Equalis
		Realisation A/c		Contingency Fur
		To Bank	dent or	Employees Accid
		(Being of liquidation	included in pu	rchase price)
	(c)	No Entry if paid by	new company	P and L A/c (or.)
9.	For	the discharge of Del	pentures ov	Insurance Fund
	Del	benture A/c	. Dr. 0\A	Share Premium
	То	Cash/Debenture/Sha	res NA enobler	To Equity Sharer
	A CONTRACTOR OF			

(Being Debentures paid at par)

For premium Debenture A/c Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares A/c (Being Debentures paid at premium) Debenture A/c To Realisation A/c To Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount) In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c Dr. To Realisation A/c (Being loss	N.B.(1)	If Debentures are paid at premium or lower price and, the Realisation A/c will be Debited and Credited i.e.,
Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares A/c (Being Debentures paid at premium) Debenture A/c To Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount) In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c P and L A/c (cr.) A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c Dr. To Equity Shareholders A/c		For promition
To Cash/Debenture/Shares A/c (Being Debentures paid at premium) Debenture A/c To Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount) In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c P and L A/c (cr.) A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c Dr. To Equity Shareholders A/c		Debenture A/c pulsy road and Dr. set to bing H (s)
(Being Debentures paid at premium) Debenture A/c To Realisation A/c To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount) Note — In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss ————)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c Dr. General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c P and L A/c (cr.) A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c Dr. To Equity Shareholders A/c		Realisation A/c Dr. b/A vtilidai.
Debenture A/c  To Realisation A/c  To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount)  In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c  Realisation A/c  (Being profit on Realisations)  or Equity share holders A/c  (Being profit on Realisations)  or Equity shareholders A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance  Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  Dr.  O A Shareholders A/c		To Cash/Debenture/Shares A/c
To Realisation A/c  To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount)  Note — In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dr. Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Contingency Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c Dr. OA authored  To Equity Shareholders A/c Dr. OA authored  To Equity Shareholders A/c Dr. OA authored  To Equity Shareholders A/c		(Being Debentures paid at premium) (Ilidal paid)
To Cash/Debenture/Shares (Being Debentures paid at discount)  Note — In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c (Being profit on Realisations) or Equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dr.  General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c Dr.  To Equity Shareholders A/c  To Equity Shareholders A/c		Debenture A/c soing to Dr. 1 is is bisq 11 (d)
(Being Debentures paid at discount)  In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c Dr. To Realisation A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dr. Dividend Equalisation Fund A/c Contingency Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c P and L A/c (cr.) A/c Insurance Fund A/c Share Premium A/c To Equity Shareholders A/c		To Realisation A/c
In case of preference shares the Entries will be the same.  10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c Dr. To Realisation A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Contingency Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c P and L A/c (cr.) A/c Insurance Fund A/c Share Pramium A/c To Equity Shareholders A/c		To Cash/Debenture/Shares
10. For Profit on Realisation A/c Realisation A/c Dr. To equity share holders A/c (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c Dr. General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Dividend Equalisation Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c Dr.		(Being Debentures paid at discount)
Realisation A/c  To equity share holders A/c  (Being profit on Realisations)  or Equity shareholders A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance  Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dividend Equalisation Fund A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c	Note	In case of preference shares the Entries will be the same.
To equity share holders A/c  (Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c  To Realisation A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Contingency Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c	10.	TO FIGHT OF REGISATION A/C
(Being profit on Realisations) or Equity shareholders A/c  To Realisation A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Contingency Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c	1,51	
or Equity shareholders A/c  To Realisation A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance  Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c		To equity share holders A/C
To Realisation A/c  (Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c		(being profit on Realisations)
To Realisation A/c  (Being loss		or Equity shareholders A/c Dr
(Being loss)  11. For transferring the credit balance Equity share capital A/c General Reserve A/c Dividend Equalisation Fund A/c Contingency Fund A/c Employees Accident or Compensation Fund A/c Dr. And Balance Employees Accident or Compensation Fund A/c Dr. And Balance Dr		To Realisation A/c
Equity share capital A/c Dr.  General Reserve A/c Dr.  Dividend Equalisation Fund A/c Dr.  Contingency Fund A/c Dr.  Employees Accident or  Compensation Fund A/c Dr.  P and L A/c (cr.) A/c Dr.  Share Premium A/c Dr.  To Equity Shareholders A/c 2018/10/10/2007		(Being loss
Equity share capital A/c  General Reserve A/c  Dividend Equalisation Fund A/c  Contingency Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c	11.	For transferring the credit balance
Dividend Equalisation Fund A/c Dr.		Consider about an it is a first
Dividend Equalisation Fund A/c Dr. on behalf Dr. Contingency Fund A/c Dr. Andreaded Dr. Dr. Andreaded Dr.		
Contingency Fund A/c  Employees Accident or  Compensation Fund A/c  P and L A/c (cr.) A/c  Insurance Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c  Dr. A notiselise Fund A/c  Dr. Anotiselise Fund A/c  Dr. Anotise		Dividend Counting to 1.47
Employees Accident or  Compensation Fund A/c bullon no Dr. upit to pnied)  P and L A/c (cr.) A/c and went Dr. spis deal and to a linear arce Fund A/c  Share Premium A/c  To Equity Shareholders A/c settled A/c and the deal architecture arch		
P and L A/c (cr.) A/c amo went (Dr. 5q 1) vin 3 off (5) Insurance Fund A/c Setting Dr. 5/A et ting 6  Share Premium A/c Dr. 5/A et ting 6  To Equity Shareholders A/c Set al 2/et ting 6 of 6		
P and L A/c (cr.) A/c amo went (Dr. 5q 1) vin 3 off (5) Insurance Fund A/c Setting Dr. 5/A et ting 6  Share Premium A/c Dr. 5/A et ting 6  To Equity Shareholders A/c Set al 2/et ting 6 of 6		Compensation Fund A/c bulgar not Dr. upil to pale8)
Share Premium A/c Dr. Dr. Dr. Dr. To Equity Shareholders A/c Setal 2/stutted eC/ds SO oT		P and L A/c (cr.) A/c some went (Dr. sq 1) vim3 o// (5)
To Equity Shareholders A/c Setant Statuthed Cl/desO oT		Insurance Fund A/c senutred Opr. epitade ib ent to 7
To Equity Shareholders A/C		Share Premium A/c 10 Dr. Dr. Dr.
(Being close of Cr. balance A/c) biag setutined of phies)		To Equity Shareholders A/C
		(Being close of Cr. balance A/c)

12. For closing the A/c of fictitious Assets To P + LIA/C 000,00,5 otal behinde 000,000 and to latiges a ritiw bill of each. The new company is to take up the whole of the To Preliminary expenses A/c To Development expenses etc. (Being transfer expenses assets) If only the of all vinequips were on the A Collid Re 12,000 and B Collid Rs 13. For Receipt of consideration Shares (Equity/Prof.) in new Co. A/c Dr. Debenture (Equity/Prof.) in new Co. A/c Dr. Cash/Bank A/c 8,00,000 प्रांद्स अग्रा १० रह घोरा वारे दर से भावता To Purchasing A/c (Being purchase price received) Equity shareholders A/c Dr. rebriev anTo Equity shares in new Co. It not small small to atable at nO To cash/Bank A/c (Being payment made to shareholders) Issued, Subscriberquid Liquidator of vendor Co. A/c 15. To Equity share capital A/c Paldup Capital To share premium A/c To Pref. share capital A/c To Debentures A/c Pand LA/c (or) To Cash/Bank A/c (Being the payment of purchase price by shares, debentures and cash) Dr. Dr. Machine Machine Good will A/c To Cash/Bank A/c Stock-in-trade (Being expenses of liquidation)

Note—We have discussed in detail the Journal Entries in both the books. This is also applicable in the case of absorption and reconstruction.

S DOG (S

#### 2.6 Example

The A Co. Ltd. B. Co. Ltd. agree to combine and form a new company, A. and B. Co. Ltd. with a capital of Rs. 20,00,000 divided into 2,00,000 Equity Shares of Rs. 10/each. The new company is to take up the whole of the assets and liabilities of both the companies on a consideration of issue to A. Co. Ltd. of Rs. 10,00,000 and to B. Co. ltd. of Rs. 8,00,000 in fully paid Rs. 10 shares.

or closing the A/c of fictitious Assets

The new company is to pay the liquidation expenses of the vendor companies viz. A Co. Ltd. Rs. 12,000 and B. Co. Ltd. Rs. 10,000 as also its own formation expenses, Rs. 15,000.

A. Co. Ltd. और B. Ltd. मिलकर एक नयी कम्पनी A और B. Co. Ltd. बना लेती है। नयी कम्पनी सभी सम्पत्ति और दायित्व को ले लेती है और A. Co. को 10,00,000 रु॰ और B. Co. को 8,00,000 पूर्णदत्त अंश 10 रु॰ प्रति अंश की दर से भुगतान कर लेती है।

नयी कम्पनी समापन व्यय A. Co. के लिए 12,000 रु॰ और 10,000 रु॰ क्रमश: चुकाती है तथा अपना निर्माण व्यय 15,000 रु॰ खर्च करती है। एकीकरण की तिथि पर दोनों कम्पनियों का शेष निम्न प्रकार था :

On the date of amalgamation the balance in the books of the vender companinies are as follows:

tholders)	A Co. Ltd.	B. Co. Ltd.
Issued, Subscribed and	vendor Co. Alc.	15. Liquidator of
Paidup Capital	9,00,000	7,00,000
Reserve Fund	1,00,000	80,000
Creditors	75,000	60,000
P and L A/c (or)	40,000	35,000
Goodwill	1,00,00	85,000
Land and Building	2,50,000	2,00,000
Plant and Machinery	6,70,000	5,30,000
Debtors	50,000	000,35,000
Stock-in-trade	20,000	10,000
Bank Balance E Ismuol ent	25,000	15,000

The amalgamation is onl completed, the various assets and liabilities being taken over at their book-values.

You are required to give journal entries in the books of A. Co. Ltd. and opening entries and the Balance sheet of the new company.

एकीकरण की तिथि के शेष दिये हुए हैं तो आप A. Co. Ltd. और क्रेता कम्पनी की बही में जर्नत दीजिए और नयी कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

#### Solution:

#### Journal in the book of A. Co. Ltd. (vendor)

	se price received)	arionuq pried)
000 00 01	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Realisation A/c Dr.	11,15,000	1,00,000
To Good Will A/c	hares in A. and	2,50,000
To Land and Building A/c		6,70,000
To Plant and Machinery A/c	shares transferred t	vilupe gales)
To Debtors A/c	enolders)	50,000
To Stock	Conid	20,000
To Bank ynsqmoo g	books purchasin	
(Being the transfer of asset at Book	c-values)	
Creditors A/c Dr.	75,000	1974
To Realisation A/c	a arit tuo buit of era	75,000
(Being transfer of Creditors)	dit balances (Le. su	If the total cre
A and B Co. Ltd. A/c Dr.	alad 10,00,000 and	on) are greater tha
To Realisation A/c		10,00,000
(Being Purchase price due)		
Equity Share holders A/c Dr.	bit balances are gr	. If the total de
9	40,000	ifference will repre
To Realisation A/c	जीवा भागाने कर रही	40,000
(Being loss on Realisation transferr		ते ते तो अन्तर पूजा हो।
to the equity shareholders A/c)		The Purchase
THE SALESMAN THE REPORT OF THE PROPERTY ASK	AVE SISTEMBER SIZE	t vender company

Share capital A/c Dr. Dr. Dole	The amalgamation 000,00,0 mpl
Reserve Fund A/c Dr.	o taken over at their b 000,00,1°
P and L A/c o shood ent ni sentre la	40,000 beliaper ene uoV
To Shareholders A/c	nerte entres ent brie salance sheet 10,40,000
(Being Capital Fund transferred)	प्रकाकरण की विधि के शेष दिसे हुए हैं तो जिए और नहीं केम्पनी का आधिक बिस्ठा बन
Equity shares in A. and B. Co. Ltd.	10,000 : noitule?
To A. and B. Co. Ltd.	Hood ett ni Ismuol 10,00,000
(Being purchase price received)	
Equity Shareholders A/c Dr.	Realisation Avc Dr. 000,000,01
To Equity shares in A. and	To Good Will A/c
B Co. Ltd.	000,00,001 and Building A/o
(Being equity shares transferred to n	To Plant and Machinery Awe
company shareholders)	To Debtors A/c
Amalgamation Contd.	To Stock

#### 2.5.4. Entries in the books purchasing company:

क्रेता कम्पनी सर्वप्रथम 'ख्याति' या पूँजी संचित की रकम निकालेगी। दोनों में से कोई एक ही होगा।

First of all we are to find out the amount of goodwill or capital Reserve.

If the total credit balances (i.e. sundry liabilities and purchase consideration) are greater than the total debit balances, the difference will represent 'good will'

Or

If the total debit balances are greater than the total credit balances, the difference will represent capital Reserve.'

अगर क्रेता कम्पनी ज्यादा भुगतान कर रही है तो अन्तर की रकम ख्याती होगी। अगर कम कर रही है तो अन्तर पूँजी संचित होगा।

The Purchase company will open a Business purchase A/c and Liquidator of vendor company A/c. क्रय करनेवाली कम्पनी Business purchase A/c खोलेगी।

Journal E	ntr	ies	:
-----------	-----	-----	---

1. Business purchase A/c

To Bank A/c.rd

Formation Expenses A/c

(Bèing axpenses

RS. 10 EACH FULL

To Liquidator of vendor Co. A/c

(Being the purchase consideration due)

2. Sundry Assets A/c

Dr.

Goodwill A/c (Bal. Fig.)

Dr.

To Sundry Liabilities (taken-over)

To Business purchase A/c

To capital Reserve (Bal. Fig.)

(Being Assets and Liabilities taken-over)

#### In the Books of A and B Co. Ltd.

33 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3 3		Dr. Rs.	Cr. Rs.
Goodwill A/c Dr. (Bal.)	Dr.	1,30,000	Seminoria
Land and Building A/c	Dr.	4,50,000	
Plant and machinery A/c	Dr.	12,00,000	AUTHORISED CA
Debtors A/c	Dr.	85,000	2,00,000 Equity
Stock A/c	Dr.	30,000	Shares et
Bank A/c	Dr.	40,000	V Hope Ot 19
To Creditors	20,00,000		1,35,000
To Liquidator of A. Co. Ltd			10,00,000
To Liquidator of B. Co. Ltd		AIBED &	8,00,000
			O COLL COLAGO POLA

(Being various assets and liabilities taken over and

Purchase price payable to the vendor companies,

the difference being debited to goodwill A/c).

Liquidator of A. Co. Ltd.	Dr.	10,00,000	CIAC
Liquidator of B. Co. Ltd.	Dr.	8,00,000	
To Equity share capital A/o	c		18,00,000
(Being pyment of purchase price	) hid		Surplus
Liquidation Expenses of A. Ltd	o Dracin	12,000	Creditors .
Liquidation Expenses of B. Ltd.	Dr.	10,000	

Formation Expenses A/c Dr. 15,000 To Bank A/c 37,00,000 (Being liquidation and formation Expenses paid) Goodwill A/c Dr. 22,000 Sunday Assets Aid To Liquidation Expenses of A Ltd. A/c 12,000 To Liquidation Expenses

10,000

of B. Ltd. A/c

(Being expenses transferred to good will A/c)

#### A. and B. Co. Ltd. **Balance Sheet**

Liabilities	Amount	Assets	Amount
4,50,000	Rs.	1 Building A/c	Rs.
AUTHORISED CAPITAL	10	Fixed Assets	
2,00,000 Equity 900 88	10	Goodwill	1,52,000
Shares of	Dr		Stock A
Rs. 10 each	20,00,000	Creditors	Bank A
ISSUED, SUBSCRIBED		Disputator of A. Co. Ltd b Liquidator of B. Co. Ltd	
AND PAID-UP CAPITAL	e taken ovi	Land and Building	4,50,000
1,80,000 SHARES OF	ndor compa	Plant and	Purchas
Rs. 10 EACH FULLY	.(o\A Iliwbac	Machinery	12,00,000
PAID 000,00,01	18,00,000	Debtors	85,000
Reserves anos	. 13-4	Stock share short	30,000
Surplus	Nil	of Formation 10 friends	(Being p
Creditors 000 21	1,35,000	Expenses 1993	15,000
10,000	19,35,000	ion Expenses of B. Ltd	19,35,000

#### N.B.: More questions to be solved from the Prescribed Books:

- (8) असमत अंशधारी: जो अंशधारी एकीकरण या संविलयन में सहमित नहीं प्रकट करते हैं, वे अपने अंशों का हस्तान्तरण नहीं करते हैं। धारा 395 के अनुसार ऐसे अंशधारियों के अंशों को क्रेता कम्पनी निम्नलिखित शर्तों पर ले सकती है-
  - (1) उसी शर्त पर जिस शर्त पर सहमित प्रकट करने वाले का
  - (2) या आपसी समझौता के अनुसार या
  - (3) न्यायालय के आदेशानुसार।

लेखा विधि: इसके लिए एक अलग खाता खोला जायेगा। भुगतान उसी प्रकार से किया जायेगा जैसे ऋण पत्रधारी या प्रेफरेन्स अंशधारी को। इस पर हानि लाभ भुगतान प्राप्ति खाता में समायोजित होगा। किन्तु आर्थिक चिट्ठा के सभी मद जो समता अंश से सम्बन्धित हैं बहुमत अंशधारियों में हस्तान्तरित किया जायेगा।

#### 2.7 सारांश

एकीकरण का अर्थ एक ही प्रकार के व्यापार के संलग्न दो या दो से अधिक इकाइयों का आपस में मिलकर एक नई कम्पनी के निर्माण कर नये सिरे से व्यापार करना है। इसके अन्तर्गत क्रेता कम्पनी तथा विक्रेता कम्पनी की पुस्तक में जर्नल के लेखे तथा आवश्यक खातें खोले जाते हैं। क्रय मूल्य का निर्धारण शुद्ध सम्पत्ति तथा भुगतान विधि द्वारा किया जाता है।

#### 2.8 अभ्यास हेतु प्रश्न

1. बिहार स्टील लि॰ और यू॰पी॰ आयरन लि॰ एकीकरण के लिए सहमत हुई। उनके चिट्ठे निम्न प्रकार हैं।

De System Sain su

	बि॰ स्टील	यू०पी०	195 0 11	बि॰ स्टील	यू०पी०
THE P	ा लि <b>ः</b> ।	आ०लि०	II-loV fin \$-814	लि॰	आ०लि०
	Rs.	000		Rs.	
पूँजी 1,00,000 अंश					
1 रु० वाले	1,00,000		भवन	50,000	45,000
40,000 अंश	398		प्लाण्ट	24,000	19,000
2 रु० वाले		80,000	पैटर्न्स	2,500	1,800
संचय •	10,000	15,000	रहतिया	14,000	15,200
विविध लेनदार	3,000	1,000	देनदार ,	18,000	16,000
लाभ हानि खातां	2,000	5,000	प्राप्त बिल	2,000	1,400
	1,15,000	1,01,000		1,15,000	1,01,000

एकीकरण के पूर्व बिहार स्टील लि॰ के अंशधारियों को 2% की दर से लाभांश का वितरण होना है और दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियाँ दिये हुए मूल्य पर ही जायेंगी। पुरानी कमपनी के अंशधारी का अनुपात में नयी कम्पनी का अंश प्राप्त करेंगे। एकीकृत कम्पनी का चिट्ठा बनाए।

- 2. एकीकरण का आं प्राप्त करेंगे। एकीकृत कम्पनी का चिट्ठा बनाए।
- 3. एकीकरण में क्रय मूल्य का निर्धारण कैसे होता है? शुद्ध सम्पत्ति और कोष पद्धित में क्या अन्तर है? उदाहरण दीजिए।
- 4. असहमत अंशधारियों का एकीकरण में क्या अधिकार है? इस सम्बन्ध मं लेखाविधि कैसे की जाएगी?

एक करणे का अध्य एक हो प्रकार के व्यापार के संतरन दो

विकला कामनी की प्रतिक में जर्मल के लाखे तथा आवश्यक खात खोले जाते

में मिलकर एक नए कप्पनी के निर्माण कर नये खिरे से व्यापार करना

- 5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए हार क्रिक्स के क्रिक्स के क्रिक्स के क्रिक्स के क्रिक्स के
- (अ) शुद्ध कोष पद्धति
- (ब) उपार्जन क्षमता पद्धति
- (स) व्यापार क्रय खाता

#### 2.9 पठनीय पुस्तकों

1.	एडवांस्ड एकाउन्टे	<sup>!</sup> न्सी	डॉ॰ एस॰ ए	र्मण शुक्त	शुद्ध सम्मान तथा भुगतान
2.	एडवांस्ड एकाउन्हे	न्सी	डॉ॰ एस॰ व	क्रे॰ सिंह	2.8 अध्यक्ति हेतु प्रश्न
ना हु 3.	एडवांस्ड लेखांक	एकीकरण के नि	शुक्ला एवं	श्रीनिवास	ह निवार स्टील ह
4.	एडवांस्ड एकाउन्टै	<sup>!</sup> न्सी	एस० एन०	महंश्वरी	1 के जामध्य
orston 5.	एडवांस्ड एकाउन्हे	रेन्सी Vol-II	शुक्ला, श्रीव	ास, अग्रवाल	् एवं गुप्ता
	aFI Fis		•••	Hs. e	
		English to			1878 000,00,1 ft.F
45,000		FEB		000,000,1	ा का वाले
000.91	24,000	2 Sulled			40,000 ave
008.1	2,500	B-SF	80,000		2 हैं कि जाही
15,200	14,000	रहतिया	000, 31	10,000	क्षान विकास
000.01	- 000,81	अइनई	000,1	3,000	विविध लेनदार
000, 1	000,5.	प्राप्त विल	. 5,000	2,000	लाभ हानि खाता
000,10,1	1,15,000		000, 10, 1	000, 71,	

## संविलयन एवं पुनर्निर्माण

# उद्देश्य

TIME IS PURELLE WISHEST

वक्रमा कमला का लेखा किया जाता है।

विश्वमान कमानी हो एक सम्मनी को खरोप लगी।

3.1. परिचयकर समझने हैं अंक मियक विश्वन करती और एक एउ

3.0

- 3.2 संविलयन के मुख्य तत्व
- 3.3 एकीकरण और संविलयन में अन्तर
- 3.4 संविलयन से लाभ एवं हानि का अध्यक्ष के अध्यक्ष प्रकार के
- 3.5 संविलयन में लेखा
- 3.6 कम्पनियों की आपसी सौदों की समाप्ति
- 3.7 पुर्निर्माण से आशय है जह लगान है कि कि में में ए सिक्स (1)
- 3.8 पुनर्निर्माण की विधि
- 3.9 पुनर्निर्माण के प्रकार किला महिला कर कार्य के प्रकार

  - 3.9.2 पूँजी के परिवर्तन
- 3.10 लेखांकन विधि
- 3.11 उदाहरण
- 3.13. अभ्यास हेतू प्रश्न
- 3.14 पठनीय पुस्तकें मार्ट किम्मार के निमक जिल्हा में महिल्ली

#### 3.0 उद्देश्य

इस पाठ में छात्रों को कम्पनियों के एकीकरण तथा संविलयन में अन्तर की जानकारी दी जायेगी तथा पुर्ननिर्माण लेखे के बारे में विस्तार से बताया जायेगा।

(1) सभी एकीकर्ण अवस्था नहीं होते हैं लेकिन सभी खींबराया एकीकरण क

#### 3.1 परिचय

जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी को, आपसी प्रतिस्पद्धां और उत्पाद लागत को कम करने के उद्देश्य में खरीद लेती है और वह कम्पनी समाप्त हो जाती है तो इसे संविलयन कहते हैं। इसमें एक कम्पनी समाप्त होती है और कोई कम्पनी इसमें नई नहीं बनती है। क्रेता विक्रेता कम्पनी को दाम देकर व्यवसाय खरीद लेती है।

#### 3.2 संविलयन के मुख्य तत्त्व

संविलयन के मुख्य तत्त्व निम्नलिखित हैं

- (1) क्रय और विक्रय करनेवाली कम्पनी पहले से विद्यमान रहती है।
- (2) क्रय और विक्रय करनेवाली कम्पनी का व्यापार एक जैसा होता है।
- (3) क्रेता कम्पनी प्रतिफल का भुगतान करती है।
- (4) विक्रेता कम्पनी का समापन हो जाता है।

#### 3.3 एकीकरण और संविलयन में अन्तर

एकीकरण और संविलयन में निम्नलिखित अन्तर हैं

- (1) एकीकरण में दो कम्पनी का समापन होता है और एक नई कम्पनी बनती है। संविलयन में एक विद्यमान कम्पनी ही एक कम्पनी को खरीद लेती है।
  - (2) एकीकरण में नई कम्पनी बनती है किन्तु संविलयन में नई कम्पनी नहीं बनती है।
- (3) एकीकरण में दोनों कम्पनियों की आर्थिक स्थिति प्राय: एक जैसी होती है लेकिन संविलयन में प्राय: खरीदने वाली कम्पनी की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है।
- (4) एकीकरण में प्राय: प्रतिफल का भुगतान अंशों के रूप में दिया जाता है। किन्तु संविलयन में ऋण पत्र नकद के रूप में भी किया जाता है।
- (5) क्रय मृत्य की गणना तथा लेखा लिखने की विधि प्राय: एक समान हैं। संविलयन में सिर्फ एक विक्रता कम्पनी का लेखा किया जाता है।
- (6) संविलयन में विक्रेता कम्पनी के अंशधारी और अंशधारियों के साथ हो जाते हैं, किन्तु एकीकरण में दोनों विक्रेता कम्पनी के अंशधारी ही सदस्य होते हैं।
- (7) सभी एकीकरण संविलयन नहीं होते हैं लेकिन सभी संविलयन एकीकरण के ही रूप होते हैं। 3.4 संविलयन से लाभ एवं हानि

संविलयन से निम्नांकित लाभ हैं

- (1) प्रतियोगिता का अन्त हो जाता है।
- (2) बड़े पैमाने के उत्पादन का लाभ प्राप्त होता है।
- (3) उपभोक्ता को भी सस्ती दर पर वस्तुएँ उपलब्ध कराई जा सकती हैं।
- (4) वे सभी प्रकार के लाभ प्राप्त होते हैं जो एकीकरण के हैं।

#### 

संविलयन से निम्नांकित हानियाँ हैं

- (1) इससे एकाधिकार को बढ़ावा मिलता है।
- (2) उपभोक्ताओं को शोषण धीरे धीरे बढ जाता है।
- (3) कम्पनी की कार्य कुशलता गिर जाती है।

#### 3.5 संविलयन में लेखा

संविलयन और एकीकरण में लेखा रखने की विधि एक समान है। एकीकरण में दो कम्पनी समाप्त होती है किन्तु संविलयन में एक समाप्त होनेवाली कम्पनी विक्रेता कहलाती है और क्रेता कम्पनी विद्यमान रहती है।

लेखा के सम्बन्ध में विस्तार से वर्णन पिछले पाठ एकीकरण में किया गया।

Problem- The Balance Sheet of Moon Ltd. as on 31.12.84 is as follows:

words on se onlighted bloom as but his to our

मून लि॰ का आर्थिक चिट्ठा 31.12.84 को निम्न है

	Rs.	portevingo a totibera s	Rs.
Share Capital 5,000		neir deinkim 12%	
Equity Shares of	40,000	* September 20 March 1990	
Rs, 100 each	5,00,000	Building a ablude outside (	2,00,000
9% Debentures	1,00,000	Plant siblineded &	1,00,000
Creditors	90,000	Stock 000.0 - 000.00	30,000
		Debtors	1,20,000
Equity-shares -	2 00,000	Bank 2009 2915 de viiop	15,000
	40 000	Preliminary Expenses	35,000
Cash	000 a	Profit and Loss A/c	1,30,000
4	6,90,000	For Leading 1	6,90,000

Sun Ltd. formed to take over the business of Moon Ltd. on the following terms-

- (1) Preferential Creditors Rs. 10,000 be paid in full.
- (2) Ordinary creditors be given the option to either accept 50% of their claims in the cash or convert their claims into 12% Debentures of Sun Ltd.

Hal of the ordinary creditors for the cash.

- (3) Debentures be discharged by issue of sufficient number of 12% Debenture of Sun Ltd. as would bring the same amount of interest.
- (4) Shareholders be issued 2,000 Equity shares of Rs. 100 each of Sun Ltd. at a premium of 20%.
  - (5) Liquidation Expenses Rs. 5,000 be paid.

Prepare the Balance Sheet of sun Ltd. asuming that the assets of Moon Ltd. are taken over at 25% discount and also give the opening journal.

#### Solution-

First of all we will calculate the Purchase consideration-

मनी विद	कारणी विक्रता कहताती है और क्रेता का	Rs.	Form
(1)	Preferential creditors-		10 · 10 · 10 · 10 · 10 · 10 · 10 · 10 ·
	Paid in full at a post of the second	10,000	Cash was lone.
.(2)	Ordinary creditors-	o leert2 eans	Problem - The Bal
	Creditors of Rs. 40,000	10 11 11 11 11	
	Opted ½ in cash	20,000	Cash
	½ creditors converted		
	their claim in 12%		Inare Capital 5,000
	Debentures	40,000	12% Debenture
(3)	Debenture holders		chan OCT (a)
0,00,7	9% Debenture	75,000	12% Debenture
0,08	(1,00,000 × 9,000)	000008	
1,20,0	12.000		
(4)	Equity Shares 2000 × 100 =	2,00,000	Equity shares
	Share Premium	40,000	
(5)	Liquidation Expenses	5,000	Cash
0,000	Purchase Price =	3,90,000	

# क्रय मूल्य में सामान्य न्यय भी सम्मिलित है।

## Journal Entries in the Sun Ltd.

eH.	Asset Called		Dr. eemilde Gr	
42	Fixed Assets		Rs. Rs	
1.	Building A/c	Dr.	1,50,000 as bing box	
11/4	Plant A/c	Dr.	1,20,000	
	Stock A/c	Dr.	22,500	
	Debtors A/c	Dr.	90,000	
	Bank A/c · Plotted	Dr.	15,000	
W	To Liquidator of Moon Ltd.	000.01	3,90,000	)
	To Capital Reserve (Bal.)		7,500	)
	(Being assets taken over at 25%	1,15,000	120 Lebeniures est 12 oct	
	less and purchase price payable	A-2	Secured Loan	
	and balance transfer to capital	000 23	Cerrent Liability	
nos	Reserve A/c)			
2.	Liquidator of Moon		अपन 2 में दिसाचा १९८७ ह	
	Ltd. A/c	Dr.	3,90,000	
	To Share Capital A/c		2,00,000	
	To Share Premium A/c	000,05%	40,000	
	To 12% Debenture A/c		1,15,000	
	To Cash A/c		35,000	
	(Being purchase price paid)			
3.	Capital Reserve A/c	Dr.	5,000	
E (A)	To Cash (Cost of liquidation)			
	(Being cost of liquidation paid in ca transferred to capital Reserve)	sh 000.01		

## Sun Co. Ltd. Balance Sheet as at 31.12.84

Liabilities	Rs.	Assets	
Share capital		Fixed Assets	Rs.
Issued, Subscribed		Building	1.50.000
and paid up 2,000	/21Q	Plant OA DA	1,50,000
equity Shares of	Short	Investments	1,20,000
Rs. 100 each 2,00,000		Current Assets:	Nil
(Issued for consideration		Loans and Advances :	0019 , a
other than cash)	1 T- 10	Stock	idod -
Reserves and surplus		Debtors	22,500
Share Premium	40,000	Misc. Expenses	90,000
Capital Reserves	2,500	wild. Expenses	NII
Secured Loan		(death exception)	
12% Debentures	1,15,000	g assets taken over at 25	
Unsecured Loan	1,70,000		
Bank O/D	25,000	nd purchase once payable	
Current Liability	25,000	clance transfer to capital	Juna
- Liability	Nil		
	3,82,500		3,82,500

प्रश्न 2. 3। दिसम्बर 1986 को ऐंग्लो इजिप्सियन कं ने अपना व्यापार B एक C कं को बेचने का निश्चय किया। इस तिथि को उसका चिट्ठा निम्न था।

<b>รัชบิด,00</b> ร		फ्रीहोल्ड सम्पति	15,000
। ६० प्रति अंश वाले 20,000 अंश	20,000	प्लांट्स a\A mumer9 eich	1,500
5% प्रथम बन्धक ऋण पत्र	10,000	रहतिया अप भागानवाज्य ४९	3,500
लेनदार 👸	3,000	देनदार , अपने अपने तरह	4,000
संचय कोष	5,000	प्राप्य बिल हैं 90110 98610109 है।	2,000
लाभ हानि खाता 000,0	2,000	ख्याति ५४.५ १४.०२०२ । ।	4,000
	1	रोकड़	10,000
Rs.	40,000	is call in the capital Feserve)	40,000

В कं о С कं िल सम्पत्तियों को (ख्याति एवं रोकड़ को छोड़कर) उपर्युक्त चिट्ठा में वर्णित मूल्य पर लेने के लिए तथा उसमें से व्यापारिक लेनदारों के दायित्व को समाप्त करने के लिए और ख्याति के 10,000 रु चुकाने के लिए सहमत हो गई। क्रय मूल्य का भुगतान AE कं िल को L एण्ड C कं िल के । रु वाले 12,000 अंशों का 1,25 रु प्रति अंश की दर से आबंटन द्वारा एवम् शेष का नगदी में किया जायेगा।

00 8 AE कं लि का ऐच्छिक समापन हुआ और X को निस्तारक नियुक्त किया गया। समापन के व्यय 300 रु हुए। AE कं की पुस्तकों को बन्द कीजिए एवं यह भी दिखाइए कि अंशधारी कुल कितना धन प्राप्त करेंगे।

In the book of Anglo-Egyption company (Vendor)

#### Solution (समाधान)

	विक्रेता	कम्प	नी
Re	alisat	tion	A/c

Realisation A/c						
One all and lower H	Rs.		Rs.			
To Free hold Property A/c	15,000	by Sundry Creditor's	3,000			
To Plant and Tools A/c	1,500	By B and C Co. Ltd.	33,000			
To Stock A/c	3,500	र कि किस गण्यात कि गण गण	0.00			
To Sundry Debtors A/c	4,000	ransaction)				
To Bill's receivable A/c	2,000	मक किए हिम्मी समान कर गरक है	F			
To Goodwill A/c	4,000	नियं क्षणाम पर विश्वित किर्म कि	177 177 125			
To Bank A/c	as the but	end here has not the Park	12			
(Cost of Liquidation)	300	ासको है। पहिल्लाहर कराई है। इंग्रिक क्रिड है । इस सूक्त कराई । इस	EMPLE I			
To Share-holder's A/c	5,700	stone is min				
	36,000		36,000			
Figs. 517 11 7 11 12 the first Assessment	Bank	A/c	20,000			
ो इसे हम कवानी का पूर्व विभा करून	Rs.	क्षित हर से देश के बहुत है है।	Rs.			
To Balance b/d	10,000	By First mortgage				
		D. holders A/c	10,000			
To B and C. Co. Ltd.	18,000	By Realisation A/c	300			
		By Share-holder's A/c	17,700			
Rs.	28,000	Rs.	28,000			
A STATE OF THE PERSON OF THE P	STATE OF THE PARTY					

British and Colonial Co. Ltd. A/c						
A T SUR I THE STORY AND A STATE OF THE STATE	Rs.	र रू० चुकाने क लिए सहस्र हो गर्द। ब	00.01 Rs.			
To Realisation A/c	33,000	By Share (in British and	r in ord			
		Colonial Co. Ltd.) A/c	15,000			
कारक निरम्भत किया गया। समस्य के क्य	用作义	By Bank A/c	18,000			
क्र करात लाह विकास की Rs.मी	33,000	the action of the Rs. A. I.	33,000			

#### Share-holder's A/c

	Rs.	A REST THE REST OF THE PARTY OF	Rs.
To Shares (in B and C		By Share Capital A/c	20,000
Ltd.) A/c	15,000	By Reserve Fund A/c	5,000
To Bank A/c	17,700	By Realisation A/c	5,700
Targ Target Market		By Profit and Loss A/c	2,000
·Rs.	32,700	Rs.	32,700

# 3.6 कम्पनियों की आपसी सौदों की समाप्ति (Elimination of Inter-Companies Transaction)

कभी कभी एक कम्पनी दूसरी ऐसी कम्पनी को अपने में मिला लेती है जिसका अंश पहले से खरीदा रहता है। ऐसी स्थिति में इसे समाप्त करना पड़ता है।

इस प्रकार अगर क्रंता कम्पनी विक्रंता कम्पनी से उधार क्रय विक्रय करती है तो लेनदार तथा देनदार में समयोजन करना पड़ता है। अगर क्रय विक्रय पर लाभ हुआ है किन्तु माल का स्टॉक बच गया है तो जितना माल का स्टॉक बच गया है उसी अनुपात में लाभ कम हो जायेगा।

#### 3.7 पुनर्निर्माण से आशय

जब कम्पनी को काफी व्यापारिक हानि होती है या अति पूँजीकरण हो जाता है, या सम्पत्ति दायित्वों सं कम हो जाती है और कम्पनी को विश्वास रहता है कि सुधार करके लाभ बढ़ सकता है तो वह पुराने व्यवसाय को समाप्त करके नये सिरं से उसे स्थापित करता है तो इसे हम कम्पनी का पुनर्निर्माण कहते हैं।

# 3.8 पुनर्निर्माण की विधि

अगर कोई कम्पंनी पुनर्निर्माण करना चाहती है तो उसे निम्नलिखित नियमों का अनुसरण करना अनिवार्य है

(i) अन्तर्नियम का पालन करना

- (ii) अंशधारियों की आम सभा से विशेष प्रस्ताव पास करना।
- (iii) न्यायालय की स्वीकृति प्राप्त करना
- (iv) न्यायालय से आदेश मिलने पर कम्पनी को अपने नाम के साथ 'पूँजी कम हुई' (Fund Reduced) शब्द जोड़ देती है।
- (v) जब न्यायालय पुनर्निर्माण का आदेश दे देता है तो कम्पनी का इसका पंजीयन कम्पनी रजिस्ट्रार यहाँ कराना पड़ता है।

## 3.9 पुनर्निर्माण के प्रकार

पुनर्निर्माण दो प्रकार के होता है

- (i) आंतरिक पुनर्निर्माण के कि कार्य महाने महिल्ला कार्य के कि
- (ii) बाह्य पुर्निर्माण
- (i) आंतरिक पुनर्निर्माण में कम्पनी अपने पूर्व की पूँजी को घटाती है और अपना नया पंजीकरण करती है।

### 3.9.1 पूँजी की कमी :

एक कम्पनी पूँजी की कमी निम्नलिखित कारणों से करती है

- (क) यदि कम्पनी की सम्पत्ति उसकी पूँजी का प्रतिनिधित्व नहीं करती है तो कम्पनी अपनी खोई हुई पूँजी को अपलिखित करने के लिए अपनी पूँजी कम करती है।
- (ख) यदि कम्पनी वर्षों से नुकसान पर चल रही है और कम्पनी को अशा हो कि पुन: निर्माण सं लाभ बढ़ सकता है, कम्पनी सफल हो सकती है तो वैसी दशा में कम्पनी अपनी पूँजी को घटा लेती है।

पूँजी कम करने की प्रक्रिया में अगर लेनदार सहमत नहीं होते हैं तो उन लेनदारों की सूची बनाकर उन्हें कम्पनी द्वारा पूरी रकम का भुगतान कर दिया जाता चाहिए या उन्हें उतनी रकम दी जानी चाहिए जो न्यायालय निर्धारित करें। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर महाजन के संतुष्ट होने पर ही न्यायालय कम्पनी को पुन: निर्माण का आदेश दे सकता है अन्यथा नहीं।

# 3.9.2. पूँजी में परिवर्तन (Re-arrangement of share capital) :

कम्पनी अधिनियम की धारा 94 के अनुसार एक अंश पूँजी वाली सीमित कम्पनी, अन्तर्नियमों से अधिकृत हो, तो अंश पूँजी बढ़ा सकती है, एकत्रित कर सकती है, स्टॉक में बदल सकती है, या उपविभाजित कर सकती है।

पूँजी में वृद्धि के लिए एक साधारण प्रस्ताव पारित करना पड़ सकता है। तालिका (अ) के 44वें नियम के अनुसार एक कम्पनी समय-समय पर साधारण प्रस्ताव द्वारा अंश पूँजी बढ़ा सकती है।

### 3.10 लेखा-विधि (Accounting process)

For the purpose of Accounts we weill open a new A/c known as Capital Reduction A/c. This account will be created for the amount of capital to be reduced and it will be debited to write off the different assets (Real and fictious). The balance of Capital Reduction A/c (credit) will be transferred to Capital Reserve A/c.

A new Balance sheet will be prepared with the reduced Capital and Assets.

पुनर्निर्माण में पूँजी कम करने के लिए एक Capital Reduction खाता खोला जाता है। जितनी पूँजी की कमी होती है उससे इसे जमा करते हैं। अगर लेनदार या ऋणपत्र धारी कुछ रकम छोड़ते हैं तो उससे भी जमा किया जाता है। Capital Reduction खाता को नाम करेंगे जब सम्पत्ति (वास्तविक और अवास्तविक) को अपलिखित करेंगे। इस खाते के शेष को पूँजी संचय खाता से बन्द कर देते हैं।

## 3.11 उदाहरण

#### Problem - 3.

31 दिसम्बन 1986 को Y लिमिटेड और Z लिमिटेड के चिट्ठे निम्न प्रकार थे-

	Y Ltd.	Z Ltd.		Y Ltd.	Z Ltd.
fire frant 8	Rs.	Rs.	कि की सम्मान उपकी	Rs.	Rs.
Equity Share	10	to His first	THE SHOP IN THE STATE OF	error who are	
of Rs. 10 each	5,00,000	3,00,000	Sundry Assets	7,50,000	3,50,000
Reserve	1,00,000	55,000	1,000 Share in		18
असक तिहा से दिस्सी	गढ़ कि है कि	ar bran n	Y Ltd. To the letter for	HIP HINT	1,00,000
Creditors	1,50,000	95,000	नम का भूगतान कर ह	n Naj vita (m Naj vita di	
presentation of the	7,50,000	4,50,000	अन्य है किता है पूर्व	7,50,000	4,50,000

У लिमिटेड ने अंशों के आंतरिक मूल्य के आधार पर Z लिमिटेड का संविलयन किया। क्रय मूल्य का भुगतान पूर्णत: समता अंशों में किया जाना है तथा प्रविष्टियाँ केवल सममूल्य पर की जाती हैं। 20,000 रु० की राशि Y लिमिओड द्वारा Z लिमिटेड को देय है। Z लिमिटेड के स्टॉक में भी 30,000 रु० का एक ऐसा माल शामिल है जो कि X लिमिटेड द्वारा लागत में 20% जोड़कर बेचा गया था। दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए। संविलयन के तुरंत बाद का Y लिमिटेड का चिट्ठा बनाइए।

विक्रेता कम्पनी का बही Solution (समाधान) : Journal Entries in the Books of Z Ltd.

.000 = Rs. 3.78.000	e an	210	Rs.	Rs.
Realisation A/c	Dr.	nić	3,50,000	7.2
To Sundry Assets A/c	7 FP		20	3,50,000
(Being Assets transferred)	1003		APPLICATION OF THE PROPERTY OF	
Creditor's A/c	O Dr.		95,000	aA -
To Reaslisation A/c		30	125 shares:	95,000
(Being transfer of creditors)	er pa			
Y Ltd. A/c	Dr.		2,12,500	
To Realisation A/c			25\A	2,12,500
(Being record of purchase Price)			o A Profibero	o i
Equity Shareholder's A/c	Dr.		42,500	01
To Realisation A/c	A/c <sup>1</sup>	91/	Capital Flese	42,500
(Being loss transferred)	bas et	988	ang over of s	(Being ta
Shares in Y Ltd.	Dr.		2,12,500	Z 210,
To Y Ltd.			DIBITE VILIPE	2,12,500
(Being receipt of purchase price)	ion too		n As hr! V to	Creditors
Equity Share Capital A/c	Dr.	bili	3,00,000	or a
Reserves A/c	Dr.	100	55,000	O parea)
To Equity Shareholder A/c			aservas A/c	3,55,000
(Being transfer made)			Studk Ald	от 🔭
Equity Shareholder's A/c	Dr.	10	3,12,500	nu gnieu)
To Shares in Y Ltd.	5,000	aЯ	30,000 × 20	3,12,500
(Being distribution of 3125 Shares)			US:	

1. Assets 3,50,000 value of Share in Y Ltd. (1000 x 120)

1,20,000 = Rs. 4 70,000

4,70,000 - Creditors Rs. 95,000 = Rs. 3,75,000

3,75,000 = 3,125 Shares Rs. Z Ltd. has already 1,000

Shares in Y Ltd. hence 2125 share in Y Ltd.

 $2125 \times 1000 = 2.12,500/$ 

2. As Z Ltd. has already 1000 shares in Y Ltd. Hence distribution will be of 3125 shares.

#### क्रेत्र कम्पनी का बही Journal Entries in Y Ltd. (Purchasing Co.)

			Г — <u>В</u>	Do.
100 Car			Rs.	Rs.
S. Assets A/c	Dr.		3,50,000	
To creditors A/c	35/10	HICH.	0 0105 91 01 18	95,000
To Z Ltd. SA.		101/	ahebwieis	2,12,500
To Capital Reserve A/c		٥\	Realisation	42,500
(Being taking over of assets and liabilities)	مرا		nettlesot prie	(3)
Z Ltd.	Dr.		2,12,500	t essetti
To Equity Share Capital A/c				2,12,500
(Being payment of purchase Price)				
Creditor's of Y Ltd. A/c	Dr.		20,000	•
To Debtors of Z, Ltd. A/c		OV.	Albuna Canal.	20,000
(Being Cancellation of Common debt.)			. AVA e	a wasanii j
Capital Reserves A/c	Dr.	alon	5,000	o'ra
To Stock A/c	(6	nage	ing Hanster i	5,000
(Being unrealised profit on Stock)			e sahtoderenti	e series

1. Rs. 
$$\frac{30,000 \times 20}{120}$$
 = Rs. 5,000

Balance Sheet of Y Ltd.							
Capital		Rs.	nodouttaneo et	<b>Rs.</b> 10,75,000			
7,125 Equity Share of		e old Bis	Sundry Assets	First of a			
Rs. 100 each		7,12,500	Time gAS armi	for the			
Reserve and Surplus		allow fenon	A 610(68) 0691	nut mot le			
Capital reserve		37,500	,000 Equity share	Capital 20			
Other Reserves	000	1,00,000	not contained the second	8 001 eFf a 1			
Current Liability and Provision	s						
Creditors	000	2,25,000	N Debentures	a 000 u			
91 20 0000	Rs.	10,75,000	Rs.	10,75,000			

- 1. 42,500-5,000 = Rs. 37,500
- 2. 1,50,000 + 95,000 20,000 = Rs. 2,25,000
- 3. 7,50,000 + 3,50,000 (20,000 + 9,000 Unrealised Profit) = Rs. 10,75,000

Examples : The following examples are solved below to familiarise you with the Entries. नीचे के उदाहरण से आप ज्यादा समझ सकते हैं

Example 1. A company's position on 30th June, 1990 was as follows.

	Rs.
20,000 Equity shares of Rs. 100 each	20,00,000
10,000 6% Debentures of Rs. 100 each	10,00,000
Interest on above 00.87	1,20,000

The assets on the date amounted to Rs. 9,60,000 (Valued according to their present worth). The following steps were taken with the approval of all concerned.

- (a) The shares were sub-divided into shares of Rs. 5 each and 90% shares were surrendered.
- (b) The total claims of the denture holders were reduced to Rs. 4,90,000 and in consideration of this they were also allotted shares (out of the surrendered shares) amounting to 2,50,000.
- (c) The shares surrendered but not re-issued were cancelled.

You are required to Draft Journal entries and give the Balance sheet of the company after re-construction.

#### Solution-

First of all we will prepare the old B/s यहाँ पहले पुराना B/s बनाएँ

#### Balance Sheet of A Co. Ltd.

125 Eduny Share of

as at 30th June, 1990 (Before Re-construction)

Capital 20,000 Equity share of	1.16	erve:	Capital rei
Rs. 100 each	20,00,000	Sundry	Other Hes
		Assets	31,20,000
10,000 6% Debentures	10,00,000		may not the activity
Interest on above	1,20,000		alulius) J
100 GAUST 1871	31,20,000		31,20,0000

Now, 90% share capital will be reduced.

$$\frac{20,000 \times 90}{100}$$
 = 18,000 shares of Rs. 100 each

= Rs. 18,00,000

Remaining 2,000 shares will be sub-divided

$$=$$
  $\frac{2.000 \times 100}{5}$  = 40,000 shares of Rs. 5 each

यहाँ पर अंशों का खंडन हुआ है। अब 40,000 अंश 5 रु० प्रति अंश के हो गये हैं।

Journal Entries	dose oot a	Dr. Rs.	Cr. Rs.
Equity share Capital A./c	Dr.	18,00,000	interest on
To Capital Reduction A/c		on the date amou	18,00,000
(Being the 90% Capital Reduced	wore taker <u>(k</u>	ine following steps	(dhow meet
6% Debenture A/c	na obr.boby	11,20,000	
To Debenture holder A/c	hind enduct	surrengered ctal claims of the	11,20,000
(Being the Debentures transferre		n consideration of	bas
Debenture holders A/c 000,00	of (Dr. nuon	11,20,000	erius .
To 6% Debture A/c	d but not re-	shares surrendere	4,90,000

To Equity share Capital A/c	for which to	पृत्रक देश स्टब्स्स	2,50,00
To Capital Reduction A/c	on a resit.	म पूर प्रति अशि पुरुष	
(Being the debenture reduced)	PE 175 (114)	IN THE REE STORY	3,80,000
Capital Réduction A/c	Dr.	21,80,000	
To Sundry Assets A/c	म प्राचीक ह	हारों का जनेल में ले	21,60,000
To Capital Reserve A/c			20,000
(Being the sundry assets written	BRUBU PE	nary (HORBIOS)	
off and balance transferred to			
Capital Reserve A/c)	DVA MONDE		1, SE MODITO
off and balance transferred to		SOLUTION) FISH SHE SH A/C HT C	

#### **Balance Sheet**

(After Re-construction)

Equity share	<b>d</b>	elushare Capital A/c	
90,000 share of	0	july share Capital A.c.	3 1 7
Rs. 5 each full paid	4,50,000	Sundry Assets	9,60,000
6% debenture		eing Reduction of share	51
of Rs. 100 each	4,90,000	apital & Ps. 4 per share	
Capital Reserve	20,000		
	9,60,000	eference share and Hs. 6	9,60,000

#### Example 2.

निम्नलिखित चिट्टा सुभाप ि ० का है।

पूँजी, 4,000 8% पूर्वाधिकार		भवन	1,60,000
अंश 10 रु० वाले	40,000	Parame in Succession and ordinary	
30,000 समता अंश		मशीनरी . 9010/148.0	80,000
10 रु० वाले	3,00,000	o Machinery	
0,0		फर्नीचर जाणांकावन व	20,000
लेनदार	60,000	o Debror	
		देनदार पुड़ि 10 eau ent priet	50,000
		अंशों के निर्गमन पर कटौती	10,000
	700	लाभ हानि खाता	80,000
* * * * * * * * * * * * * * * * * * * *	4,00,000	elects edodina no em	4,00,000

कम्पनी असफल हुई और पुन: निर्माण की निम्नांकित योजना पास की गयी। पूर्वाधिकार अंशों की संख्या वहीं रही पर प्रति अंश मूल्य घटाकर 6 रु० कर दी गयी। समता अंशों की संख्या वहीं रही पर प्रति अंश राशि 6 रु० से कम कर दी गयी। इस उपलब्ध राशि का योग अंशों के निर्गमन पर कटौती एवं लाभ हानि खाते की राशियों को पूर्णरूप से अपलिखित करने के लिए किया गया तथा 60,000 रु० भवन के 30,000 रु० मशीन के 6,000 रु० फर्नीचर के और शेष देनदारों से अपलिखित करने में प्रयोग किया गया। इन व्यवहारों का जर्नल में लेखा कीजिए तथा पुनर्निर्माण के पश्चात् कम्पनी का चिट्ठा बनाइए।

सुझाव (Solution) : यहाँ एक Capital Reduction A/c खोला जायेगा। जितनी रकम की कटोती होगी उससे इस A/c को Credit करेंगे। जिन सम्पत्तियों को अपलिखित किया जायेगा, उनको Credit करेंगे तथा Capital Reduction A/c को Debit किया जायेगा।

#### Journal Entries in the Subhash Ltd.

	(Atter Re-cons	Dr.	Cr.
Pref. share Capital A/c	Dr.	16,000	
Equity share Capital A/c	Dr.	1,80,000	
To Capital Reduction A/c		Toise lut rose ?	1,96,000
(Being Reduction of share		A de unnecepta	
Capital & Rs. 4 per share	000,08.4	pral Reserve	10
Preference share and Rs. 6	000,08.		
per share of Equity share)	1	ample 2.	xa .
Capital Reduction A/c	Dr.	1,96,000	
To profit and loss A/c			80,000
To Discount on issue of shar	es accept		10,000
To Building		THE INTE	60,000
To Machinery	000,00.8	*F0	30,000
To Furniture			6,000
To Debtor	000,08		10,000
( Being the use of Capital			
Reduction amount to			
write off fictitious assets	4,00,000		
and losses)	140.1		

which stood at Rs. 1, stead and down to Rs. 1,25,000. Make				
Capital and Liabilities	ed the co	Assets Entries Islands  bove re-Construction.		
Authorised Capital	JAV	Fixed Assets		
4,000 Pref shares of	10	Building DIA lange 1,00,000		
Rs. 6 each	24,000	(1,60,000–60,000)		
30,000 Equity shares of		Macinery Isligs Object 20,000		
Rs. each	1,20,000	(80,000 – 30,000) (80,000 – 30,000)		
5,00,000	1,44,000	Furniture 14,000		
Subscribed and paid up		(20,000 – 6,000)		
000 Capital : 4,000		To 5% Englerence share		
60,000		Current Assets		
Pref shares of		To Capital Reduction A/c		
Rs. 4 each	24,000	Debtors 40,000		
		(50,000 – 10,000)		
30,000 Equity shares		and Depenture and Balance		
of Rs. 4 each	1,20,000	to Capital Reduction A/c)		
Current Liabilities	10	Capital Reduction A/o		
Creditors	60,000	lliwbo do ot		
30,000	2,04,000	2,04,000		

#### Example 3.

On the reconstruction of a Company, the following terms were agreed upon: The Shareholders to receive in lieu of their present holding (viz. 5,000) shares of Rs. 10 each) the following:

- (1) Fully paid equity shares equal to 2/5th of their holding.
- (2) 5% preference shares fully paid, to the extent of 1/5th of te above new equity shares.

To Freehold and Leasehold

- (3) Rs. 60,000 6% second debentures, An issue of Rs. 50,000. 5% First Debentures are made and allotted, payment for the same having been received in cash.
- (4) The Goodwill which shood at Rs. 3,00,000 was written down to Rs. 1,60,000. The plant and Machinery which stood at Rs. 1,00,000 was written down to Rs. 70,000. The Freehold and Leasehold premises

which stood at Rs. 1,50,000 was written down to Rs. 1,25,000. Make the Journal Entries in the Books of the company necessitated by the above re-Construction.

ateaa b Jour	RNAL		
OShare capital A/c problem	Dr.	5,00,000	de feve noc
To Share holders A/c 000 0000	24,000	A. Marian M	5,00,00
(Being the old Capital		to enada.	1000 Equity
Written off) (000,08 = 000.08)	000.05.1		roser an
Share holder enutring	O'Dr.	5,00,000	
To New Equity Shares		of paid up	2,00,00
To 5% Preference share		000.	40,00
To 6% second Debenture			60,00
To Capital Reduction A/c			2,00,00
(Bal. Fig.)	24,000		A. A. Chi
(Being issue of new shares			A AL
and Debenture and Balance		serials	1000 Equity
to Capital Reduction A/c)	1,20,000	110	A RIVER
Capital Reduction A/c	Dr.	2,00,000	HIBM LIBBIL
To Goodwill	000,00		1,40,00
To Plant and Machinery			30,00
To Freehold and Leasehold			Example
premises	or a Comman	construction of	25,00
To Capital Reserve A/c	ceive in seu o	or or chabland niworker Amir e	5,00
(Being the Assets written		ly paid equity	
off and balance to meixe entor bit			
Capital Reserve A/c)		arty shares.	
Bank A/c 08 .eA to sussi nA seruto	de <b>Dr</b> . 10002	50,000	eĦ (8)
To 5% Debenture A/c	nade and allo	benturos a <b>re</b> i	50,00
(Being the issue of first		ness of bevie	
Debenture)		w H. mood a	

Sometime there may be General Reserve of Reserve Fund or P. and L. A/c Credit Balance in the Balance-Sheet, then these items are to be transferred to Capital Reduction A/c or in Capital Reserve A/c, viz.,

और स्वित्यय में अन्तर बतावी

इस कम्पनी का 11 मार्च 1998 का चिटेश निम्नोकित है

Dr. IEFE HERE ISSET FIGHT IN THE HE

General Reserve

P. and L. A/c Dr.

To Capital Reserve A/c

Or

General Reserve A/C PR PRINT P

P. and L'A/C and to propose the propose of Dr. proposes proposes

To Capital Reduction A/c

(Being transfer to Capital Reduction A/c)

External Re-Construction ( वाह्य पुनर्निर्माण )

External Re-construction is like Absorption A/c. In this case, the same entries of under Company and purchasing Company will be prepared. (वाह्य पुनर्निर्माण संविलयन के समान है। इसमें ठीक वही व्यवहार (Transactions) या प्रविष्टियाँ होती हैं जो संविलयन में होते हैं।

# 3.12 सारांश

कम्पनी के एकीकरण एवं संविलयन में मुख्य अन्तर है कि जहाँ एकीकरण में दो या दो से अधिक कम्पनियों का समापन तथा एक नई कम्पनी का निर्माण होता है वहाँ संविलयन में एक मजबूत कम्पनी कमजार कमपनी को अपने में मिला लेती है।

## 3.13 अभ्यास हेतु प्रश्न

ा. दो कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार हैं

	X कं॰लि॰	Y कं•लि•	10 91	X कं०लि०	Y कं०लि०
000 00 5	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
चुकता पूँजी विविध					So. L
(270) रु० प्रति अंश		as Loon	A		3U, Φ
वाले 900 अंश)	2,43,000		सम्पत्तियाँ	3,37,000	8,71,500
150 रु० वाले 4000	жос		रोकड़ व्याणावववि	700	5,500
अंश -	lors	6,00,000	08:	k overdraf	Ban
लेनदार	11,000	13,000	00.1	ditors	e10
संचय कोष	80,700	2,57,000	Rs.   8.50		
लाभ हानि खाता	3,000	7,000	tini evin ot hetiun		
	3,37,000	8,77,000	it and here wise mean	3,37,000	8,77,000

यह प्रस्ताव रखा गया कि X कम्पनी लिमिटेड द्वारा संविलयन किया जायेगा और उनके द्वारा निम्न व्यवस्था स्वीकार की गई। Y कम्पनी के प्रत्येक अंशधारक को Y कम्पनी के 5 अंश प्राप्त होंगे तथा उतना ही नगदी में भुगतान किया जायेगा जितना कि उनके चिट्ठे के अनुसार आंतरिक मूल्य पर दोनों कम्पनियों के अंशधारियों के अधिकारों को समायोजित करने के लिए आवश्यक है। Y कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में जनल के आवश्यक लेखे कीजिए और संविलयन के पश्चात् चिट्ठा बनाइए।

- 2. एकीकरण और संविलयन में अन्तर बतावें।
- 3. संविलयन से आप क्या समझते हैं? इसके मुख्य तत्व क्या हैं? अवकार विकास की
- 4. ''सभी एकीकरण संविलयन नहीं होते हैं किन्तु सभी संविलयन एकीकरण के ही रूप होते हैं।'' इस कथन की व्याख्या कीजिए।
  - 5. क्रेता कम्पनी की बही में प्रारम्भिक प्रविष्टियाँ क्या-क्या हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।
  - 6. एक कम्पनी के पुर्निर्माण पर निम्न शर्तें मंजूर की गयी :
- (1) पूर्वाधिकार अंश की राशि प्रति अंश घटकर 75 रु० होगी और समता अंश की घटकर 37.50 रु० होगी और इन्हें पूर्ण चुकता माना जायेगा।
  - (2) ऋणपत्रधारियों ने अपनी राशि की पूर्ण चुकता के बदले में स्टॉक और देनदारी की राशि ले ली।
- (3) ख्याति खाता समाप्त कर दिया जायेगा।
- (4) भवन पर 50% हास माना जायेगा।
  - (5) मशीन का मूल्य 50,000 रु० से बढ़ाया जायेगा।

### इस कम्पनी का 31 मार्च, 1998 का चिट्ठा निम्नांकित है :--

Share Capital	1	नियां के चिद्रहें निम्न प्रकार	was It I
1,000 Pre. share of	The same	Goodwill	15,000
Rs. 100 each	2,00,00		
		Premises	2,00,000
4,000 Equity shares		PRIPI	III hay
Rs. 100 each	4,00,000	Machinery	3,00,000
5% Mortgage Debentures	1,00,000	Stock '	50,000
Bank overdraft	50,000	Detors	40,000
Creditors	1,00,000	P. and L. A/c	2,45,000
Rs.	8,50,000	.s 80.700 Rs.	8,50,000

You are required to give journal and revised B/s. आप जर्नल दीजिए और संशोधित चिट्ठा बनाइए।

- Differentiate between Absorpotion and Internal Re-Construction and External Reconstruction. संविलयन और आंतरिक पुनर्निर्माण तथा वाह्य पुनर्निर्माण में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
- What Accounting records are made in the books of the Company at the 3. time of Internal Re-Construction? आंतरिक पूनर्निर्माण के समय कम्पनियों की पुस्तकों में लेखांकन के क्या लेखे किये जाते हैं?
- What is the meaning of Amalgamation, Absorption and Re-Construction? When is it necessary? कंपनी के एकीकरण, संविलयन और पुनर्निर्माण का क्या आशय है? यह कब आवश्यक होता 言つ

ऐक्सिक समाप्त्र

AND STAR PRINTS

2 2

4.5

200

410

Cr &

4.13

4.0 BEFF

नियमिका की नियमित

विस्तारक के कर्माका

同的時

FUN TO PRISORS

वित्रीय पुस्तक

4.2.2 एक्टिक स्थापन के प्रकार

Write short notes on:

संक्षिप्त नोट लिखए:

- 4.2.3 WEVER BITT SHY (a) Re- Organisation of Capital. पूँजी का पुर्नसंगठन
- (b) External Re-construction वाह्य पुनर्निर्माण।

## 3.14 पठनीय पुस्तकें

क्रायानी का निस्तारण एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी शुक्ला एवं श्रीनिवास एडवांस्ड लेखांकन 3. एस० एन० महेश्वरी एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी 4. शक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं गुप्ता एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी Vol-II 5.

इस पाठ में कम्पनी के ऐस्छिक समापन सम्बन्धी लेखे के बारे में विस्तृत आनुकारी की जायाहि।

APPLICATION A

# कम्पनी का समापन

#### पाठ-संरचना

- 4.0 उद्देश्य
- 4.1 परिचय
- 4.2 समापन विधी
  - 4.2.1 ऐच्छिक समापन
  - 4.2.2 ऐच्छिक समापन के प्रकार
  - 4.2.3 सदस्यों द्वारा और महाजन द्वारा ऐच्छिक समापन में अनार

What is the meaning of Amalgariation, Absorp

- 4.3 समापन कार्य विधी
- 4.4 निस्तारक की नियुक्ति
- 4.5 निस्तारक के कर्त्तव्य
- 4.6 कम्पनी का निस्तारण
- 4.7 कम्पनी के देनदार
- 4.8 प्राप्त धन का वितरण
- 4.9 पूर्वाधिकार लेनदार
- 4.10 आधिक्य का वितरण
- 4.11 उदाहरण
- 4.12 सारांश
- 4.13 अभ्यास हेतू प्रश्न
- 4.14 पठनीय पुस्तकें

4.0 उद्देश्य

इस पाठ में कम्पनी के ऐच्छिक समापन सम्बन्धी लेखे के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी।

000

#### 4.1 परिचय

कम्पनी का समापन एक वैधानिक शब्द है। इससे कम्पनी की इस अवस्था का बोध होता है, जिसके द्वारा कम्पनी का व्यवसाय समाप्त हो जाता है। कम्पनी एक वैधानिक व्यक्ति है और इसका समान भी कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत ही होता है।

te beroup to their

REAL PROPERTY AND THE TARREST THE

#### 4.2 समापन विधि

कम्पनी का समापन तीन तरह से हो सकता है, जो निम्नलिखित हैं-

- (i) ऐन्छिक समापन
- (ii) न्यायालय के निरीक्षण के अधीन समापन
- (iii) न्यायालय द्वारा समापन

#### 4.2.1 ऐच्छिक समापन :

जब कम्पनी स्वेच्छा से अपने व्यवसाय को बन्द कर लेती है तो उसे हम ऐच्छिक समापन कहते हैं। कम्पनी अधिनियम की धारा 484 के अनुसार एक कम्पनी निम्न परिस्थितियों में अपना ऐच्छिक समापन कर सकता है

- . (i) अवधि समाप्त होने पर
- (ii) विशेष प्रस्ताव पारित करके
  - (iii) जब दायित्व अधिक हो गया हो और व्यवसाय चलाया जाना असम्भव हो जाय
  - (iv) अन्य परिस्थितियों में

#### 4.2.2 ऐच्छिक समापन के प्रकार :

- (i) सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन
  - (ii) महाजनों द्वारा ऐच्छिक समापन
- (i) सदस्यों द्वारा : जब कम्पनी के पास महाजनों को देने के लिए पर्याप्त धन हों और सदस्य कम्पनी का समापन चाहते हैं तो वैसी अवस्था में सदस्य अपनी सामान्य भाषा में संकल्प पारित कराकर कम्पनी का समापन करा सकते हैं! इसमें कम्पनी को धारा 488 के अनुसार यह घोषणा करनी पड़ती है कि कम्पनी दिवालिया नहीं हुई है।
- (ii) महाजनों द्वारा : ऐच्छिक समापन का संकल्प लेने के बाद संवालकों द्वारा शोधन क्षमता की घापणा करनी पड़ती है। अगर वे इस तरह की घोषणा नहीं करते हैं तो कम्पनी का महाजन द्वारा ऐच्छिक समापन समझा जायेगा।

#### 4.2.4 सदस्यों द्वारा और महाजन द्वारा ऐच्छिक समापन में अन्तर :

सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन तब होता है जब कम्पनी ऋण भुगतान क्षमता रखती है। महाजनों द्वारा समापन तब होता है जब कम्पनी ऋण भुगतान की क्षमता नहीं रखती है। ऐसी परिस्थिति में सदस्यों और महाजनों दोनों की सभाएँ बुलायी जाती हैं।

सदस्यों द्वारा ऐन्छिक संपापन में निस्तारक की नियुक्ति सदस्यों द्वारा की जाती है जब महाजनों द्वारा समापन में दोनों की राय से की जाती है तथा महाजनों द्वारा निरीक्षण समिति की नियुक्ति की जाती है जो समापन कार्य की देख रेख करते हैं।

#### 4.3 समापन कार्य विधि

एंच्छिक समापन के लिए साधारण संकल्प की जरूरत पड़ती है। संकल्प पारित होने के 15 दिनों के अन्दर इसकी सूचना सरकारी गजट में प्रकाशित करानी पड़ती है। यह सूचना स्थानीय समाचारपत्रों में भी प्रकाशित करानी पड़ती है।

मामक समापन

अस्य परिहिध्यतियां म

नामकार महस्र हरासम

(1) संदर्धी द्वारा : जब कामनी के पास महाजनों को देने के

### 4.4 निस्तारक की नियुक्ति

कम्पनी के व्यवसाय को समाप्त करने के लिए एक निस्तारक की नियुक्ति की जाती है। जब सदस्यों की स्वेच्छा से कम्पनी का समापन होता है तो निस्तारक की नियुक्ति कम्पनी की आम सभा से होती है। इसी सभा में उसका पारिश्रमिक भी तय हो जाता है। अगर लेनदारों की स्वेच्छा से की जाती है तो निस्तारक की नियुक्ति दोनों की सभाओं से की जाती है। सदस्यों और लेनदारों द्वारा अलग अलग निस्तारक नियुक्त कियं जाते हैं तो लेनदारों द्वारा नियुक्त निस्तारक मान्य होता है। यदि लेनदार किसी भी निस्तारक को मनोनीत नहीं करते हैं, तो सदस्यों द्वारा मनोनीत निस्तारक ही कार्य करता है। यदि लेनदार चाहें तो अधिक से अधिक पाँच व्यक्ति की एक निरीक्षण समिति नियुक्त कर सकते हैं। सदस्यों द्वारा भी निरीक्षण समिति के पाँच सदस्य मनोनीत किए जा सकते हैं।

#### 4.5 निस्तारक के कर्त्तव्य

निस्तारक का कर्तव्य सभी सम्पत्ति से धन प्राप्त करना होता है। सम्पत्तियों के बेचने से धन प्राप्त होता हे तथा कम्पनी के सदस्यों से जो राशि प्राप्त होती है उनका भुगतान कम्पनी के विभिन्न लेनदारों के बीच उनके अधिकार के अनुरूप किया जाता है।

#### 4.6 कम्पनी का निस्तारण

इसके लिए एक विवरण तैयार करता है जिसे निस्तारक का अन्तिम खाता कहा जाता है। यद्यपि इसका नाम खाता है (Accounts) है किन्तु यह दोहरी खाता प्रणाली के नियम पर आधारित नहीं है। यह एक वितरण है जिससे यह पता चलता है कि-

- (i) उनके द्वारा वसूल की हुई राशि कितनी है।
- (ii) विभिन्न दायित्वों का भुगतान कितना हुआ है। हुआ है। हुआ हुए हुआ है हिस्स हिस्स हिस्स है।
- (iii) आधिक्य का वितरण किस प्रकार किया गया है।

#### 4.7 कम्पनी का देनदार

कम्पनी के देनदार वे सभी व्यक्ति हैं जो कम्पनी के समापन के समय कम्पनी की रकम धारते हैं। यहाँ तक कि पूर्ण भुगतान किये हुए अंशधारी इसमें सम्मिलित किये जाते हैं तथा वे सभी व्यक्ति जिनमं कम्पनी को प्राप्त करना है।

#### 4.8 प्राप्त धन का वितरण

निस्तारक को जो रकम प्राप्त होती है उसका भुगतान निम्न प्रकार किया जाता है

- (i) रक्षित लेनदारों को भुगतान।
- (ii) समापन का व्यय निस्तार के पारिश्रमिक के साथ।
- (iii) पूर्वाधिकार लेनदारों को भुगतान।
- (iv) असुरक्षित लेनदारों को भुगतान।
- (v) अंशधारियों को उनके अधिकार के अनुसार भुगतान।

# 4.9 पूर्वाधिकार लेनदार

कम्पनी अधिनियम की धारा 530 (1) के अनुसार एक कम्पनी के समापन पर निम्नलिखित लेनदारों को पूर्विधिकार लेनदार माना जाता है

- (i) सरकारी लगान एवं कर बकाया जो पिछले 12 महीने का देय हो।
- (ii) सभी मजदूरियाँ या वेतन या मुआवजा जो किसी कर्मचारी की गत 12 महीने के अन्दर अधिक से अधिक चार महीने का बकाया हो, यह राशि प्रतिव्यक्ति एक हजार रुपये से अधिक नहीं हो सकती है।

the part has been in

- (iii) सभी अर्जित छुटि्टयों का पारिश्रमिक।
- (iv) वे सभी जो कर्मचारियों के लिए पेंशन, ग्रेच्युटी इत्यादि के रूप में बकाया हो।
- (v) अनुसन्धान व्यय कम्पनी अधिनियम की धारा 235 237 के अनुसार।

## 4.10 आधिक्य का वितरण

जब कम्पनी के सभी ऋण एवं दायित्वों का भुगतान हो जाता है ओर उसके बाद शेष राशि बच जाती है तो उन्हें अंशधारियों में उनके अधिकार के अनुसार (जो कि कम्पनी के स्मार पत्र एवं अन्तर्नियम में दिया हुआ रहता है) बाँट दिया जाता है। आंशिक भुगतान वाले अंशों पर निस्तारक शेष रकम की माँग कर सकते हैं और उस रकम का प्रयोग पूर्वाधिकार अंशधारियों को वापस करने में किया जा सकता है। पूर्वाधिकार अंशधारियों को कम्पनी के समापन में सामान्य अंशधारियों से पहले पूँजी वापस पाने का अधिकार है।

#### 4.11 उदाहरण

उदाहरण 1. A कम्पनी लि॰ ने 31 दिसम्बर 1987 को स्वेच्छा से समापन प्रारम्भ किया। उस दिन प्रतकों में निम्न शेष थे

Equity share capital		Fixed Assets	20,00,000
(Rs. 100)	20,00,000	Stock	2,50,000
Debentures	10,00,000	Debtor	11,50,000
Loans	5,00,000	Cash	1,50,000
Creditors	5,00,000	P and L. A/c	4,50,000
	40,00,000	1 1930	40,00,000

#### उदाहरण 1. G कम्पनी की पूँजी निम्न प्रकार थी

- (i) 3,000 श्वेत समता अंश जिनमें से प्रत्येक अंश 100 रु० का था और जिस पर 85 रु० प्रति अंश चुकता थे।
- (ii) 1,000 पीला समता अंश जिसमें प्रत्येक अंश 106 रु० था जिस पर 80 रु० प्रति अंश चुकता थे।
- (iii) 100 रु० वाले 1,000 पूर्वाधिकार अंश जो पूर्णदत्त श्रे (ये अंश कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियमों कं अन्तर्गत पूँजी पर पूर्वाधिकार रखते हैं)

विविध लेनदार 76,500 रु० के थे; 2,500 रु० निस्तारक का पारिश्रमिक शामिल था। निस्तारक के पीला समता अंशों पर अंश 20 रु० जो थे उनकी याचना की जिनकी पूर्णरूप से भुगतान कर दिया गया। सम्पिनयों से 1,91,000 रु० प्राप्त हुए। 15 रु० प्रति अंश की याचना अंशत: चुकता स्वेत अंशों पर की गयी 100 अंश के अतिरिक्त सब का भुगतान प्राप्त हो गया। निस्तारक खाता बनाइये।

#### Liquidator's Statement of A/c निस्तारक खाता विवरण

To Realisation of		By Liquidator's	
Assets	1,91,000	Remuneration	2,5000
To Call on, 1,000	11/2 38/201	By Creditor	(vi)
Share at Rs. 20 each	20,000	(76,500 – 2,500)	74,000
To Call on 30,00		By Pref. share-holders	1,00,000
Shares at Rs.	HE HE	By Equity Share	
15 each = 45,000	31 (v) iii	holder He sales to the market	D 5 1016
Here calls Unpaid	ह जिल्लाम	p mystoc if more up the (5 ma	nea not a
on 100	to hermen	3,900 Shares	# Fab 24
Shares 1,500	33,000	Rs. 20 per share	78,000
Rs.	2,54,000	Rs.	2,54,000

स्थायी सम्पत्ति 12,00,000 रु० में B जो एक ऋणपत्रधारी हैं उनके हाथ से बेच दिया गया। B ने 4,00,000 रु० ऋणपत्र का समायोजन करके शेष रकम का भुगतान नकद कर दिया। देनदारों से 7,00,000

प्राप्त हुआ। समापने व्यय 10,000 रु० हुआ। निस्तारक को 10,000 रु० भत्ता दिया गया तथा निस्तारक द्वारा वसूल की गयी रकमं पर 2 प्रतिश अतिरिक्त पारिश्रमिक देना है। स्टॉक 1,00,000 में बिका। आप निस्तारक का खाता तैथार कीजिए।

#### निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता Liquidator's Final State of A/c

	1,50,000	By liquidation	Walter Commence
To Cash Balance		Expenses	10,000
To Fixed Assets		By liquidator's	
12,00,000		Allowance 10,000	
Less set of 4,00,000	8,00,000	2% on collection	
To Debtors	7,00,000	40,000	50,000
To Stocks	1,00,000	By loans	5,00,000
	4	By creditors	5,00,000
000.01		By Share-holders	HT 1915
THE ASSET		divident @ 45	
2000, O.L		Paise per rupee	
000.01.51	17,50,000		17,50,000

उदाहरण: ABC कम्पनी लि॰ स्वेन्छा से समापन में गयी। उस दिन समापन से सम्बन्धित निम्न स्वनाएँ श्री

अंश पूँजी में 10,000 पूर्वाधिकार अंश प्रति अंश 10 रु० पूर्णदत्त 4,000 'अ' समता अंश 10 रु० अंश पूर्णदत्त, 20,000 'ब' समता अंश 10 रु० प्रति अंश जिस पर ८ रु० भुगतान हुआ था।

कम्पनी अन्तर्नियम में पूर्विधिकार अंशों को प्राथमिकता समता अंशों को पर थी और समता अंशों को स्थितित अंशों के पूर्ण पूँजी पाने का अधिकार था। अ और ब समता अंशों को समान अधिकार था।

लेनदार 2,74,000 रु० थे जिसमें 10,000 रु० पूर्वीधिकार लेनदार और 54,000 रु० पूर्ण सुरक्षित थे। सम्पत्ति से 3,74,000 रु० प्राप्त हुआ जिसमें पूर्ण सुरक्षित लेनदार के लिए विक्रय भी सम्मिलत है।

समापन व्यय 12,000 रु० हुआ, निस्तारक का पारिश्रमिक 5% वसृल की गयी रकम पर और 3% असुरक्षित महाजन को लौटायी गयी रकम पर तय किया गया।

निस्तारक ने निम्नलिखित याचनाएँ की : 2 रु० प्रति अंशों पर जिसका भुगतान हुआ, 1.50 प्रति अंशों पर जिसकों पर जिसमें 2,000 अंशों पर छोड़कर शेष प्राप्त हुआ, इस 2,000 अंश को जब्त कर दिया गया। निस्तारक का अन्तिम खाता तैयार कीजिए।

समाधान : निस्तारक का पारिश्रमिक जोड़ना कठिन कार्य नहीं है। इसे समझ लेना आवश्यक है। जहाँ तक 5% वसूल की गयी राशि पर निकलना है वह 3,20,000 रु० पर निकालना है।

अगर असुरक्षित महाजन को भुगतान करने के लि**ए पर्याप्त रकम है** तो कि कि कमीशन का प्रतिशत × असुरक्षित लेनदार

100 state said a torestopi.

किन्तु जब रकम अपर्याप्त है तो कमीशन का प्रतिशत × रकम जो उपलब्ध है 100 + कमीशन का प्रतिशत

### अ,ब,स कं० (समापन में)

#### निस्तारक का खाता

निस्तारक का खाता				
सम्पत्ति से प्राप्त	3,74,000	सुरक्षित महाजन	54,000	
	A YOU DO	समापन व्यय 5%	N C O Laboratoria	
याचना पर प्राप्त 10,000	0 (0	3,20,000 रु० प्र	16,000	
स्थगित अंश 2 रु० प्रति	o you	3% 2,10,000 रु० पर	6,300	
अंश की दर से	20,000	पूर्वाधिकार लेनदार	10,000	
The state of the s	CIB )	असुरक्षित महाजन	2,10,000	
		पूर्वाधिकार अंश की	85	
30,000 ब समता अंश	EVIDAR FIRM	वापसी	1,00,000	
			6,600	
1.5 की दर से जिसमें	S PART TERM	'अ' समता अंश	THE THINK THE	
सं 2000 अंश जब्त कर		4,000 अंश (1.67 पै०)		
दिये गये		'ब' समता अंश	POS. SE TIME	
	travino e	28,000 अंश		
A SECURITY OF THE TAXABLE PARTY.	HER BUILDING	ा.18 प्रति अंश की दर	15/19/10 14	
$(28000 \times 1.50)$	42,000	a street was an old of way a		
AVE ASSESSED FOR THE PROPERTY OF	्राह्म स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन	से (लगभग)	a Estad	
	4,36,000	क ने विकास संस्थान के क	4,36,000	

नोट : कुल रकम 4,36,000 है इसमें से 54,000 रु० सुरक्षित महाजन का है। (4,36,000 54,000 = 3,82,000)

पूर्वाधिकार लेनदार = 3,72,000 3,82,000 = 10,900 निस्तार का = 3,56,000 3,72,000 16,000 अ० स्० लेनदार (पूर्ण) = 1,46,000 3,56,000 2,10,000 निस्तारक का पारिश्रमिक 1,46,000  $(2,10,000\times3)$ = 6,300 = 1,39,700

$$\frac{(2,10,000\times3)}{100} = 6,300 = 1,39,700$$

1,39,700 1,00,000 पू॰ अंश = 39,700

39,700 को बाँटना है अ और ब समता अंशों पर 'अ' समता अंश 4,000 है और प्रति अंश 0. 50 पैसा अधिक दिये हैं अत: 4000 × ½ रु० = 2,000 रु०

37,700 को 'अ' और 'बं' में बराबर बाँटना है।

कुल अंश 4,000 + 28,000 = 32,000 37,700 ÷ 32,000 = 1.18 (लगभग)

#### 4.12 सारांश

कम्पनी के समापन का तात्पर्य कम्पनी का पूर्ण रूप से बन्द हो जाने से है। इसके समापन के बाद सम्पत्तियों का विक्रय किया जाता है तथा सभी दायित्वों का भुगतान किया जाता है, दायित्वों के भुगतान कं बाद शंष राशि को अंशधारियों के बीच वितरित कर दिया जाता है। इसके लिये निस्तारक का अन्तिम विवरण पत्र तैयार किया जाता है।

र माना कि में के लिए होते हैं। स्वाप पर सामाना से के लिए के लिए के

## 4.13 अभ्यास हेत् प्रश्न

प्रश्न 1. सुधांशु लि॰ का चिट्ठा 30 सितम्बर 1983 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए निम्नलिखित है।

अंश पूँजी । । । । । । । । । ।	(600,01 iff	ख्याति । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	1,50,000
50,00,000 समता अंश		पेटेन्ट	50,000
10 रु॰ प्रत्येक वाले पूर्ण	(r) Hill S	भूमि तथा भवन	1,00,000
दत्त अंश	5,00,000	प्लाण्ट तथा मशीन	50,000
2000 वाले पूर्वाधिकार		फर्नीचर एवं फिक्सचर	30,000
अंश 100 रु० प्रत्येक	2,00,000	स्कन्ध (बाजार मूल्य)	MPPh BI B
6% ऋणपत्र (सम्पत्तियों	इति एस० एस	40,000)	60,000
पर फ्लोटिंग चार्ज जिसमें	्री लाग वार	कि निवास अमान	
स्थायी सम्पत्ति सिम्मिलित	file in! me	विविध देनदार	40,000
नहीं)	2,00,000	is the authority	40,000
वैंक अधिविकर्ष (स्थायी	High not	बैंक 11-107 कि फेराइप कर	10,000
सम्पत्ति पर फ्लोटिंग		लाभ हानि खाता	19,500

वार्ज		1,00,000		0000	3pA), 5 X 3
विविध लेनदार		1,00,000	प्रारम्भिक व्यय		75,000
	रु०	11,00,000	sauhsha in	रु०	11,00,000

कम्पनी के पुनर्निर्माण करने का निश्चय किया गया। निम्नांकित सूचना को भी ध्यान में रखकर पुनर्निर्माण के लिए योजना बनाएँ।

- (i) भूमि तथा भवन, प्लाण्ट एवं मशीन का ह्वास उचित रीति से नहीं काटा गया है और इसका मूल्य क्रमश: 80,000 रु० एवं 2,80,000 रु० है।
- (ii) फर्नीचर एवं फिक्सचर्स 20,000 के हैं।
- (iii) नयी वस्तु के विकास के कारण जिस वस्तु के लिए पेटेन्ट रखे गये थे, उसे बन्द कर दिया जायेगा।
- (iv) पूर्वाधिकार अंशधारियों पर लाभांश तीन वर्ष के लिए अवशिष्ट है तथा इनका भुगतान समापन पर किया जाना है।
- .. कम्पनी समापन की परिभाषा दीजिए। एक कम्पनी के समापन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
- निस्तारक खाता क्या है? यह कैसे तैयार किया जाता है?
- 4. निस्तारक की नियुक्ति कैसे होती है? वह आधिक्य का वितरण कैसे करता है?
- 5. 31 दिसम्बर, 1982 को एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी का **ऐच्छिक निस्तारक हुआ।** इसकी पुस्तकों में निम्न सम्पत्तियाँ थीं :

वक्सं एवं अन्य सम्पत्ति 90,000 रु०, तरल सम्पत्ति 10,000 रु०। इसके दायित्व 20,000 रु० के एवं उमकी चुकता पूँजी 1,00,000 रु० थी। सम्पत्ति नयी कम्पनी को 72,000 रु० में बेची गयी। इसमें से .50,000 रु० का भुगतान उस कम्पनी के । रु० वाले अंशों में जिस पर 75 पैसे अंश चुकता थे एवं शेष .22,000 रु० का भुगतान नकदी में किया जायेगा जो बाद में दायित्वों को एवं निस्तारण की लागत को चुकान के लिए पर्याप्त थी। निस्तारण पर कम्पनी की पुस्तकों को बन्द कीजिए।

## 4.14 पठनीय पुस्तकों

1.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल
2.	एडवांम्ड एकाउन्टेन्सी	डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह
3.	एडवांस्ड लेखांकन	शुक्ला एवं श्रीनिवास
4.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	एस० एन० महेश्वरी
5.	एडवांस्ड एकाउन्टेन्सी Vol-II	शुक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं र

...

# सूत्रधारी कम्पनी

#### पाठ-संरचना

- 5.0 उद्देश्य
- 5.1 परिचय
- 5.2 सूत्रधारी कम्पनी के लाभ
- 5.3 सुत्रधारी कम्पनी के दोष
- 5.4 मिश्रित या सम्मिलित आर्थिक चिट्ठा5.4.1 धारा 212 के अन्तर्गत5.4.2 मिश्रित चिट्ठा तैयार करना
- 5.5 ख्याति या पूंजी संचिति की गणना
- 5.6 ख्याति या पूंजी संचय या लागत नियन्त्रण की गणना
- 5.7 अल्पमत में अंशधारियों का हिस्सा
- 5.8 अल्पलाभ की गणना
- 5.9 उदाहरण
- 5.10 अभ्यास हेतू प्रश्न
- 5.11 पठनीय पुस्तकें

#### 5.0 उद्देश्य

इस पाठ का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सूत्रधारी कम्पनी तथा सहायक कम्पनी के बारे में जानकारी देना है।

# 5.1 परिचय

होल्डिंग कम्पनी वह कम्पनी है जो किसी एक या एक से अधिक कम्पनी पर अंश खरीदकर या किसी तरह नियंत्रण करके उस कम्पनी के संचालक मंउल पर आधिपत्य प्राप्त कर लेती है, जिस कम्पनी की पूँजी या मताधिकार प्राप्त करती है, उसे हम सहायक कम्पनी कहते हैं। धारा 4 के अनुसार एक कम्पनी को दूसरी कम्पनी का सूत्रधारी तभी माना जाता है जबिक यह दूसरी कम्पनी उसकी सहायक हो। एक कम्पनी निम्न तीन प्रकार से सूत्रधारी कम्पनी बन सकती है

- (i) 51% या इससे अधिक मृताधिकार अंश को खरीदकर।
- (ii) संचालक मंडल पर नियंत्रण करके या
- (iii) एक सूत्रधारी कम्पनी पर नियंत्रण करके जिसके अन्य सहायक कम्पनी हैं।

### 5.2 सृत्रधारी कम्पनी के लाभ

सूत्रधारी कम्पनी कं निम्नांकित लाभ हैं

- सूत्रधारी और सहायक दोनों का अलग अलग बँटा रहता है।
- 2. सहायक कम्पनी का लाभ हानि खाता बन सकता है और उसकी उपार्जन क्षमता का ज्ञान प्राप्त हो जाता है।
- सूत्रधारी कम्पनी सहायक कम्पनी के अंशों को बेचकर सूत्रधारी कम्पनी के दायित्व से मुक्त हो सकती है।
- 4. शोध तथा तकनीकी ज्ञान के लिए अधिक सुविधाएँ उपलब्ध हो जाती हैं।
- 5. संयोजन के सभी लाभ उपलब्ध हो जाते हैं।

# 5.3 सूत्रधारी कम्पनी के दोष

स्त्रधारी कम्पनी भी दोषमुक्त नहीं है। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं

- ।. अल्पमत अंशधारियों के हितों की रक्षा नहीं होती है।
- 2. दोनों कम्पनियों के वित्तीय वर्ष में भिन्तता होने पर छल कपट की अधिक गुंजाइश रहती है।
- अंशों का मूल्यांकन कठिन हो जाता है।
- 4. सहायता कम्पनी की आत्म निर्भरता समाप्त हो जाती है तथा वह वित्तीय दृष्टि से कमजोर हो जाते हैं।
- आंतरिक लेन देन तथा स्टॉक का समयोजन ठीक से नहीं होता है।

#### 5.4 मिश्रित या सम्मिलित आर्थिक चिट्ठा

अय मिश्रित चिट्ठा को समझना आवश्यक है। मिश्रित आर्थिक चिट्ठा उसे कहते हैं जिसको होल्डिंग कम्पनी सहायक कम्पनी के साथ तैयार करती है। इसमें दोनों कम्पनियों की सम्पत्ति और दायित्व दिखाये जाते हैं। भारत में मिश्रित चिट्ठा बनाना अनिवार्य या बन्धनकारी नहीं है किन्तु इंगलैण्ड में अनिवार्य है।

#### 5.4.1 धारा 212 के अन्तर्गत :

कम्पनी अधिनियम की धारा 212 के अनुसार एक सूत्रधारी कम्पनी अपने आर्थिक चिट्ठे के साथ सहायक कम्पनी से सम्बन्धित कागजात अवश्य नत्थी करे। ये कागजात निम्नलिखित हैं

- सहायक कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा। दोनों के वित्तीय वर्ष में अन्तर होगा तो समायोजन होगा।
- 2. लाभ हानि खाते की एक प्रति।
- 3. संचालक मंडल का प्रतिवेदन
- 4. अंकेक्षक का प्रतिवेदन

- vi 5. महायक कम्पनी में सूत्रधारी कम्पनी की हिस्सेदारी का विवरण baviace sulsv
  - 6. उप धारा 5 और 6 का एक विवरण

#### 5.4.2 मिश्रित चिट्ठा तैयार करना :

इस पाठ का यह हिस्सा हमलोगों के लिए महत्त्वपूर्ण है। मिश्रित चिट्ठा तैयार करते समय कुछ समयोजन आवश्यक है : यथा

1. सूत्रधारी कम्पनी के आर्थिक चिट्ठा से वह विनियोग समाप्त हो जायेगा जो सहायक कम्पनी में किया गया है।

Capital reserve = value received- price paid

- 2. अंश खरीदने के पहले और बाद में लाभ का अलग अलग हिसाब रखना। अंश खरीदने के पहले जो लाभ है उसमें हिस्सेदारी होल्डिंग कम्पनी और अल्पमत अंशधारी में अंश के अनुपात में किया जायेगा।
- वर्ष के मध्य में अंश क्रय किया जायेगा तो उसका भी समायोजन होगा।
- 4. दोनों कार्यानयों के बीच जो आपसी लेन देन हुआ है, उसका भी समयोजन किया जायेगा। जैसे लेनदार और देनदार खाता विनिमय पत्र, ऋण और अग्रिम, चालू खाता, माल या रोकड़ रास्ते का स्टॉक तथा अग्राप्य लाभ का समायोजन होता है।

# 5.5 ख्याति या पूँजी संचिति की गणना

जब होल्डिंग कम्पनी, सहायक कम्पनी के अंशों को खरीदते हैं तो उसे एक कीमत देनी पड़ती है। इसके बदले में होल्डिंग कम्पनी को सहायक कम्पनी का अंश मिलेगा, तथा लाभ हानि और सामान्य संचित में से आनुपातिक हिस्सा मिलेगा। कम्पनी जो कीमत दे रही है और बदले में जो पा रही है, इन दोनों का अन्तर ख्यांति या पूँजी संचित होगा। अगर अधिक दे रही है तो ख्यांति होगी।

ख्याति = भुगतान की रकम प्राप्त कीमत पूँजी सींचत = प्राप्त कीमत भुगतान की रकम अगर कम कीमत दे रही है तो पूँजी सींचत होगा।

## 5.6 ख्याति या पूँजी संचय या लागत नियंत्रण की गणना

Calculation of Goodwill or Capital Reserve or Cost of Control—When Holding Company acquires shares in Subsidiary Company, it has to be paid an Amount and it is known as investment in Subsidiary or cost of control. For this the holding Company will get share in Subsidiary and proportion of general Reserve and Profit on the date of acquisition of shares (to the extent of holding Company's share). If the holding Company is paying more than it gets, then the difference is goodwill, otherwise it will be capital reserve.

Goodwill = Price paid - value received

Value received include = shares in subsidiary proportion of general reserve + portion of profit (on the date of acquisition).

Capital reserve = value received- price paid.

There will be either goodwill or capital reserve.

Good will be shown in the Assets side of consolidation B/s.

Capital reserve in the liability side.

## 5.7 अल्पमत के अंशधारियों का हिस्सा

इसे मिश्रित चिट्ठा में दिखाना अनिवार्य है। अल्पमत अंशधारी वे हैं जो होल्डिंग के द्वारा सहायक कम्पनी में छोड़ दिए गए। इसमें निम्नलिखित मद सम्मिलित हैं

ीं त्यार ते प्रदेश कर विश्व वार्यमा ता देशका के

इसके बदले में हाँदिवंग कम्मानों को सहायक कम्मानी का अंधा मिलंगा

Holding Company acquires shares in Subsidiar

Goodwill - Price baid - value received

डे.डे ख्यात या पंजी संस्थित है.व

- अंश पूँजी का हिस्सा
- रिजर्व में हिस्सा १४ किएड है १६५ मई भेड़ किएड कि एकि के प्रियोग के किए
- लाभ हानि का हिस्सा
- लाभ का हिस्सा जो इस वर्ष का है 4. कुल योग अल्पमत के लिए जन होस्डिम कणानी सहायक कमानी के अंशो

#### 5.8 अल्पलाभ की गणना

#### Calculation of Minority Interest—

The act protects the Interest of minority. Minority share-holders means remaining share-holders other than holding company's share. Suppose there are 1,000 shares in subsidary company and holding company takes over 800 shares, then the 200 shareholders are minority and the ratio between holding company and Minority is 8:2

इ.६ एडमार या पंजी संस्था है। लागत नियमण की गण No minority shareholders will get their share in the following:

- 1. Share in paid up capital
- 30. Share in Reserve Fund of general fund 1997 1994 work at both thuoma
  - holding Company will get share in Subsidiar 3. Share in P and L A/c Balance
  - and Profit on the date of acquisition of s 4. Share in profit earned during the year some of the profit tensile a vit
  - 5. Total Minority Interest (1929) Island ad Ikw II of particular to the particular of the particular o

#### 5.9 उदाहरण

The following is the B/S of H. Ltd. and S. Ltd. Brid to 1800

Calculation of goodwill

10,000 share of

P. and L. Alc

Minority Interest

S creditors of H. Ltd

S. L16.

S. Ltd

Liabialities	H.Ltd.	S. Ltd.	Assets	H. Ltd.	S. Ltd.
	Rs.	Rs.	008 =	00 / 1Rs. a	Rs.
Share capital of				4	
Rs. 10 each	1,00,000	50,000	S. Assets	60,000	63,000
Reserve	10,000	5,000	Investment .	43,20	
P + L A/c	10,000	4,000		10812 THANDS	DOE)
			4000 Shares	Sulation of Re erve (after a	Call Res
Sundry creditors	5,000	4,000	orin S. Ltd. oo	65,000	+ q : * *
	1,25,000	63,000	5,000	1,25,000	63,000

H. Ltd. acquired the shares of S. Ltd. on 1st January, 1987. On the date the Profit and Loss A/c.of S. Ltd. had a credit balance of Rs. 1000 and in Reserve Rs. 3,000. Prepare a consolidated B/s.

000,00,1

Solution - 1st find out the proportion of holding shares.

Goodwill

H. Ltd. = 
$$\frac{4,000}{5,000}$$
  $\frac{4}{5}$ 

Minority Interest-

Share Capital 
$$\begin{pmatrix} 1 \\ 5 \end{pmatrix}$$

Reserve 
$$\binom{1}{5}$$
 th

Profit and Loss 
$$\binom{1}{5}$$
 th

000.0.0

Calculation of goodwill-			TOTALSE V.
Cost of Shares = 2 bns brill High	ng is the B	iwollot ent	65,000
Less nominal value of shares = 40,		btJ.H.	Liabialities
Less $\frac{4}{5}$ of 1.000 = 800	- As	аЯ	
			Share capital of
Less $\frac{4}{5}$ of 2,000 ' = 3,400	50,000	1,00,000	Rs 10-each
43,200 Inemitseval	5,000	000,01	Reserve
Goodwill = 43,200 inemizeval 21,800	4:000	10,000	P. LAVC
Calculation of Reserve Profit— Reserve (after acquisition)= 2,000			
P + L A/c (4,000 - 1,000) = 300	4.000	5,000	Sundry creditors
000,60 000,68,1 5,000	63,000	1.25,000	
H. Ltd. = 4,000			
000,1 st January 1987. On t.bl. 2. the		ed the sha	

Consolidated Balance sheet of H. Ltd. will its subsidiary S. Ltd. as at 31st December 1986.

Liabilities	Rs.	Rs.	Assets	Rs.	Rs.
10,000 share of					
Rs. 10 each fully paid		1,00,000	Goodwill	4.000	21,800
Resevere :					
H. Ltd. 10,0	000		S. Assets	(Minority)	S. tu
S. Ltd. $(2,000 \times \frac{4}{5}) = 1,6$	500			ity Interes	roniM
P. and L A/c	000	11,600	(n)	latina O	Shan
H. Ltd. 10,0	000		H. Ltd.	60,000	
S. Ltd. 2,4	100	12,400		1 m 1 Vara	opa9
Minority Interest		11,800	S. Ltd.	63,000	1,23,000
S. creditors of H. Ltd. 50	000	08	()		
S. Ltd. 40	000	9,000	(2,0)	and Loss	mor4
		1,44,800			1,44,800

# -unst let no 000.04 | aR to son Example 2

S. Ltd. acquired all the shares in B. Ltd. as on 1st January, 1984 at a cost of Rs. 5,60,000. The B/s of the two companies as on 31st December, 1984 were as follow:

B/s of S. Ltd.				
Share capital 15,000 share		Fixed Assets	6,65,000	
of Rs. 50 each fully paid	7,50,000	dwill Cost of Shares		
	000,08	Share in B. Ltd.	5,60,000	
General Reserve	4,75,000	s capital reserve	Lesi	
		Stock (z)	1,70,000	
P. and L A/c (x)	4,00,000			
000,000.1		Debtors	1,40,000	
Creditors (y)	75,000	it of Billid	(2) Prof	
1,80,000		Cash at Bank	1,65,000	
40,000	17,00,000	sas on 1 1 84	17,00,000	

- (x) This includes in interim dividend of Rs. 40,000 received from B. Ltd.
- (y) This includes Rs. 30,000 for purchase from B. Ltd. on which B. Ltd. made a Profit of 25%.
  - (z) This incudes Rs. 15,000 stock at cost purchased from B. Ltd.

#### B/s of B. Ltd. Hong beats and ago.

Share capital 50,000 share	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	5000×25	
of Rs. 5 each fully Paid	2,50,000	Fixed Assets	2,85,000
G. Reserve (1-1-84)	10,000	Stock	10,01,000
P. + L. A/c	1,80,000	Debtors	79,000
Creditors	80,500	Cash at B Bank	55,000
15.) = 49,000	5,20,500	ebtors of B. Lid = 79,000 +	5,20,500

The Profit and Loss A/c, had a credit balance of Rs. 1,40,000 on 1st January, 1984, and an interim dividend of Rs. 40,000 was paid during the year ended on 31st December, 1984.

Make the necessary adjustment and prepare the consolidated B/s as on 31st December, 1984.

201.4	'e' 10 sta	
stments : alaeaA bexia		Share capital 15,000 share
Goodwill: Cost of Shares	7.50,000	5,60,000
Less value of shares 2,	50,000	
Less capital reserve 1,	50,000	General Reserve
(1,40,000 + 10,000)		
	4,00,000	4,00,000
Debtois		1,60,000
Profit of B. Ltd.	75,000	Graditors (y)
P + L. A/c Balance		1,80,000
Less as on 1-1-84	17,00,000	1,40,000
Profit for 1984	000 for purcha	40,000 April 100
Add, Interim div.		40,000
ost purchased from B. Ltd	000 stock at c	000,085 includes Rs 15,
Less unrealised profit	8/s of B.	
15,000 × 25 100	mon na s	3,750 to 3,750
Profit =	000,06,3	76,250
	Goodwill: Cost of Shares Less value of shares 2, Less capital reserve 1, (1,40,000 + 10,000)  Profit of B. Ltd. P + L. A/c Balance Less as on 1-1-84  Profit for 1984 Add, Interim div.  bit a month be an only less Less unrealised profit 15,000 × 25 100 Profit =	Goodwill: Cost of Shares  Less value of shares 2,50,000  Less capital reserve 1,50,000  (1,40,000 + 10,000)  Profit of B. Ltd.  P + L. A/c Balance  Less as on 1-1-84  Profit for 1984  Add, Interim div.  bil 8 mon beesdowd 1200 fe 2002  Less unrealised profit 12 8 to 2/8  15,000 × 25  100  Profit

- (3) Profit of S. Ltd. = 4,00,000 40,000 (Interim div.) = 3,60,000
- (4) Stock of S. Ltd. = 1,70,000 3,750 = 1,65,250
- (5) Creditors of S. Ltd. = 75,000 30,000 (due to B.) = 45,000
- (6) Debtors of B. Ltd. = 79,000 30,000 (due S.) = 49,000

Consolidate B/s Ltd. and its Subsidiary as on 31st December. 1984

from frusp

Liabilities Per DENT INS 15 100	Rs.	Assets	के एसे किल है	Rs.
Share Capital 15,000 share		Goodwill	DEPERTY E	1,60,000
of Rs. 50 each fully paid	7,50,000	175% shares	d purchased	1.A)
Prepare consolidated by and	ole to A. Lid.	Fixed Ass	sets	uloni bul-
G. Reserve	4,75,000	S. Ltd.	6,65,000	pass jour
how is it prepared.	se-sheet and	B. Ltd.	2,85,5000	9,50,000
	ग जाला है?)	Stock	त विद्या क्या है	eini) +
Creditors				
S. Ltd: 45,000	g to Sec. 212	S. Ltd.	1,66,000	(C)
B. Ltd. 80,000	1,25,000	B. Ltd.	1,01,000	2,67,250
		Debtors		(ISIO
P. and L. A/c	2 के अभुसार सह	S. Ltd.	1,40,000	四本)
S. Ltd. 3,60,000	(१५ किक	B. Ltd.	49,000	1,89,000
B. Ltd. 76,000	4,36,250	Cash at B	lank	80 H
		S. Ltd.	1,65,000	
tobly only	097 018	B. Ltd.	55,000	2,20,000
9151 OF	17,86,750	11-2-55	एडवास्ड एकार	17,86,750

# 5.10 अभ्यास हेतू प्रश्न

(1) ए० लि० और बी० लि० के निम्नलिखित चिट्ठे दिसम्बर 31, 1926 का है।

Following are the Balance sheets of A. Ltd. and B. Ltd. on December 31, 1986.

एडवास्ड लखाकान .

्रिय अध्यक्ष सम्बद्धाः है ।	<b>考。证据和《中国》</b>			A. Ltd.	B. Ltd.
	A. Ltd.	B. Ltd.			
Capital dividend	Rs.	Rs.	Machinery	30,000	28,000
into share of	*				20,000
Rs. 10 each	1,00,000	80,000	Furniture	5,000	2,000
P. and L. A/c	40,000	20,000	Debtors	25,000	80,000
Loan from	<del>-</del>	8,000	Loan to B. Ltd.	8,000	
A Ltd.					
В/Р	8,000	6,000	Shares in B. Ltd.	70,000	
			B/p	10,000	4,000
	1_48,000	1,14,000		1,48,000	1,44,000

ए० लि० ने बी० लि० के 75% अंश 31 दिसम्बर, 1986 को क्रय किये। बी० लि० के देय बिलों में 2,0(X) रु० के ऐसे बिल हैं जिनकी स्वीकृति इसने ए० लि० को दी थी। मिश्रित चिट्ठा बनाइए तथा जर्नल के लेखे मिश्रण के लिए कीजिए।

(A. Ltd. purchased 75% shares of B. Ltd. on December 31, 1986, B/P of B. Ltd. include bills of Rs. 2,000 payable to A. Ltd. Prepare consolidated B/s and pass journal Entries in conneciton with consolidation)

(2) What is consolidated balance-sheet and how is it prepared.

(मिश्रित चिट्ठा क्या है? यह कैसे बनाया जाता है?)

(3) What informations according to Sec. 212 of the companies Act, 1956, is required to be attached to the B/s of a holding company in respect of its subsidiary?

(कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 212 के अनुसार सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में क्या सूचनाएँ सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे के साथ नत्थी की जाती हैं?)

# 5.11 पठनीय पुस्तकें

bil A

<ol> <li>एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल</li> </ol>	
2. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह	
3. एडवांस्ड लेखांकन शुक्ला एवं श्रीनिवास निवास	ALE D
4. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी एस० एन० महेश्वरी	F.L.Y.
s. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी Vol-II शुक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं गुप्ता	

bil 8

000.08

Capital dividend

बीका कंप्यानियां के निष

borrowing etc.

Salaries and Allowances

Separate for Directors)

and chief Executives)

Fees and Allowance

Auditors Fees

11 Other Expenditure

Rent Taxes Insurance

8. Depreciation and Repairs

10. Loss on non-banking Assets

# बैंकिंग कम्पनियों के लेखे

## Dam noisivoiq 229 Lamoo पाठ-संरचना

- uns used of isey sell grinub
  - 6.1 परिचय अवस्थान क
  - 6.2 लाभ हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा बनाना के no bisq ise set al
  - 6.3 लाभ-हानि खाते में समायोजनाएँ

7. Other Receipts. .

8. Less (If any)

- 6.4 बैंकिंग कम्पनी की विशेष मदें
- 6.5 बैंक का आर्थिक चिट्ठा
- 6.6 आर्थिक चिट्ठे की कुछ महत्वपूर्ण मद
- 6.7 ऋणों का वर्गीकरण
- 6.8 उदाहरण का अवस्था
- 6.9 सारांश
- 6.10 अभ्यास हेतू प्रश्न
- 6.11 पठनीय पुस्तकें

### 6.0 उद्देश्य

इस पाठ का उद्देश्य छात्रों को बैंकिंग कम्पनी के अन्तिम खाते बनाने सम्बन्धी नियमों के बारे में जानकारी देना है।

#### 6.1 परिचय

आप जानतं हैं कि भारतवर्ष में बैंकिंग व्यवसाय भारतीय रेगूलेशन एक्ट 1949 के द्वारा संचालित और

- (।) बैंकिंग लेखा प्रक्रिया जहाँ तक बैंक का खाता तैयार करना है हमलोगों को लाभ हानि खाता और आर्थिक चिट्ठा स्टीकृत करना अनिवार्य है।
- (क) लाभ हानि खाता तैयार करना बैंकिंग कम्पनी के लाभ हानि खाता का प्रारूप बैंकिंग अधिनियम की अनुसूची 4 के फार्म बी (Form B) में दिया हुआ है। इसका एक नमूना संक्षेप में नीचे िया जाता है

## 6.2 लाभ हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा बनाना

#### Form B

Form of Profit and Loss Account; Profit and Loss A/c for the year ended 31st December.

		Rs.	Income Less provision made Rs.
.*	Expenditure	NO FIFE	during the year for bad and
			doubtful Debt and other usual
			or necessary provisions
1.	Interest paid on deposits,	Rs.	
	borrowing etc.	शामक	2. Commission Exchange
2.	Salaries and Allowances		Brokrage
	(Separate for Directors)	भव	3. Rents
	and chief Executives)		6.5 बेंक का आर्थिक चित्रहा
3.	Director's and local	Planti	4. Net Profit on save of Assets
	Commeettee members'	~	6.7 ऋणी का वंगीकरण
	Fees and Allowance		6.7 ऋणी का वंशकरण
4.	Rent, Taxes Insurance		5. Net Profit on Revaluation of Assets
	lighting etc.		ाषानाम ६ व
5.	Loan charges		6. Income from non Banking Assets.
6.	Postage, Telegrams and		6.11 पढनीय पस्तके
	stamps		Wildly FileOp 11.0
7.	Auditors Fees		7. Other Receipts.
8.	Depreciation and Repairs		8. Less (if any)
9.	Stationary, Printing and	e for f	्स पाट का उद्देश छात्रों को बैंकिंग कम
	Advertisement		अस्तात रंग है।
10.	Loss on non-banking Assets		
11.	Other Expenditure		6.1 परिचय
12.	Balance of profit sey महिला म	निजाम ।	्राप जानत है कि भारतवर्ष में बैकिंग व्यवसा
	Total		Total Trill

Note: ("To" and "By" are not used in P + L A/c)

## 6.3 लाभ-हानि खाते में समायोजनाएँ

बैंकिंग कम्पनी के लाभ हानि खाते इसी प्रकार तैयार किये जायेंगे जैसे अन्य संस्थाओं या व्यापारी का। किन्तु इसके खाते में "To' और "By' का प्रयोग नहीं होता है।

मार शांशक बिरुख म्बीकृत करना अनिवार्ग है।

वैंकिंग कम्पनी की कुछ विशेष बातें हैं जिनको ध्यान में रखकर आवश्यक है, जैसे-

भूनाए हुए बिलों पर कटौती (Rebate Bills Discounted)— आप जानते हैं कि कटौती बैंक कं लिए आय है। अगर कोई ग्राहक बिल का भगतान बिल की अवधि से पहले कर देता है तो बैंक उसे कुछ छूट छोड़ देती है। इस बिल पर रीबेट कहते हैं। यह बैंक के लिए नुकसान है। इस रीबेट की रकम को डिसकान्ट में से घटाया जाता है और आर्थिक चिटठे में अन्य दायित्व के अन्तर्गत दिखाया जाता है।

एक बात और ध्यान देने योग्य है कि अगर ''रिबेट आन बिल डिस्काउंटेड'' तलपट (T/B) में दिया हुआ है तो इसे केवल चिट्ठे के दायित्व पक्ष में ही दिखाया जायेगा।

- कर के लिए प्रावधान यह बैंक के सूद और कटौती प्राप्त (Interest and Discount Received) में से घटाया जाता है, तथा इसे आर्थिक चिट्ठे में (Current and contingency A/c) कं साथ मिलाकर लिखा जाता है।
- अप्राप्य ऋण के लिए संचिति यह बैंक के द्वारा दिए गए ऋण के ड्बने का अनुमान है। अत: 3. यह एक तरह से अनुमानित हानि है, इसे सुद एवं कटौती की रकम से घटा दिया जाता है और आर्थिक चिट्ठे में ऋण से घटाया जाता है। Deposits and other A/c
- हास सम्बन्धित सम्पत्ति के लागत मूल्य पर एक निश्चित प्रतिशत जोड़ा जाता है तथा इसे लाभ हानि 4. खात के नाम पक्ष में लिखा जाता है और आर्थिक चिट्ठे में सम्पत्ति के मूल्य में से घटाया जाता है। कभी कभी हास लाभ हानि खाते के नाम पक्ष में लिखा जाता है और इसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में हास संचिति के रूप में दिखाया जाता है।
- संवैधानिक संचित कोष (Statutory Reserve Fund)— बैंकिंग अधिनियम की धारा 17 के अनुसार प्रत्येक बैंक को अपने लाभ का 20% संचित करना अनिवार्य है, जिसे हम वैधानिक संचय कोष कहते हैं। यह लाभ से काटकर चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।
- संदिग्ध ऋण पर सूद लिया गया (Credit taken as Interest on Doubtful Debts)-संदिग्ध ऋण पर ब्याज लाभ हानि खाते में अगर दिखाया गया है, तो उसे लाभ से घटा दिया जाता हं और चिट्ठे के दायित्व पक्ष में Interest Suspense A/c के रूप में दिखाया जायेगा।
- अपत्र व्यय (Outstanding expenses) इसे लाभ हानि खाते के नाम पक्ष में और आर्थिक चिट्ठं कं दायित्व पक्ष में दिखाया जायेगा। 10. Contingent Liabilities
- उपार्जित आय (Accured Income) इसे लाभ हानि खाते के जमा भाग में तथा आर्थिक 8. चिट्ठं कं सम्पत्ति भाग में दिखायेंगे।

IstoT

दिखाया जाता है।

## 6.4 बैंकिंग कम्पनी की विशेष मदें

- (1) Interest and Discount round well A) on forman and fine assist within a d
- (2) Public Deposites
- करी बैक जब करी लेता है तो उसे हम बैक करी (Borrowings (3) Bills for Collections
- (4) Rebate and Discount so I) The transfer to the second (nso.I) The
- (5) Money at call and Short Notice

## 6,5 बैंक का आर्थिक चिट्ठा (Balance sheet of a Bank)

वैंकिंग नियमावली की धारा 29 के अनुसार प्रत्येक बैंक को अपने वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद अपना आर्थिक चिट्ठा तैयार करना है। धारा 30 के अनुसार उसका अंकेक्षण भी करना है। बैंक के आर्थिक चिट्ठा का प्रारूप अनुसूची 3 के फार्म 'अ' (Form A) में दिया गया है। इसका संक्षिप्त रूप नीचे दिया गया है।

#### Preparation of Balance Sheet

#### Form - A

Balance sheet of ...... Bank as at 31st December 19 .....

	Capital and liabilities	Rs.	Propperty and Assets Rs	
1.	Share capital	Rs.	1. Cash in hand	
2.	Reserve Fund and	ग्रजी हि	2. Cash at Bank	
	other Reserves	15 04	यह एक तरह से अनुमानित होति हैं, इस सह ए	
3.	Deposits and other A/c		3. Money at call and short Notice	
4.	Borrowings State S	मिश्चत प्र	4. Investments	
5.	Bills Payable	विट्ड व	5. Loans and Advances	
6.	Bills for collection	विखा	6. Bills for collection buying	
	buying Bill Receivable		Bills Receivable as per contra	
	as per contra - Plant traffa (for	ve Fu	संवैध निका संचित कीष (Statutory Reset	
7.	Other liabilities	न्त्रक कार्य	7. Constituent's liabilities for	
	भ में विख्याया जाता है।	ग्रायन्त्र प	Acceptance Endorsements	
8.	Acceptenaces Endorsements,	en as	and other obligations as per	
	and other obligations as per	ाधाछत्रो	contra Flis Pile Dipe 30 Tues Posis.	
	contra. THE PAR A OLA	spense	है और सिरंट के दिल्ल गुन्न में Interest Su	
9.	P. and L A/c P PT A THE PROPERTY AND A STATE OF THE PERSON	RHS W	8. Fixed Assets albastatuo) PIS THE	
10.	Contingent Liabilities		9. Other Assets	
	ने खात के जमा भाग में तथा आर्थिक	त्र भार	10. Non- Banking Assets	
			11. P and L A/c	
	Total		वैकिए latoTi की विशेष मदे	4.8

## 6.6 आर्थिक चिट्ठे की कुछ महत्वपूर्ण मद (A Few Important Points of B/S)

- 1. कर्ज बैंक जब कर्ज लेता है तो उसे हम बैंक कर्ज (Borrowings) कहते हैं। यह बैंक का दायित्व हैं।
- 2. ऋण (Loan) जब बैंक कर्ज देता है तो इसे ऋण (Loans) कहते हैं। यह बैंक की सम्पत्ति में दिखाया जाता है।

- 3. संग्रह के लिए बिल यह बैंक का दायित्व और सम्पत्ति दोनों है। इनको दोनो तरफ सम्पत्ति और दायित्व में लिखा जाता है।
- 4. Acceptance, Endorsements and other obligations बैंक कभी कभी अपने ग्राहकों की आर बिलों के भुगतान आदि की स्वीकृति दे देता है, जिससे बैंक उस बिल आदि को देने के लिए दायी हो जाता है, अत: बैंक का दायित्व है। दूसरी तरफ बैंक अपने ग्राहकों से भी संकलित करता है, अत: सम्पत्ति है। इसलिए इसकी Contra Entry बैंक चिट्ठे में होती है।
- 5. Non-Banking Assets— अग्र कोई ग्राहक बैंक का ऋण नहीं चुकाता है तो बैंक उनके द्रा्रा जनमत में दी गयी सम्पत्ति का जो आध्रग्रहण करता है उसे ही हम Non-Banking Assets कहते हैं। इसका मूल्य आर्थिक चिट्ठे में बाजार मूल्य पर दिखाया जाता है।
- 6. Branch Adjustment A/c-- बैंक अपने ब्रांच का एक समायोजन खाता बनाता है। अगर यह शेष Credit है तो दायित्व में और शेष Debit है तो सम्पत्ति में लिखा जायेगा।
- 7. Contingency Account— यह खाता किसी ज्ञात खर्च को पूरा करने के लिए खोला जाता है. जैसे Provision for Taxation, Provision for Doubtful Debits etc.
- 8. Contingent Liabilities संभावित दायित्व या संदिग्ध दायित्व जो निश्चित नहीं है। इस शीर्षक की रकम को दायित्व के योग में नहीं जोड़ा जाता है। जैसे बैंक पर किए गए दावे जिन्हें बैंक ने अभी तक ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया है, विनिमय बिल पर पुन: भुनाने पर दायित्व अदत्त भविष्य के विनिमय अनुबन्ध इत्यादि।
- 9. Particulars of Debts- पुस्तकीय ऋणों का विवरण देना बैंकिंग विनिमय अधिनियम के अनुसार देना औनवार्य है। इसके अनुसार ऋणों का वर्गीकरण 9 भाग से किया जाता है।

प्रथम चार भाग में सभी ऋण दिखाये जाते हैं। इस रकम को खाते में दिखाया जाता है। बाकी भाग विशेष सूचना देते हैं। इसकी रकम भीतर ही दिखायी जाती है।

इसका विवरण हिन्दी में निम्न प्रकार है तथा इसे अंग्रेजी में भी दिया जा रहा है।

## 6.7 ऋणों का वर्गीकरण

- वे ऋण जो उत्तम हैं और जिनके सम्बन्ध में बैंक पूर्ण रक्षित है।
- 2. वे ऋण जो उत्तम हैं और जिनके लिए बैंक के पास देनदार की व्यक्तिगत प्रतिभूति के अतिरिक्त और कोई प्रतिभूति नहीं है। असार कार्या कार्या कार्या कार्या प्रतिभूति नहीं है।
- 3. वे क्रिण जो उत्तम हैं और जिनके लिए बैंक के पास देनदार की व्यक्तिगत प्रतिभृति के अतिरिक्त एक या अधिक पक्षों की व्यक्तिगत प्रतिभृतियाँ हैं।
- 4. वे ऋण जो संदिग्ध या अप्राप्त हैं और जिनके लिए अभी तक कोई प्रावधान नहीं हुआ है।
- 5. बैंक के संचालकों या अधिकारियों या इनमें से किसी के भी द्वारा अकेले या किसी व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से देय ऋण।
- 6. ऐसी कम्पनियों या फर्मों के देय ऋण जिनमें बैंक के संचालक या अन्य अधिकारियों का संचालकों या साझेदारों के रूप में हित हो या निजी कम्पनियों में सदस्यों की तरह हित हो।

7. किंगा की अधिकतम <mark>कुल राशि जो कम्पनी के संचालकों, प्रबन्धकों या अफसरों को वर्ष में किसी किंगा समय दी गयी हो।</mark>

विकास समिता के लेख

- 8. ऋणों की अधिकतम कुल राशि जो ऐसी कम्पनियों या फर्मों को वर्ष में दी गयी हो जिनमें बैंक के संचालकों की तरह या साझेदारों की तरह या एक निजी कम्पनी में सदस्यों की तरह हित हो।
- o. बैंकिंग कम्पानयों द्वारा देय ऋण : vind sinoo किसर गानीसर कि निम्म कार के
- नोट बैंकिंग कानून में 1968 में एक संशोधन हुआ है जिनके अनुसार बैंकों के ऋण और प्रतिभूति पर कई प्रतिबन्ध लगाये गये हैं।
- 12. Particulars of Advances— The Act requires that the publish of a bank should disclose some minimum information about the particulars of advances either in the Balance sheet or in a seperate schedule forming part of the Balance sheet. It is divided into 9 parts.

The total of the first four items usuals the total advances which is shown in the outer columns. The rest items usual further details of the nature of advances. They are not to be totalled. The prescribed form is given below:—

- (1) Debts considered good in respect of which the Banking company is fully secured.
- (2) Debts considered good in aspect of which the Banking company holds no other security than the debtors personal security.
- (3) Debts considered good secured by the personality liability of one or more persons in addition to the personal security of the debtors (e.g. bills discounted and purchased.)
- (4) Debts consiered doubtful or bad not provided for.
- (5) Debts duly directors or officers of the banking company or any of them eiter secularly or jointly with any other person.
- (6) Debts due by companies or firms in which the directions of the banking company are interested as directors or members.
- (7) Maximum total amount of advances including temporary advance made at any time during the year to Directors or managers of officers of the banking company or any of them either secularly or jointly with any other persons.
- (8) Maximum total amount of advances including temporary advances granted during the year to the companies or firm in which the Directors of the company are interested as Directors partners or managing agents or in the case of private companies, as members.
- (9) Due from banking companies. The first is 10 to 18 to 19 to 19

6.8 उदाहरण

#### Preparation of Merchants A/c

to him by crediting interest suspense A/

## Problem-1.

When closing the books of a bank on 31.12.1983 you find in the loan ledger an unsecured balance of Rs. 5,00,000 in the account of a merchant whose financial condition is reported to you as had and doubtful. Interest to the same account amounted to Rs. 50,000 during the year. How would you deal with this item of interest in 1983 A/c?

During the year 1984 the bank accounts 75 paise in the rupee an account of the total debt due upto 31.12.1983, prepare the necessary accounts showing the ultimate effect of the transaction in the 1984 books of account.

#### Solution:

While preparing the 1983 accounts the sum of Rs. 50,000 due from the merchant on account of interest should not be carried to P and L A/c, because its recovery was doubtful. It should, therefore, be transferred to an interest suspense A/c which would appear as a liability in B/s on 31.12.83.

M	erc	cha	nt's	AC	COL	ints
		-			~~	4116

31.12.83	To Balance b/d	5,00,000	By Balance C/d	5,50,000
То	Int. Suspense A/c	50,000	in the Bo	
	4,750	5,50,000	Robato on bills d	5,50,000
1.1.84	To Balance b/d	5,50,000	31.12.84	
	5,560	ount A/c Dr.	By cash a solution	98 4.12.500
			Co 75 paise	
	Udc c		per Ruee	
			By Int. Suspense	A/c 12,500
	unt A/c	ossifi bas te	By Bad Debt	1.25,000
4 750	v Rebate on Bills	5,50,000	gled	5.50,000
		terest Susp	ence A/c	on Bills
31.12.83	To Balance b/d	50,000	By Merchant A/c	50.000
01.01.84	By Balance	8 68.3 08	1	10000010
	To Merchants	11	Libra	ToPa
	Account	12,500	L/d oc ah (nalana	
	To P and L	37,500		
45,45,350		50,000	45,45,350	50,000

#### Hints:

 Interest amounting to Rs. 50,000 due from customer has been debited to him by crediting interest suspense A/c (and not to interest a/c as its recovery is doutful) and interest suspense A/c will appear in the liability side of the B/S.

है किया कार्यानयों के लेखें

Solution

84

विष्ठाहर है है ।

2. Actual Amount of interest which has been received in cash i.e. Rs. 37,500 i.e. transferred to P and L A/c.

#### Problem No. 2

The trial balance of United Bank Ltd. as on 30th June, 1984, shows the following balances:

(1) Interest and discount	Rs.	45,40,000
(2) Rebate on bills discounted	Rs.	4,750
(3) Rebate on bills discounted	Rs.	3,37,400

The amount of unexpired discount as on 30.6.1989 is Rs. 5,560.

Show the necessary adjusting entries and calculate the amount of interest and discount to be credited P and L A/c.

#### To Balance b/d 5,00,000 By Balance C/d noitulo2 0 000

000.8S N

	In the Book of United	Bank Ltd.
1.7.88	Rebate on bills discount A/c	4,750
	To Interest and discount A/c	old 4,750
30.6.89	Interest and discount A/c Dr.	5,560
	To Rebate on Bills	
	Discounted A/c	5.560

By Int. Suspense Alc

## Interest and Discount A/c

1.7.88	To Rebate		1.7.88	By Rebate on Bills	4,750
	on Bills	ence A/c	est Susp	Discount	20.02.20.0
600.08	discounted	5,560	- 000,0	To Balance b/d	( 91.12.83
			30.6.89	By Cash A/c	18.ro.ro
	To P and L			(Interest and Dis-	
	A/c (Transfer)	45,39,790	2,500	counted occured)	
000.02		45,45,350	7,500	To P and L	45,45,350

#### Problem No. 3

From the following balances of Allahabad Bank as on 31st Dec. 1981, prepare its B/s and P and L A/c.

Balance Sheet of Allehabad Bank

(我/BBJ) (1 年 )	Rs.
(我/BBJ) (1 年 )	
	0,000
Rs. 100 each Investment at cost 9,0	0,000
P and L A/c	
(1.1.1981) 1,00,000 Loans each credit	
and overdraft etc. H to a 45,0	0,000
Deposits: teop is i emite evil 000,00 or	
Management	
Extra control of the	0,000
Fixed 20,00,000 Cash with other	
Bank 15,0	0,000
Savings 10,00,000	a
Buildings 4,0	0,000
Investment Reserve 50,000	12
pns nbero Preliminary volume	16
	0,000
	0,000
Exchange 2,00,000	
Interest and 000 05	
Discount 6,00,000	
B.3COUTT 6,00,000	

Provided depreciation on building at 10% p.a. The market value of investment, on 31st Dec. 1981 is Rs. 8,70,000 particular of advances need not be given.

#### Answer:

P & L A/c of Allahabad Bank for the year ended 31st Dec. 1981.

Management	Secuedan	Commission and	
Expenses 000.00	6,00,000	Exchange	2,00,000
Depreciation		Interest and Discount	(-) Statutery
Building	40,000	32,000	6,00,000
Net Profit	1,60,000	1.28,000 2.22,000	
000,00 48	8,00,000	000,000 \$8	8,00,000

## Balance Sheet of Allahabad Bank

(as on 31st Dec. 1981)

Capacity Authority		Property and Assets	e 9 eli disci
Share of Rs. each	so or des O 🎒	Cash in hand with	Share capit
occ.co.f.f	PaleR AWA	Rs. serve Bank	11,00,000
Issued. Subscribed			ose cur wh.
and paid up capital	Loans eac	Cash with other Bank	15,00,000
10,000 shares of Rs.	bilovo bils		
100 each	10,00,000	Investment at cost	9,00,000
Reserve Fund	edenoux3	(Market value 8,70,000	inami)
other Reserve	diw daso	000,00.08	hex 4
Investment	Bank	Advances	
Reserve 50,00	0	Loans cash	Savincs
Statutory Rs. 1,50,00	0	Reserve Solono	toemteevol
Statutory	Preliminar	Credit and	
Reserve 32,00	0 2,32,000	Overdraft etc.	45,00,000
Deposit and other A/c	ni agmsta	Building 4,00,000	Commission
Current 40,00,00	0	Less Dept. 40,000	3,60,000
Fixed 20,00,00	0	000.00,0	Discount
Savings 10,00,000	70,00,000		
he market value of invest-	et 10% p.a. 1	Other Assets	Provide
Borrowing from other	Nil	Preliminary	
Other liabilities		an - A see O keeper to A to A	A J S G
P + L A/c 1,00,000	0	Expenses 40,000	Managemen
Current year 1,60,000		Stamps 60,000	1,00,000
(-) Statutory	interest in		Copreciation
Receive 32,000		000,04	a constituti
1,28,000	2,22,000	000,08,1	- Morrisold
000.00 8.	84,60,000	000 00.8	84,60,000

#### 6.9 सारांश

बैंकिंग कम्पनी के अन्तिम खाते के अन्तर्गत लाभ हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा तैयार किया जाता है।

## 6.10 अभ्यास हेतू प्रश्न

(1) The Just merchants Mr. X and Mr. Y borrowed from the Commercial Bank Ltd., Simla on 30th June 1979 a sum of 3,00,000 on their joint and several promissory notes depositing as collateral security, jute value at Rs. 4,00,000. How will this loan appear in the Bank B/S on 30th June, 1979?

They are charged interest at 6 percent per annum with yearly rest, the jute is valued at Rs. 2,98,666 on 30th June, 1981. How will this loan appear in the Banks B/S on 30th June 1981?

- (a) If Mr. X becomes insolvent on 30th September, 1980 while Mr. Y remain solvent.
  - (b) If both become insolvent on 30th Sept. 80.
- (2) While closing the books of a bank on 31st December, 1980, you find in the loan ledger an unsecured balance of Rs. 4,00,000 in the account of a merchant, whose financial condition is reported to you as bad and doutful. Interest on the same account amounted to Rs. 20,000 during the year. How would you deal with this item of interest in 1980 account?

During the year 1981 the bank accepts 75 p. as in the rupee on account of the total debt. Prepare necessary accounts showing ultimate effect of the transactions on 1981 accounts.

(3) इण्डियन बैंक लि॰ का 31 दिसम्बर, 1981 का निम्नलिखित तलपट है

The Trial Balance of Indian Bank Ltd. as on 31st Dec. 1981 is as follows :-

half a second smalle of these word souther use to do to be present to	Rs.
Paid up capital	20,00,000
Local bills discounted	18,00,000
Reserve	7,70,000
Cash credit and overdraft	28,00,000
Unclaimed dividends	10,000
Loan spir one of the febreu s	46,00,000
Current and savings bank deposits	46,00,000
Fixed deposits	40,00,000
Furniture Assessment and Assessment a	40,000
P. and L. A/c credit	2,20,000

Stamps and stationary	10,000
Circular notes, L/C and Provision	
For contingency	1,70,000
Cash in hand	5,00,000
Cash at Bank	13,00,000
Branch adjustment (Debit)	13,70,000
Loans against up ledgement of customers	promisson notes
securities 1721 and those to 8.8 Ans8 off in reagge	
Investment of the mums log trapped as feeter beg	9,60,000

Out of the loans, cash credits and overdrafts the bank holds securities (which are upledged) for debts amounting to Rs. 52,00,000 and the personal security of one or more persons for the balance debts (good) due by directors amounted to Rs. 2,30,000 and the doubtful debts amounted to Rs. 5,70,000. The rebate on local bills discounted amounted to Rs. 10,000. credit is taken for Rs. 39,900 as interest on doubtful debts. Banks acceptances on behalf of customers were Rs. 6,50,000. The directors require the banks investments to be shown in the balance sheet at market value on 31st December, 1981. Which is Rs. 10,50,000. Prepare the B/s of the bank as on 31st December 1981.

ऋण, नकद साख और अधिविकर्ष की राशियों में से बैंक के पास 52,00,000 रु० के ऋणों के लिए प्रतिभूतियाँ हैं और शंष ऋणों के लिए एक या अधिक व्यक्तियों की प्रतिभूति है। देनदारियाँ (अच्छी) संचालकों द्वारा देय 2,30,000 रु० और संदिग्ध ऋण 5,70,000 रु०। भुनाए हुए स्थानीय बिलों पर व्याज के लिए असमाप्त कटौती 10,000 रु०। संदिग्ध ऋणों पर बयाज के लिए 39,900 रु० क्रेडिट किये गये हैं। ग्राहकों की ओर से बैंक की स्वीकृति 6,50,000 रु०। बैंके विनियोग 31 दिसम्बर, 1981 को संचालकों के अनुसार बाजार मूल्य 10,50,000 रु० दिखाते हैं। 31 दिसम्बर, 1981 को बैंक का चिद्ठा बनाइए।

- (4) बैंक के चिट्ठे का नमूना अनुमानित राशियों के आधार पर दीजिए।
- (5) एक बैंक के पुस्तकीय ऋणों में क्या शामिल किया जाता है? बैंकिंग नियमन अधिनियम के अनुसार इन्हें चिट्ठों में किस प्रकार वर्गीकरण किया जाता है? अनुमानित राशियों से एक नमूना दीजिए।
  - (6) निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए

नन बैंकिंग सम्पत्तियाँ, शाखा समायोजन, असमाप्त कटौती, वैधानिक संचय।

## 6.11 पठनीय पुस्तकें

1.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल
2.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह
3.	एडवांस्ड लेखांकन	शुक्ला एवं श्रीनिवास
4.	एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी	एस० एन० महेश्वरी
		000

## बीमा कम्पनियों के लेखे

#### पाठ संरचना fastures) उद्देश्य 7.0 परिचय 7.1 बीमा कम्पनी की विशेषताएँ हो है समित्रिक कि एकिए हैं 7.2 बीमा के प्रकार 7.3 सामान्य बीमा कम्पनी के लेखे 7.4 7.4.1 रेवेन्य खाता (4) उसने एक निर्मात मान्य के बचने होक्का प्रा 7.4.2 जमा भाग खाते का नम्ना 7.5 7.5.1 लाभ हानि खाता का नमुना के प्रकार कि कि एक छन्। 7.5.2 लाभ-हानि नियोजन खाता का नमुना 7.5.3 रेवेन्यु खाता का नमुना कर्माम् प्राप्त प्राप्त काम्बर्ध कार्य 7,5.4 आर्थिक चिट्ठा का नमुना कि कि कि कि कि कि जीवन बीमा कम्पनी 7.6 जीवन बीमा पॉलिसी के प्रकार 7.7 7.7.1 समस्त जीवन पॉलिसी 7.7.2 कुछ अवधि के लिए जीवन बीमा पॉलिसी जीवन बीमा में अन्तिम खाते तैयार करना 7.8 7.8.1 रेवेन्यू खाता philosopa) कि के किएक एक प्राणा 7.82 आर्थिक चिट्ठा 7.9 उदाहरण 7.10 सारांश अभ्यास हेत् प्रश्न

#### 7.0 उद्देश्य

7.11

7.12

पठनीय ग्रंथ

इस पाठ का मुख्य छद्देश्य छात्रों को बीमा कम्पनी द्वारा तैयार की जाने वाली अन्तिम खाता के बारे में जानकारी देना है।

#### 7.1 परिचय

त्रीमा एक सामाजिक तरीका है जिसके द्वारा व्यक्तियों का बड़ा समूह एक समान चन्दे की व्यवस्था द्वारा ऐसे सामान्य आर्थिक जोखिम जिन्हें नापा जा सकता हो, को कम या दूर कर सकता है। वास्तव में जोखिम में से सुरक्षा प्रदान करना ही बीमा है।

## 7.2 विशेषताएँ (Features)

बीमा की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

- (1) बीमा भविष्य की आकस्मिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- (2) बीमा सिर्फ आर्थिक जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करता है।
- (3) बीमा जीखिम के वितरण का सहकारी ढंग है।
- (4) इसमें एक निश्चित मूल्य के बदले सुरक्षा प्राप्त होती है।

## 7.3 बीमा के प्रकार (Types of Insurance)

बीमा मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं.

## 7.3.1 सामान्य बीमा (General Insurance):

इसके अन्तर्गत अग्नि बीमा, सामुद्रिक बीमा, दुर्घटना बीमा, मोटर बीमा, साख बीमा, फसल बीमा इत्यादि सम्मिलित हैं। ये क्षतिपूर्ति वाले बीमा प्रसंविदा होते हैं। इसका अर्थ यह है कि जितनी क्षति होगी, उसी की पूर्ति की जाती है।

## 7.3.2 जीवन बीमा (Life Insurance):

इसके अन्तर्गत बीमा की विषय वस्तु मनुष्य होते हैं। जीवन बीमा में एक निश्चित रकम के बदले में सुरक्षा प्रदान की जाती है। आजकल भारतवर्ष में सभी प्रकार के बीमा का राष्ट्रीयकरण हो गया है।

## 7.4 सामान्य बीमा कम्पनी के लेखे (According Records of General Ins. Co.)

सामान्य बीमा कम्पनी को अपने असीमित जोखिम के लिए निम्नलिखित प्रावधान करना पड़ता है

- (1) अग्नि बीमा या दुर्घटना बीमा में शुद्ध प्रीमियम की राशि का 50%
- (2) समुद्री बीमा में यह संचय 100% करना चाहिए।

लेखे (Accounts)- प्रत्येकं बीमा कम्पनी को निम्नांकित खाते और विवरण तैयार करने पड़ते हैं।

- (1) रेवंन्यु खाता (Revenue A/c)
- (2) लाभ हानि खाता (Profit and Loss A/c)
- (3) लाभ हानि समायोजन खाता (Profit and Loss Appropriatation Account)
- (4) आर्थिक चिट्ठा (Balance Sheet)

#### रेवेन्यु खाताः

बीमा कम्पनी अधिनियम, 1938 की अनुसूची 3 के भाग 2 में जो फार्म F निर्धारित किया गया है। इसी फार्म F में प्रत्येक प्रकार की बीमा का अलग अलग रेवेन्यु खाता बनाना अनिवार्य है।

रेवंन्यु खाता एक प्रकार से सामान्य लाभ हानि खाता है। इनके दो भाग होते हैं

- (1) नाम भाग और
- (2) जमा भाग।
- (1) इसके नाम भाग में सभी व्यय लिखे जाते हैं; यथा
- (a) दावे का भुगतान
- (b) कमीशन एजेन्ट को भुगतान

  समुद्री बीमा और अग्नि बीमा में अधिकतम सीमा प्रीमियम की राशि 5% हो सकता है और
  मुख्य एजेन्ट की नियुक्ति की दशा में 20% कमीशन अग्नि और समुद्री बीमा में है।
- (c) प्रबन्ध व्यय
- (d) अप्राप्य ऋण
- (e) अन्य व्यय और हानियाँ
- (f) लाभ देय
- (g) समाप्त जोखिम के लिए नया संचय

## इस खाते के जमा भाग में लिखे जाने वाले मद :

- (1) गत वर्ष का असामप्त जोखिम का संचय
- (2) अतिरिक्त संचयं
- (3) प्रीमियम प्राप्ति
- (4) ब्याज, लाभांश एवं किराया प्राप्ति
- (5) अर्पित पुनर्बीमा पर कमीशन प्राप्ति
- (6) अन्य आय।

इस'खाते में "To" और "By" नहीं लिखा जाता है। इस खाते में जो लाभ या हानि होती है उसे लागि हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।

लाभ हानि खाता और लाभ हानि नियोजन खाता क्रमश: Form 'B' और 'C' में तैयार किये जाते हैं। आर्थिक चिट्ठा का फार्म 'A' नमूना है। प्रत्येक खाते का नामूना नीचे दिया गया है।

## 7.5 खाते का नमुना

#### Form-B

## 7.5.1. Profit and Loss A/c for the Year Ending:

Taxes on Insurance's profit	Rs.	Interest, Dividend and Rent	Rs.
Expenses of management		(Not related to any fund)	
Less on Realisation of		Less Income Tax -	
Investment.		भाग भाग	(2)
Depreciation of fund	联声 读着 的	Profit on Realisation	(1)
		of Investment.	6)
Loss from Revenue A/c		Appreciation of Investment	
		P/L A/c from Revenue A/c	
Other Expenditure .	HIN HOW	Transfer Fee ,	
P/L Appreciation A/c	Althorn College	Other Income	
		P/L Appropriation A/c	0)
(Profit)		Loss (Rs.)	b) *
Rs.		किसीब मिर प्राप्त Rs.	Θ)

## 7.5.2. Profit and Loss Appropriation:

	Rs.	संगाच जाखित्र का लिए गया शवस	e) Rs.
Balance of the Previous year (loss)	जम रिजा	Balance of Previous year	HE
P/L A/C Balance (loss)	1/18	Less Dividend for	
Dividend paid during year.		previous year-	
Transfer to any fund		P/L A/c Balance (Profit)	
Balance C/d		श्रीविधाम प्राप्तिः	(1)
(Profit)		Balance C/d (Loss)	(1)
Rs.		कर्माह कर्माम्बर भारता <b>प्राप्त Rs.</b> होगाह	(a)

#### Form-B

## 7.5.3. Revenue Account for the Year ended .....:

	Rs.	त में हस्तानंगित कर दिया जाता है	Rs.
1. Claims Less covered by	TAB ISTA	Reserve for unexpired	1 34 755
Re-insurance.	b163 #	risk from previous year.	कोशाक वि

2.	Commission to agent	2. Additional Reserve from
		previous year
3.	Commission on Re-	*180 OP 21 M 17
٥.	Commission on Re-	3. Premium
	Insurance Accepted	Marine in surence Co. Ltd. and 31st Dec. 1986
4.	Management Expenses	4. Interest, Dividend and
	3FL	Rents
5.	Bad-debt.	5. Commission on Re-
	4.40,000	insurance ceded.
6.	Other expenses and losses	6. Other Income a noise in 100
7.	Reserve for unexpired	7. P/L A/C (Loss)
	risks (i.e., on policy maturing	
	in the next year).	Depreciation
8.	Additional reserve.	Loss on sale of investments
9.	P/L A/c (Profit)	eoususen-es la salbisó en el
	Rs.	Po Po
	200.00	Dire .sRs Remuneration

किर्म के विश्वीस्ता वर्गा

# Form-A (net) not elating Interest and Dividend (net) not relating

# 7.5.4. Balance Sheet as on .....:

	Rs.	an i formeral isnotti bA	Rs
Share Capital		Loans	•
Reserve Fund.		Investment house Property	
4 58 000		Agent's Balances	
Investment Reserve Fund		Outstanding Premium	
Depreciation Reserve.	soneor	Alb bus iselement belong as	
P/L Appropriation A/c		Interest, dividend and Rent	
Balance of Fund		Outstanding and Accuring	
and Accounts.		Less Income Tax.	•
Debentures, loans	em	Amount due from other	
and Advances	88 1 1 8	Insurances.	
B/P.		Sundry debters	
Outstanding Claims	e 1 101 e	B/R	
Unclaimed dividend Premium	vd bea	Investment Reserve to be increa	
Received in Advance		Cash and Bank Balance	
Sums due to other Insurance Co.	oniam e	Other assets to be specified.	
Contingent liabilities	CISE Bril	THE PARTITION OF THE OT THE OTHER	بادالي
(in inner column only)	nd the F	Draw up the Revenue Account a	
:38/Rs.sdn	t Decer	te no bebne usey ent tot Rs	sing

#### Problem. - 1.

## सामुद्रिक बीमा

The following balances have been extracted from the books of South India Marine Insurance Co. Ltd. on 31st Dec. 1986.

atner	Rs.
Premium Less Re-insurance	98,61,000
Commission on Direct business	4,40,000
Commission on Re-insurance ceded	52,000
Commission on Re-insurance accepted	38,000
Depreciation	64,000
Loss on sale of Investments	1,00,000
Claims paid less Re-insurance	50,00,000
Director's Remuneration	3,00,000
Interest and Dividend (net) not relating to any fund	2,75,000
Reserve for unexpired risks 1.1.86	78,00,000
Additional Reserve 1.1.86	7,80,000
Claims outstanding 1.1.86	3,78,000
Claims outstanding 31.12.86	4,58,000
Tax deducted on interest and dividends	80,000
Salary of the broken feating the salary	6,40,000
Rent and Taxes	58,000
Postage, Stationary and Telegrams	86,000
Profit and Loss Appropriation A/c 1.1.86	19,50,000
Provision for Taxation to be made for 1986	6,08,300
Investment Reserve to be increased by	1,50,000
	the state of the s

Reserve for unexpired risks to be maintained @ 100% of the net premium income. Additional reserve of 105 on the said premium is also to be maintained.

#### Solution:

## South India Marine Insurance Co. Ltd.

Revenue A/c for the year ended 31st Dec. 1986.

		1,84,93,000		1,84,93,000
Add. Reserve	9,86,000	1,08,17,000	ses by Fire s	eq.(-(9)
unexpired Risk	98,61,000		tsurance Premium	19A (1)
Provision for	4			V
at the end.		i Balance	detta .	
Balance of A	'c			
Profit Transferred	Co. Lid. or	9,63,000	CATALLO AUTODOS DE L'ATRIC	
General P + L A/o	net	a star bengk	end hat evises on Henry	
Postage etc.	86,000	10,84,000		
Rent and Taxes	58,000			
Remuneration	3,00,000	oonsius	ril o iFY	
Directors				Problem.=
ment Salaries	6,40,000	100	0 47,011	
Expenses of Man	age			
on re-insurance	28,000	4,78,000	3 8 1 0 4 3 8 6 1 0 0 10 1	
Direct Business	4,40,000	019 1014 00	CBCB Commission	
Commission on	ble Pland	00 Balance	0.00 f g foviese	t teamter/ul
	t babne i	d to: the year	reinsurance ceded	52,000
000 88.5		100	Commission on	
at the beginning	3,78,000	51,20,000		
Less outstanding		017		
			(less re-ins.)	
	34,30,000		Premium Received (net)	98,61,000
	54,98,000		Add. Reserve	7,80,000
at the end.	4,58,000	to Poult 1	unoxpirod neno	
Add. outstanding	30,40,000	totalet	unexpired risks	78,00,000
Claims paid less Re-insurance	50,40,000	Rs.	Balance of Account at the beginning provision for	

Profit and Loss Account for the year ended 31st December, 1986			
Loss on of Investments	1,00,000	Profits from Revenue	
st Dec 1986	ar ended 3	(Marine)	9,63,900
Depreciation and the Indoport to s	64,000	lies , asil	isq anusi
ng provision for	aniged +	Interest, Dividend, Rent to	สิต เกรมเสท
ed risks 78.00,000	idxeur	related to any Paricular	Add. buista
		fund or A/c	bne eni in
Balance Transferred to	EL bbA	000 80 3,55,000	
P and L Appropriation	imer9		
A/c	10,74,900		C
1961年 海龍美華	00	Less Income Tax 80,000	2,75,000
	15,38,900	And Decision Clinia	12,38,900

## Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31st Dec. 1986

Investment Reserve	1,50,000	Balance b/d P and A/c	midalana ka
Provision for Taxation Balance transferred to B/s	6,08,300 3,16,600	Net Profit 00,04,4 289	10,74,900
	10,74,900	f Manage as 6,40,000	10,74,900

Problem. - 2.

#### Fire Insurance

(अग्नि बीमा)

Assuming that no reserve for unexpired risk is created, prepare Revenue Account and Balance sheet of Spark Fire Insurance Co. Ltd. on 31st Dec. 1981 from the following:

#### Debit Balance

			tol noisivo Rs.
(1)	Reinsurance Premium	000,10,8e	69,000
(2)	Losses by Fire	9,88,000,1,08,17,000	- oviozofich
000,89	1,84,	1,84,93,000	4.80,000

**********************	THE PARTY OF THE P	A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH	
(3)	Management Epenses		1,20,000
(4)	Commission		1`,79,000
(5)	Bad Debts		11,000
(6)	Shareholders Dividend paid		12,500
(7)	Mortgages within India	1,79,000	1,00,000
(8)	Mortagages out of India		10,000
(9)	Foreign securities		1,55,000
(10)	Railways Debentures and stock	7 14 500	1,50,000
(11)	Railways Preference shares	qqA J bne	33,000
(12)	Municipal loan		17,000
(13)	Bank Deposits		90ns/s 20,000
(14)	Deposits with Foreign cos.		17,000
(15)	Deposits with Trustees		11,000
(16)	Agents and Branch office Balance	Balan	1,05,000
(17)	Outstanding Premium at Head Of	fice	1,500
(18)	Cash at Bank Minit Waspanish		A voneonino 10,500
10,000	Credit Ba	lance	
0(1)	Premium Relinido Candidio Tol	000,01,5	7,70,000
(2)	Losses Reservable under Reinsu	rance	60,000
(3)	Profit and Loss Account	OUU LC.O	3,500
(4)	General Reserve Fund		2,80,000
(5)	Interest and Dividend (of which R	s. 5,000	priphate ti,
000,30	have not been received)		13,500
(6)	Capital Metro vid bos region		2,50,000
(7)	Outstanding Fire losses	6.500	63,000
(8)	Outstanding Dividends	000.288	6;500

Solution -		eo nog Themagana				
Revenue Account						
Losses by Fire 4,80,000	Rs.	Premium 7,70,000	Rs.			
Less Losses recoverable		less Re-ins. 69,000				
60,000	4,20,000	hing briefly Dividend paid	7,01,000			
Commission	1,19,000	Interest and Dividends	1.4			
Expenses of Management	1,20,000	8,500				
000.01		Outstanding 5,000	M (8)			
Bad Debts	11,000	reign secutilies				
P and L A/c	44,500		13,500			
DUO Ud, I	7,14,500	Hways Dubbintures and stock	7,14,500			
00008 P	and L App	ropriation A/c	$A_{-}(U)$			
· Control of the cont	Rs.,	and registra	Rs.			
Dividends Balance	12,500	Balance c/d	3,500			
2		P and L A/c	44,500			
Transferred to B/S	35,500	posits with Poleign cos. a				
Transierred to B/S	48,000	posits with Trustees	48,000			
	L	ce Sheet				
(as at 31st Dec. 1981)						
Capital:	Rs.	Loans:	Rs.			
Reserves or contingency A.	2.50,000	Mortgages within India	1,00,000			
		Mortgages out of India	10,000			
	35-2111318	Investments:				
General Reserve Fund	2,10,000	Foreign Securities	1,55,000			
	eanna	Rly-Debentures and Stock	1,50,000			
P + L. Appon. A/c	3,55,000	Rly- Pref. Shares	33,000			
008 E		Municipal Loans	17,000			
Loans and Advances		Dep. with for Cos.	17,000			
out standing	63,000	Dep. with Trustees	11,000			
	155,000	Agent's and Br. office				
1308 11	144	Balances	1,05,000			
		Outstanding Premiums	1,500			
Div. losses		Interest and Div. outstanding	5,000			
Outstanding Devidends	6,500	Cash at Bank on Deposit	20,000			
		Cash at Bank	10,000			
Rs.	6,35,000	abnebivid pribri Rs.	6,35,000			

#### 7.6 जीवन बीमा कम्पनी

भारत में जीवन बीमा का राष्ट्रीयकरण 1956 ई॰ में हुआ। जीवन बीमा निगमें अधिनियम 1956 के अन्तर्गत भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना हुई।

जीवन बीमा निगम दो प्रकार का व्यवसाय करती है - जीवन बीमा और वार्षिकी अनुबंध।

## जीवन बीमा पॉलिसी के प्रकार

जीवन बीमा के अन्तर्गत दो प्रकार की पॉलिसी जारी करती है। यथा

#### 7.7.1 समस्त जीवन पॉलिसी :

इस पॉलिसी को लेनेवाले को प्रीमियम जीवनपर्यन्त देना पड़ता है और बीमा ककी राशि पॉलिसी लेनेवाले की मृत्यु के बाद उत्तराधिकारियों को दी जाती है।

## .7.7.2 कुछ अवधि के लिए जीवन बीमा पॉलिसी :

इस बीमा की राशि एक निश्चित अवधि के अन्त में या बीमा कराने वाले की मृत्यु पर, इन दानों तिथियों में से जो भी तिथि पहले हो, उस पर दी जाती है। बीमा कराने वाले को प्रीमियम एक निर्धारित अवधि के लिए देना पड़ता है।

ये पॉलिसी लाभ सहित और लाभ रहित हो सकती है।

वार्षिक वृत्ति (Annuities) वार्षिक वृत्ति का अर्थ वार्षिक भुगतान से है। इसके अन्तर्गत बीमा की एक थोक राशि जमा की जाती है और बीमा निगम थोड़ा थोड़ा करके लौटाता रहता है। बीमा निगम को जमा की जानेवाली राशि को वार्षिक वृत्ति या प्रतिफल (Consideration for Annuities granted) कहा जाता है। बीमा कम्पनी द्वारा जो राशि दी जाती है इसे वार्षिक वृत्ति (Annuities) कहते हैं। वार्षिक रेवेन्यू खाता के डेविट पक्ष में और प्रतिफल की राशि को क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है।

## 7.8 जीवन बीमा में अन्तिम खाते तैयार करना

जीवन बीमा व्यवसाय में

- (1) एक रेवेन्यू खाता और
- (2) दूसरा आर्थिक चिट्ठा तैयार किया जाता है।

## 7.8.1 रेवेन्यू खाता :

जीवन बीमा व्यवस्था में सही लाभ का अन्दाज लगाना कठिन होता है, क्योंकि यह ज्ञात नहीं रहता है कि कितना भुगतान करना पड़ेगा। दायित्व की जानकारी मृत्यु पर निर्भर करती है और मृत्यु अनिश्चित है। अत: जीवन बीमा में हमलोग रेवेन्यू खाता बनाते हैं जिससे व्यय पर आय का अधिक्य का या इसके विपरीत का पता चलता है। इस आधिक्य को जीवन बीमा कोष कहते हैं। यह उस वर्ष का लाभ नहीं है।

## रेवेन्यू खाता कैसे तैयार किया जायेगा ?

रेवेन्यू खाता के लिए अधिनियम में फार्म डी (D) स्वीकृत है। इस खाते के मुख्य पद निम्नलिखित हैं क्रेडिट पक्ष :

- जीवन बीमा कोष: यह रेवेन्यू खाता के क्रेडिट में सर्वप्रथम लिखा जाता है। अन्तिम शेप क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है।
- 2. प्रीमियम : सभी प्राप्त प्रीमियम तथा ऐसी प्रीमियम जो उपार्जित हो, गया हो परन्तु प्राप्त न हुआ हो, ऋडिट पक्ष में लिखा जाता है। पुन: बीमा की राशि को घटा दिया जाता है। अगर अग्रिम प्रीमियम हा तो ऐसे नहीं लिखा जायेगा और आर्थिक चिट्टा के दायिल्य पक्ष में लिखा जायेगा।
- 3. वार्षिक वृत्ति का प्रतिफल : वार्षिक वृत्ति के लिए तो प्रतिफल एक गुश्त प्राप्त होता है। उसमें से अगर कोई पुन: बीमा हो तो उसे घटाकर इसे क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है।
- 4. ब्याज, लाशांश तथा किराया : इस मद को लिखते समय यह देखना चाहिए कि जो शीश प्राप्त है, उपार्जित है या वकाया है, सबको लिखना चाहिए। उस वर्ष की रकम होनी चाहिए। अगर बीमा कम्पनी अपने मकान में हो तो एक उचित किराया (Fair rent) लगाना चाहिए, क्योंकि भवन पर व्यय एक विनियोग है।
- 5. अन्य आयः अन्य आयः के अन्तर्गत वे सभी प्राप्तियाँ लिखी जाती है जो निगम को प्राप्त है। जैसे फीस, फाइन इत्यादि।

# (being देवट पंक्ष: A tot notice and of the प्राप्त के किन्निय के प्राप्त करने किन्निय प्राप्त करने किन्निय कि

- 1. दावे की राशि : दाखे की वे सभी राशियाँ उस वर्ष की लिखी जाती हैं जो भुगतान की गयी हैं या देय हो गयी हैं।
- 2. वार्षिक वृत्ति : दूसरा मद वार्षिक वृत्ति का भुगतान लिखा जाता है।
- 3. समर्पित राशि : पॉलिसी का समर्पित मूल्य लिखा जाता है।
- 4. बोनस: बीमा कराने वाले व्यक्ति अपने बोनस को तीन प्रकार से ले सकते हैं
  - (i) नकदी में,
  - (ii) अपने प्रीमियम को कम करने के लिए, या
  - (iii) जीवन बीमा की राशिं के साथ।
- 5. प्रबन्धं के व्यय : बीमा निगम के प्रबन्ध से सम्यन्धित मभी व्यय यहाँ लिखे जाते हैं। रंबेन्यू खाता का एक नमूना संक्षेप में नीचे दिया जाता है

बीमा कम्पनियों के लेखें		airts à	areital a	mile
		of Revenue Account Applicable to		
was the complete and the same the ball of	IN RESPECT OF			
	<del></del>			219
	Business	Business	Total	
	within India	within India	m2.xm	
THE STREET STREET	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	
Claims under Policies (Including provision	th divalua Fire	e fa isselve		
for claims due or intimated) less re-insured	司 中田 医阴 李	८ इति काश्रीहरू	L Design	
By death	a interpretarion	let the the in	OF MAIN	
By maturity  Appuities less re insurances	OF PART 4	g 14- 1551F (B)	जीपह है	
Alliquies less le-ilisulatives				
Surrender (including surrenders of bonus) Less re-insurances		04		
	isinsui airi			
Bonuses in cash less re-insurances Bonuses in reduction of premiums	Hs.	. 291	Liabili	
less re-insurances			Capital	
Expenses of management		e of Contingen	Reserv	
Balance of fund at the end of the year	Account . Account			
as shown in the balance sheet	Inboar	nent Roservo A	investe	
Life Insurance Business	Account	a of Funds and	Balanc	1
FOR THE YEAR ENDING19		urance funcs	ant slu	
BUSINESS PRINTED TO THE TEAM ENDING		uro Slock	Ineded	
been phase ruch incompayed a c		EZONEVOA bil	ransod	3
Unit relation of the Render	Business	Business	Total	
	within India	out of India	Bills Pa	
and Rond Dovident and Rong	Rs.P.	Rs.P.	Rs.P.	
Balance of fund at the beginning of the year		es es situided se	e reute 3	
Premiums less re-insurance		ed hability in re		1
persons or bodic carrying	19000	ding claims wh		
on Insurance Business		olimated at		
Consideration for Annuities granted less	DIE	dun pue onp sa		
Re-Insurances		iding Dividends		6
Interest Devidends and Rents Less Income Tax thereon	rance	carrying on Insi	bodies	01
Registration fees			busines	
Other Income (to be specified)		Creditors	Sunda	11
Less transferred to profit and loss Account	180081	Lyd palwo smu	Other s	SI
Transferred from Appropriation Account		ent liabilities	Conting	

## ं जीवन बीमा व्यवसाय का लाभ ज्ञात करना :

जीवंन बीमा व्यवसाय में लाभ निकालना एक कठिन कार्य है। जीवन थीमा निगम में लाभ प्रत्येक दो वर्ष बाद विशेष मृत्यांकन के द्वारा निकाल। जाता है।

#### 7.8.2 आर्थिक चिट्ठा :

भारतीय जीवन बीमा निगम अपना आर्थिक चिट्टा स्वीकृत फार्म 'A' में तैयार करता है।

- 1. आर्थिक चिट्ठा का अलग कागजात है।
- 2. प्रत्येक आर्थिक चिट्ठा के साथ एक विवरण फार्म 'AA' में लगाया जाता है, जिसमें सम्पतियाँ का बाजार मूल्य ओर पुस्तकीय मृल्य दिखाया जाता है।
  - 3. आर्थिक चिट्टंडा का एक प्रारूप नीचे दिया जाता है

# Form of Balance Sheet Suitable to the Life Insurance Corporation

	Life Insurance Corporation 290/15/19/11-01 220 2				
	Liabilities	Rs.	Assets Rs.		
1.	Capital		1. Loans segretus of et seel		
2.	Reserve of Contingency		2. Investments memograms to seene wall		
	Account .		Balance of fund at the end of the year		
	Investment Reserve Account		as shown in the balance sheet		
3.	Balance of Funds and Account-		3. Agents Balances		
	Life Insurance funds		FOR THE YEAR ENDING		
4.	Debenture Stock		4. Outstanding Premiums a aviaua		
5.	Loans and Advances		5. Investment devidends and		
	in India   out of India		Rents Outstanding		
6.	Bills Payable		6. Interest, Devidend and Rents		
dis			Accuring but not due		
7.	Estimated liability in respect of		7. Amounts due from other		
	outstanding claims whether		persons or bodies carrying		
	due or intimated.		on Insurance Business.		
8.	Annuities due and unpaid		8. Sundry Debtors WinA 101 not isblance		
9.	Outstanding Dividends		9. Bills Receivable		
10.	bodies carrying on Insurance		10. Cash small bis somebive I is sent		
	business		Registration fees		
11.	Sundry Creditors		Other Income (to be specified)		
12.	Other sums owing by Insurer		Less franciered to profit and loss Account		
13.	Contingent liabilities.	1-9	Transferred from Appropriation Account		
-	*	The second second			

कभी कभी रेवेन्य में समायोजन करना पडता है।

Adjustment in Revenue Account for premiums outstandings:

to to the transport of the

Claims A/c Dr.

Bonus utilized in Reduction Premium A/c

(Being the claims intimated admitted)

Premium outstanding Alc Dr

(Being the interest accured)

brid alderevoces amielo entedi?

To Bonus utilized in reduction

Hints: While car

Whether am If it is on in bled blueda

mulatera 10

- Premium outstanding A/c Dr. (1) To premium A/c
  - (Being outstanding Premium brought into A/c)
- Claims covered under Re-insurance-(2) Outstanding Debtors A/c Dr. (a) A omi irlouand muimera gnionalatuo pried) To claims A/c

(Being claims re-coverable under re-insurance received) To Claims outstanding A

- (3) Bonus utilized in reduction of premium
  - Bonus in reduction of premium A/c Dr.

To Premum A/c

(Being Bonus utilized in reduction Premium)

(4) Interest accured or outstanding Accured or outstanding interest A/c Dr.

To Interest A/c

vieget for sonstuani-uR (Being accured or outstanding interest brought into account)

(5) Claims outstanding

Claims A/c Dr. 10 acress 4

To Claims outstanding A/c

(Being adjustment of claims outstanding)

## 7.9 उदाहरण

Problem No. 1.

The Revenue of Account of Life Insurance Company shows the fund at the end of the year 1981 at Rs. 32,26,000, before taking into account the following items.

08,50		Rs.
1.	Bonus utilized in reduction of premium	6,900
2.	Outstanding premium stuffboodxe as at paids	13.500
3 .	Claims intimated but not admitted	42,300
4.	Interest accured on securities	16,500
<b>5.</b> ans	Claims covered under insurance	18,000

Pass the necessary Journal entries to give effect to the commissions and show the fund at the end of year 1981 after making above adjustments.

Solution of Problem No.	1.	name of the state	fred a
annihu	JOURNAL	ENTRIES	eruti Å
GUI II UI		nd o'A priumare too merang	Dr.
Bonus utilised in Reduction Pres	mium A/c	6,900	6,900
To Premium A/c		A HORITAL OF	6 900
(Being the Bonús utilised in Red	luction of Prer	miums) Imp 4 pribristatuo paisti	
Premium outstanding A/c Dr.		13,500	(8)
To Premium A/c	*	Outstanding Debtors Avc Dr.	13,500
(Being outstanding premium bro	ught into A/c)	To claims Ald	
Claims A/c Dr.	ro-insurance	nobnu oldmovoo on en 42,300	
To Claims outstanding A/c		Banus utilized in reduction of pren	42,300
(Being the claims intimated adm	itted)	Bonus in reduction of premium A	
Accured Interest A/c Dr.		16,500	
To Interest A/c		PA MUMBING	16,500
(Being the interest accured)	- Fremium)	(Seing Bonus utilized in reduction	
Outstanding Debtors A/c Dr.		ombnistatio so best a18,000 and	(1)
To claims A/c		Accured or outstanding interest A	18,000
(Being claims recoverable under		To Interest Ave	
Re-insurance not received)	Inpuoted teero	(Being accured or outstanding int	
	ife Insurance	e Fund of A/c	(5)
To claims	42,300	By Balance C/d	32,26,000
	1 2 2 27	By Premium A/c	6,900
To Bonus utilized in reduction	Tensione	By Premium A/c	13,500
of premium	6,900	By Interest A/c	16,500
		Py Claims and 1 old ma	dor9
To Balance C/d	99 94 795	By Claims under	The
amen poliwellore	32,31,700	Re-insurance	18,000
	32,80,900		32,80,000

Hints: While caculating the balance of Life fund, we see-

- (i) Whether amount outstanding is an expenditure or income.
- (ii) If it is an income, it would be added in the fund and if expenditure ability) it should be deducted.

Accordingly, if the Life Fund Account is prepared, then all liabilities (expenses) are debited and all gains (or assets) are credited. The difference will show the fund at the close of the year.

#### PROBLEM NO. 2.

As on December 31, 1983 the Life Fund as per Revenue Account of a Life Insurance Corporation shows a balance of 70,73,000 without taking into consideration the following items—

1.	Outstanding Premium	63,000
2.	Bonus utilized in reduction of	st A/c
	Life Insurance Premium	22,000
3.	Claims covered under Re-insurance	94,000
4.	Claims intimated but not admitted	2,29,000
5.	Interest accured on securities	68.000

You are required to calculate the actual fund available as on Dec. 31, 1983 and also pass necessary journal entries to give effect to the above-mentioned omissions.

#### Solution of Problem No. 2.

### CALCULATION OF LIFE INSURANCE FUND.

tile fund on

	Fine for revival of policies	000,000	pital	o mand Rs.
	Balance of Fund on 31-12-83		secured but	70,73,000
	Before adjustment		vable	eper for
	Less Bonus in reduction-		32,000	
183	Less claims intimated	000.88	2,29,000	2,51,000
	Book low-	77.651	SHIDHDARK Ru	68,22,000
1883	Add outstanding Premium	3.56,674	s less He-insulance	INDIMIENS .
	,, Claims under Re-insurance	4,25,360	63,000	O ENSOL
	,, Interest Accured		. 94,000	UDISIDO
	Commission Interest	888.11	68,000	2,25,000
112	Balance of Fund after adjustment	7 2 0 2 3	soldinumos No	70,47,000
	JOURNA	L ENTRIES	i dud eub	Annulles
1.	Outstanding premium A/c	Dr.	63,000	not paid
	To premium A/c		s received	Premium
	(Being adjustment)	575		63,000
2.		415,000	nent loan	ngolavaC
۷.	Bonus in reduction of ts A/c	eaDr.	22,000	Stamps i
	To Premiums A/c		sibni lo luo u	22,000
	(Being Bonus utilized in reduction of pr	emiums)	y death	Claims bi
3.	Claims outstanding A/c	Dr.	94,000	Lights D
	To claims A/c	005.20.6	יט זו אוטומי	94,000
	(Being claims recoverable)	A02.8	ax on profits	il emooni
-	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,			

4:	Claims A/c	Dr.	2,29,000	MAN
nce	To Claims intimated but not	Life Fund a	on December 31, 1983 the	As
	admitted A/c serience of a protect for			2,29,000
	(Being adjustment of claims intimated)			emeti
5.	Interest accrued: A/c	Dr.	68.000	
2.4	To interest A/c	to n	Bonys utilized in reduction	68,000
	(Being adjustment of interest accrued)		Life Insurance Premium	00,000
	PROBLEMS NO. 3.	insurance	Claims covered under Re	E 144

fish to toplurar rate

The following figure are extracted from the general ledger of the Suchal Assurance Co. Ltd. for the year 1984.

Tale Diff.	<del>(leve br<u>u</u>it l</del>	rutes and essluptes at hemities are	шсҰ
e-mentioned omissions	Rs.	ssary journal entries to give effect	Rs.
Cash in hand	1,900	Railways shares & Debentures	20,42,477
Cash at Bank	9,020	Interest & divided (less tax)	2,23,535
Life Fund on 1-1-84	55,56,148	Municipal securities	8.50,320
Snare capital	1,00,000	Fine for revival of policies	358
interest accured but		10e of Fundion's 1-12-83	SISE -
not receivable	69,613	Foreign Govt. Bond	1,72,760
32,000		Claims announced but	ress
Investment reserve	88,000	not paid betsmith amisis	76,135
Outstanding premiums	77,651	Book loan	50,000
Premiums less Re-insurance	3,56,674	Annuities mulium Premium scrittinna	38,688
Loans on security of policy	4,25,360	Bonus in reduction of premiums	11,156
Consideration for		DenuopA frene	inl .
annuities to be granted	11,338	Commission Interest	
000 8000 8	of the second	and devidends to	Bala
British Govt. securities	5,69,517	Shareholders	9,878
Annuities due but	samina a	Expenses of management	
not paid	427	Interest outstanding on	
Premiums received		investment ava mulme	3,700
in Advance	575	g adjustment)	(Beir
Development loan	4,15,000	o\A et lo noitouber ni a	moß S
Stamps in hand	269	remiums A/c	EI AT
Mortgages out of India Claims by death	3,94,360		
Claims by death  Claims by survivance	3,37,955	g Bonus utilized in reduction of pr	niez)
Mortagage in India	32,226	s outstanding A/c	3. Clain
o ourrenders	37,303	sims A/c	lo oT
Income tax on profits	8,594	g claims recoverable)	
	0,004		

You are required to make out the Revenue Account of the Company for the year 1984 and the Balance Sheet as on 31st December 1984 from the above figures after making adjustments for the following-

- (a) Further Bonus utilised in reduction of Life Insurance Premium Rs. 6,500
- (b) Claims covered under Re-insurance Rs. 27,000

The Suchal Life Assurance Co. Ltd.

Revence Account for the year ending 31st December, 1984

States Ar Replice Common Man. 10.5	Rs.
Claims under policies	i.e. Claims not paid
less Re-insurance at Ivota fel me	Balance of Life Fund
By death value 3,37,955	
By maturity 30,226	Premiums neo Jines
3,70,181	less Re-insurance 3,62,174
Loss Insurance 20,000 2,43,18	Consideration for
Dependings 20 42/497	annuities granted 1.1.388
Annuities 38,688	3 Interest devidend
Surrender including 1 500 mag	Less income tax 2.23 535
Surrender of Bonus 37,303	Revival fees 358
Devidend to	
share-holders to break to be 9,878	3
Bonus in reduction	
of premiums based at 200 17,656	
Commissions DOSA OL 1 BO 11,417	
Management expenses 40,070	보기 교회에 가지하게 선명을 잃었는데 되었다면 하면 하는데 하다고 하는데
Income tax 8,592	59.6
Balance of Life Fund	(७.10 सार्वाष्ट्र
transferred to the transferred to	
Balance sheet 56,46,766	तथा आधिक जदहा अतिष खाते के रूप में तेया
61,53,553	

# The Suchal Life Assurance Co. Ltd. Balance Sheet as on 31st December, 1984

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Share capital	1,00,000	Loans on Mortage in India	9,02.056
Life Fund	56,46,766	Loans on Mortage out	
Investment Reserve	88,000	of India	3.94,360
Outstanding claims		Loans on politics	4.25,517
i.e. Claims not paid	76,135	Investments and address	Giaire
Annuities due not	18	British Govt. Security	5,69,517
Paid	427	Foreign Govt. Security	1,72,760
Bank loan	50,000	Municipal Securities	8,50,320
Premium received	eol les	Development loans	4,15,000
in advances	575	Railways shares &	
882 Lt baining additions		Debentures	20,42,477
tinebiveb teen	unt 888.8	Outstanding premium	77,651
Less income tax its 223 635		Amount due from other	onu2
ere 1	69 E00	Insurance Companies	
		i.e.Re-insurance claims	27,000
	878	Interest dividend outstanding	3,700
		Interest accuring but not due	
	1   acar	Stamps in hand	269
	ATT		1,900
	avo h	Cash in Bank anographisms	
	59,61,903		59,61,903

## 7.10 सारांश

बीमा कम्पनी के-अन्तर्गत मुख्य रूप से रेवेन्यू खाता, लाभ हानि खाता, लाभ हानि नियोजन खाता तथा आर्थिक चिट्ठा अन्तिम खाते के रूप में तैयार किया जाता है चाहे सामान्य बीमा कम्पनी का मामला हो या जीवन बीमा कम्पनी का।

## 7.11 अभ्यास हेतु प्रश्न

1. From the following particulars you are Required to prepare five revenue Account, for the year ending 31st Dec. 1986.

2,60,000	Rs.	posits with Resettor Bank	Rs.
Claims paid	4,80,000	Commission 6 40018 old6194	2,00,000
3,70,000		• 392m	919
Claims outstanding on 1.1.86		40,000 Commission on	60
000,08		Re-insurance ceded	10,000
900.08		Commission on Re-	. 9
Claims intimated but	unisa ed oi	insurance accepted	5,000
accepted on 31.12.83	10,000	75,000 to be alludated for addit	and Rs.
mber 1990, in proper form.	d 31st Dece	Management Expenses	3,05,000
Claims intimated and accepted	FIR RECE	Provision for unexpired risk	
But not paid on 31.12.86	60,000	on 1.1.86	4,00,000
The second of the second secon	26	Add. Prov. for unexpired risk	20,000
Premium Received	1,20.000	* in its	
		Bonus in Reduction of	
Re-insurance Premium	1,20,000	Premiums The Design of	1,20,000

You are required to provide for additional Reserve for unexpired risks at 1% of the flet Premium in addition to the opening balance.

2. The Indian Marine Insurance Co. Ltd. does only Marine Insurance business. The following are the balances in the books as on 31st December, 1990.

961 1819 190meoad do se namin'i Merone ismini asharen aun pere	Rs.	
Marine Insurance Fund on 1 10 of faithful the partition of the partition o	4,80,000	
Premium less reinsurance (1991F) 155161 (1991F) (1991F	16,00,000	
Interest, Dividend and Rent less Income Tax	14,000	
Claims	11,00,000	
Commission The state of the state of	84,000	
Expenses of Management (IPIVITE FIRE SEE), ethor bround	00 025,000	
Share Capital (10,000 shares)	1,00,000	

	FER DE HILLER RS.
Outstanding claims	1,40,000
Government Securities	2,00,000 and 2,00,000
Deposits with Reserve Bank	2,00,000
Marketable stock and Shares	1,80,000
Premises	3,70,000
Cash in hand disammod 000.04	38 / I no polibosiative at 15,000
Cash at Bank space an sauem-oH	80,000
P and L. A/c (Dv.)	80,000

The Reserve for unexpired risks is to be calculated at 00% of net premium each year and Rs. 75,000 to be allocated for additional reserve as on 31.12.90 prepare Revenue Account and Profit and Loss A/c year ended 31st December 1990; in proper form.

- 3. आप सामान्य बीमा से क्या समझते हैं? इस सम्बन्ध के लेखांकन सम्बन्धी लेखों के लिए क्या व्यवस्था है?
- ा. रवन्यू खाता और लाभे हानि खाता में तुलना कीजिए। बीमा कम्पनी के अनुसार स्वीकृत प्रारूप का नम्ना दीजिए।
  - 5. निम्नलिखित पर मॉक्षप्त मोट लिखिए
    - (1) असमाप्त जांखिम,
    - fob are required to provide for additional Reserve for un (2) सिक्योरिटी मार्जिन,
    - (3) दुर्घटना बीमा। Marine Marine Co Ltd does only Marine Marine (3)
- 6. Prepare Revenue Account and Balance sheet from the following Balance in the books of the new Allahabad Life Insurance Mutual Society Limited as on December 31st 1984.

Fremum in addition to the opening balance.

(न्यू इलालाहाबाद, जीवन बीमा म्यूअल सोसाइटी लिमिटेड की निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर 31 दिसम्बर,1984 के लिए रेवेन्यू खाता और चिट्ठा बनाइए।)

Income Tax	aR Interest. Dividend and Rent IIs
Life Insurance fund at January 1st, 1984	Claims
(। जनवरी, 1948 को जीवन बीमा फण्ड)	000,08,1
Leasehold Ground Rents (रेहन जमीन किराया)	memographical to sealing 300
Surrenders (समर्पण)	Share Capital 110 000 shares) 001,2

Post charges (France and)	na feetic consisti wald at -no 1,180
Rent charges (किराया चार्ज)	re of the Active Life Insurance Company.
Annuities (ৰাৰ্ষিকী)	ान नेलायन बलपट स एविटल जीवन बीद
Indian Government Securities	Trial Balance, Year En
(भारत सरकार का प्रातभूतिया)	15,000
Interest and dividends received	
(ब्याज और लाभाश पाया)	(April 16 ) - 2 (6,500)
Loans on Company's policy	Interest and Dividends ( with the city
(कम्पनी पॉलिसी का कर्ज)	(14,000 to 34 to 12 to 12 to 14,000
Cash at Bank (बैंक में नकद)	5.bol midfly vitagers no september 2,250
Mortgages on property (सम्पत्ति का रेहन)	40,000
Debts due by the Company	Policips Surrendered (गालिसी का विमा
(कम्पनी द्वारा बकाया कर्ज)	06 thages on Life Interests and
Interest due not received	Reservions (जीवनराहत का मध्
(बकाया ब्याज प्राप्त नहीं हुआ)	(Arang 2,850)
Building (भवन)	beasdorug segrand 300
Mortgages on Rates (रेट्स पर बन्धक)	60,000
Expenses of management (प्रबन्ध के व्यय)	( is no lister at ), teenahil phibridge ( 1,850
Bonuses of Policy-holders	Expenses of Management
(पॉलिसी होल्डर को बोनस)	(10) pround (10)
Consideration for annuities granted	Funds at the Beginning of the year
(स्वीकृति वार्षिकी के लिए प्रतिफल)	(क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक 700
Claims admitted but not yet paid	Creditors (Array)
(दावं स्वीकृत हुए पर भुगतान नहीं हुआ)	Benuses in Reduction of Premium.
400,00	(виль й ызи инд725
Claims paid (दावे का भुगतान)	(和) (表 TP 牙) 2018日 no 2 <b>44,000</b>
Commission (कमीशन)	(Fig. 12 Fig. 1) (Hear) (Fig. 12 (Fig.
Railway Debentures (रेलवे ऋणपत्र)	57,500
Premiums (प्रीमियम)	23,000
Reserve fund (रिजर्व फण्ड)	F000, Ty Debendures ((told seving))
Outstanding Premiums (बकाया प्रीमियम)	2,800

Question- 1. Draw Balance Sheet and Revenue Account for the following Trial Balance of the Active Life Insurance Company.

(निम्नलिखित तलपट से एक्टिव जीवन बीमा का रेवन्यू खाता आर्थिक चिट्ठा तैयार करें)

## Trial Balance, Year Ending December, 31, 1976

600 21	BUSINESS TO	RESIDE FORTH L
bevi	Dr.	Cr.
Primiums (प्रीमियम)	Rs.	1,50,000
Interest and Dividends (ब्याज एवं लाभांश)	oilog a'vnagn	75,000
Cash at Bankers (बेंकर के पास नकद)	10,000	effo face i
Claims (दावा)	1,05,000	
Mortgages on Property within India	with Hall	Cash at Bank
(भारत की सम्पत्ति पर रेहन)	3,00,000	Mortgages e
Policies Surrendered (पॉलिसी का समर्पण)	7,000	Debts due by
Mortgages on Life Interests and	Chine nation	ma firme )
Resersions (जीवनरहित का बंध)	70,000	Interestidue
Outstanding premiums		
(वकाया प्रीमियम)	4,000	1130 (1314)
Rent Charges purchased	(月)	F ) paibliu8
(क्रय किराया चार्ज)	30,000	Mortgages o
Outstanding Interest (अकाया चार्ज)	20,000	Expenses of
Expenses of Management	sheplad inila	Bonuses of F
(प्रशासकीय खर्चे)	10,000	
Claims outstanding (बकाया दावे)	HATELED TOP E	5,000
	r for annuities	Consideration
(वर्ष के शुरू का फण्ड)	प्रशासिक कि	10,00,000
Creditors (महाजन)	ey ton tud be	1,500
Benuses in Reduction of Premium	SISTURE TOTAL TO	Edulation
(प्रााययम् घटान म बानस)	70,000	118 11 12 17
Mortages on Rates (दर पर बन्धक)	4,15,500	Claims paid
House Property (मकान सम्पत्ति)	10,000	Commission
Loans on policies (पॉलिसी पर कर्ज)	1,20,000	Railway Debi
Government securities	ग्रीमयम्)	Premiums (
(सरकारी प्रतिभृतियाँ)	40,000	Reserve fund
Railway Debentures (रैलवे ऋणपत्र)	20,000	0110101101101
 अस्य प्राप्ययम्)	12,31,500	12,31,500

## 7.12 पठनीय पुस्तकें

।. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल

2. एडवांस्ड एकाउन्टेन्सी डॉ॰ एस॰ के॰ सिंह

एडवांस्ड लेखांकन , शुक्ला एवं श्रीनिवास

एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी एस० एन० महेश्वरी

THE A POINT TEN

5. एडवांस्ड एकाउन्टेन्सी Vol-II शुक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं गुप्ता

तेहती लेखा प्रणाली तथा गुड़ि

दोहरी लेजा प्रणाली की विशेषकाएँ

दोहरी लेखा प्रणानी के हालियां

पूजीयत काब और आकात छाव में अन्तर

एक सम्पन्ति को एनः स्थापिन करने वर लेखा विधि

. 8.9 । जनेल प्रतिकिटवा

8.11 स्वरंभ =

ह १२ अन्यास हेत प्रध्न

8.13 पठनीय पुस्तकों

अराजा के विचार प्रणासी से आश्रय

इस गट का गुंड्य उद्देश्य छात्रों को होहरा खाता प्रणाली जो मुख्य रूप से रेलवे कमानी, पैस कामची

वाल कम्मणी अधन आता समार के ती के ती हैं। अस्माती है इसके बारे में विस्तृत जामकारी देश हैं।

हमलाग जानत है कि लोखाशास्त्र हर्षण्यों एवं व्यवदारिक विषय है। इसके कार्य एवं व्यवदार

परिस्थितिया और उपक्रमों के अनुसार जनमं जाते हैं। दीहरी खाता प्रणात्नी का चिकास इम्लेण्ड की

ं उपयोगी निशाल संस्थाओं से हुआ है।

इबल एकाउण सिस्टम मा तीहरी खाला प्रणाली (Double accounts system) उस नरीको को

कहत है जिसक सन्दर बड़ी कही सार्वजनिक उपयोगिता को मंग्याओं के अंतिम होखे इस तरह बनाये जाते हैं कि स्थार्ग सम्बन्धि पर किए गये खने तथा प्राप्त की गया पैता एक अंतम खाते में दिखायी जातो

FREIBLE SAINEU

ILIOV PRESIDENT STIES

# दोहरा खाता प्रणाली

#### पाठ-संरचना

- 8.0 उद्देश्य
- 8.1 परिचय
- 8.2 दोहरी लेखा प्रणाली से आशय
- 8.3 दोहरी लेखा प्रणाली के उद्देश्य
- 8.4 दोहरी लेखा प्रणाली तथा एकहरी लेखा प्रणाली के अन्तर
- 8.5 दोहरी लेखा प्रणाली की विशेषताएँ
- 8.6 दोहरी लेखा प्रणाली के लाभ
- 8.7 दोहरी लेखा प्रणाली के हानियाँ
- 8.8 पूंजीगत व्यय और आयगत व्यय में अन्तर
- 8.9 एक सम्पत्ति को पुनः स्थापित करने पर लेखा विधि 8.9.1 जर्नल प्रविष्टियाँ
- 8.10 उदाहरण
- 8,11 सारांश
- 8.12 अभ्यास हेतू प्रश्न
- 8.13 पठनीय पुस्तकें

#### 8.0 उद्देश्य

इस पाट का मुख्य उद्देश्य छात्रों को दोहरा खाता प्रणाली जो मुख्य रूप से रेलवे कम्पनी, गैस कम्पनी, जल कम्पनी अपने अन्तिम खाता तैयार करने के लिये अपनाती है इसके बारे में विस्तृत जानकारी देना है।

#### 8.1 परिचय

हमलांग जानते हैं कि लेखाशास्त्र उद्देश्यपूर्ण एवं व्यवहारिक विषय है। इसके कार्य एवं व्यवहार परिस्थितियों और उपक्रमों के अनुसार बनाये जाते हैं। दोहरी खाता प्रणाली का विकास इंगलैण्ड की जन उपयोगी विशाल संस्थाओं से हुआ है।

## 8.2 दोहरी लेखा प्रणाली से आशय

डबल एकाउण्ट सिस्टम या दोहरी खाता प्रणाली (Double accounts system) उस तरीके को कहते हैं जिसके अन्दर बड़ी बड़ी सार्वजिनक उपयोगिता की संस्थाओं के अंतिम लेखे इस तरह बनाये जाते हैं कि स्थायी सम्पत्तियों पर किए गये खर्चे तथा प्राप्त की गयी पूँजी एक अलग खाते में दिखायी जाती

है जिसे पूँजी खाता कहते हैं तथा अन्य सभी सम्पत्तियाँ और दायित्व एक विवरण पत्र में दिखाया जाता है जिसे साधारण चिट्ठा कहते हैं। इसके अन्दर एक चिट्ठे की जगह पर पूँजी खाता तथा एक साधारण चिट्ठा बनाया जाता है। यह नियम प्राय: रेलवे, बिजली, जहाज कम्पनी, गैस कम्पनी इत्यादि में लागू होता है। इन कम्पनियों का निर्माण संसद के विशेष अधिनियम से होता है और उसी अधिनियम में सभी फार्म के प्रारूप भी रहते हैं।

सर्वप्रथम यह नियम इंगलैण्ड में 1868 में रेलवे कम्पनी में लागू हुआ। आगे चलकर यह नियम गैस कम्पनी में 1871 में तथा 1882 में बिजली कम्पनियों में अनिवार्य बनाया गया।

भारत में किसी भी संस्था द्वारा इसे अपनाना अनिवार्य नहीं बनाया गया है। अगर कोई सार्वजनिक उपयोगिता की संस्था इस प्रणाली को अपनाना चाहती है तो इसके लिए सरकार की ओर से कोई रुकावट या अवरोध नहीं है।

भारतीय रेलवं अधिनियम 1890 में इस तरह का प्रावधान है तथा प्राय: खाते इस प्रणाली के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

सार्वजनिक उपयोगिता की कम्पनी में बड़ी मात्रा में सार्वजनिक पूँजी लगती है जो स्थायी स्वभाव की होती है। प्राय: ऐसी कम्पनी सरकार के नियंत्रण में होती है और सरकार जनता को संसद के माध्यम से हिसाब देती है। इसलिए इन संस्थाओं को विशेष हिसाब पूँजी के सम्बन्ध में रखना पड़ता है। इन्हें यह बताना पड़ता है कि पूँजी कहाँ कहाँ से आयी और कहाँ लगी है। इसलिए इन संस्थाओं में आर्थिक चिट्ठा को दो भाग में बाँट दिया जाता है। स्थायी सम्पत्ति और दायित्व को पूँजी खाता में तथा चालू सम्पत्ति और वायित्व को आर्थिक चिट्ठा में दिखाया जाता है। इसलिए इस प्रणाली को दोहरी खाता प्रणाली कहते हैं।

## 8.3 दोहरी लेखा प्रणाली के उद्देश्य

इस प्रणाली के दो मुख्य उद्देश्य हैं

- । स्थायी सम्पतियों और पूँजी के अनुपात को दिखाना।
- 2. रेवंन्यू सं स्थायी सम्पत्तियों को बनाये रखना।

# 8.4 दोहरी लेखा प्रणाली और एकहरी लेखा प्रणाली में अन्तर

दोहरी लेखा प्रणाली और उचल इन्टरी सिस्टम को एक समान समझना भूल है। डबल इन्टरी सिस्टम का प्रयोग उवल एकाउण्ट सिस्टम तलपट बनाने तक एक समान ही किया जाता है। अन्तर केवल अन्तिम खाता बनाते समय होता है। साधारणत: अन्तिम खाता में व्यवहार खाता, लाभ हानि खाता ओर लाभ हानि समयोजन खाता तथा एक आर्थिक चिट्ठा बनाया जाता है। किन्तु डंबल एकाण्ट सिस्टम में (1) रेवेन्यू खाता, (2) शुद्ध रेवेन्यू खाता, (3) पूँजी खाता तथा (4) चिट्ठा बनाया जाता है।

जब किसी संस्था में एक ही आर्थिक चिट्ठा तैयार किया जाता है तो उसे सिंगल एकाउण्ट सिस्टम कहते हैं।

सिंगल एकाउण्ट सिस्टम में एक चिट्ठा तैयार किया जाता है, जिसमें दायित्व पूँजी और स्थायी तथा चालू सम्पत्ति एक साथ दिखायी जाती है। किन्तु डबल एकाउण्ट सिस्टम में आर्थिक चिट्ठा दो भाग में खंडित कर दिया जाता है। एक भाड़ा पूँजी प्राप्ति और व्यय खाता बनाया जाता है।

जिसमें सभी स्थायी दायित्व अर्थात् पूँजी प्राप्ति और व्यय को दिखाया जाता है।

डबल एकाउण्ट सिस्टम में सभी स्थायी सम्पत्ति क्रय मूल्य पर दिखायी जाती है। हास खाता और हास विनियोग खाता को आर्थिक विट्ठा में लिखा जाता है।

## 8.5 डबल एकाउण्ट सिस्टम की विशेषताएँ

दोहरी खाता प्रणाली की 10 निम्नलिखित विशेषताएँ हैं

- (1) अन्तिम खाते निम्नलिखित चार भाग में तैयार किये जाते हैं
  - (i) रेवेन्यू खाता,
  - (ii) शुद्ध रेवेन्य खाता,
  - (iii) पूँजी खाता, प्राप्त के नाम प्राप्त करने पर मा अस्त्र मा किस्ता मा किस्ता मा किस्ता मा किस्ता मा किस्ता मा
  - (iv) चिट्ठा।
- (2) स्थायी दायित्व और स्थायी सम्पत्ति को पूँजी खाते में दिखाया जाता है।
- (3) चालू सम्पत्ति और चालू दायित्व को आर्थिक चिट्ठा में दिखाया जाता है।
- (4) लाभ हानि खाता और लाभ हानि समायोजन खाता के बदले में रेवेन्यू तथा नेट रेवेन्यू खाता तैयार किया जाता है।
- (5) हास की रकम सम्पत्ति से कम नहीं की जाती है। एक हास कोष खाता खोला जाता है और हास की रकम को विनियोजित किया जाता है जिसे हास कोष विनियोजन खाता कहते हैं। ये दोनों खातों सामान्य आर्थिक चिट्टा में दिखाये जाते हैं।

n vise franco rede frais 4.8

- (6) पूँजी खाते में किसी सम्पत्ति का समायाजन नहीं किया जाता है।
- (7) सभी प्रकार के कोष सामान्य चिट्ठा के दायित्व में दिखाया जाता है।
- (8) डिसकाउण्ट और प्रीमियम स्थायी पूँजी के रूप में दिखाया जाता है।
- (9) ऋण पूँजी अंश और स्टॉक पूँजी माने जाते हैं और
- (10) ऋण तथा ऋण पत्रों परं ज्याज नेट रेवेन्यू में से लिखा जाता है।

# 8.6 डबल एकाउण्ट सिस्टम के लाभ

इस प्रणाली से निम्नलिखित लाभ प्राप्त होते हैं

- 1. पूँजी मालूम होना।
- 2. स्थायी सम्पत्तियों पर का खर्च जानना।
- 3. स्थायी प्राप्तियों एवं खर्चों का स्पष्ट ज्ञान होना।
- 4. पूँजी खाता बनाने में सुविधा होती है।
- 5. चल सम्पत्तियों एवं दायित्वों की तुलना सरल है।

## 8.7 डबल एकाउण्ट सिस्टम की हानियाँ

इस प्रणाली के निम्नलिखित दोष हैं

- 1. स्थायी सम्पत्तियों को लागत पर ही दिलाना।
- 2. अवास्तविक सम्पत्तियों को दिखाना।
- 3. रेवेन्यू पर असमान बोझ।
- 4. यह प्रणाली जटिल है।

स्थायी सम्पत्तियों का बढ़ाना तथा पुनः स्थापित करना : हमलोग रेलवे और विजली करणनी के विषय में अलग से पढ़ेंगे। यहाँ प्रारम्भ में यह बताना आवश्यक है कि पूँजी व्यय और रेवेन्यू व्यय में क्या अंतर है।

(a) For the amount spent on purchase of a

(b) . For the sale of old materials/machines:

(अब प्राथित क्रम की गया पन

(Being the amount spent)

to cash/Bank A/c

THITTE INTER THEFT

# 8.8 पूँजी और रेवेन्यू

पूँजीगत व्यय वह है जिसका लाभ संस्था का कई वर्षों तक होता है। इसके अन्तर्गत वे व्यय आते हैं जो स्थायी सम्पत्ति को खरीदने, या उसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

For the allocation of amount between revenue and

रेवेन्यू व्यय वे हैं जिसका लाभ संस्थान को उसी वर्ष में प्राप्त होता है जिस वर्ष का खाता तैयार किया जाता है। रेवेन्यू व्यय से उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ती है।

# 8.9 एक सम्पत्ति को पुनः स्थापित करने पर लेखा विधि

साधारणत: जब किसी सम्पत्ति की पुन: स्थापना की जाती है तो सम्पत्ति खाते की डेविट बाकी को अपलिखित कर दिया जाता है और इसे आय व्यय माना जाता है। नयी सम्पत्ति पर जो राशि व्यय की जाती है उसे पूँजी व्यय माना जाता है और इस राशि से सम्पत्ति खाता डेबिट कर दिया जाता है।

किन्तु दोहरी खाता प्रणाली में

- (1) जिस सम्पत्ति का की पुन: स्थापना किया जाता है, उसके पुन: स्थापन पर जो राशि इस समय व्यय की जाती है, उसे आयगत व्यय माना जाता है और उसे अपलिखित कर लिया जाता है।
- (2) जो व्यय प्रतिस्थापन व्यय से अधिक होता है, उसे पूँजी व्यय माना जाता है।
- (3) सम्पति खाते में पुरानी ऐतिहासिक लागत तो बनी रहती है, साथ ही नये पूँजीगत व्यय का उस खाते में डेविट कर दिया जाता है।

सम्पत्ति के प्रतिस्थापन करने के वर्तमान मूल्य के बराबर की राशि आय व्यय मानी जाना चाहिए। कुछ व्यय में से इस राशि को घटाने के बाद जो राशि बचती है, उसे पूँजी व्यय माना जाना चाहिए।

- (4) जब कोई पुराना माल सम्पत्ति के नये निर्माण में प्रयोग किया जाता है. तो इसे आय व्यय खाते में क्रेडिट किया जाना चाहिए।
- (5) जब सम्पत्ति का कोई शेष माल बेचा जाता है, तो प्रतिस्थापन खाता क्रेडिट किया जाता है। इस सम्बन्ध में निर्मन प्रकार जर्नल तैयार किया जाता है

#### 8.9.1 JOURNAL ENTRIES :

(a) For the amount spent on purchase of a new asset.

(जब सम्पत्ति क्रय की गयी पुन: स्थापित करने के लिए)

Replacement A/c Dr.

to cash/Bank A/c

(Being the amount spent)

TRAITE OF PSHE SUE/AND MAS

किन्त दोहरी खाता प्रणाली में

- (b) For the sale of old materials/machines.

  cash/Bank A/c Dr.

  To Replacement A/c

  (Being the amount of sale of materials
- (c) For the allocation of amount between revenue and capital
  Revenue A/c Dr.
  Capital A.c Dr.
  To Replacement A/c
  (Being the revenue and capital charges)
- (d) For the value of old materials used in the construction.

  work/Asset A/c Dr.

  To Replacement A/c

  (Being the amount of materials used)

## 8.10 उदाहरण

# (1) जिस सम्पति का की पुन: स्थापना किया जाता है, उसके पुन: स्थापनी किया जाता है, उसके पुन: स्थापनी

- (a) The original cost of a powerhouse was Rs. 5,00,000 which is to be replaced by a new one. The cost of a new one is Rs. 15,00,000. But the estimated cost of original one (same size) is Rs. 8,00,000. Ascertain the amount to be charged to Revenue and capital.
- (b) What amount should be charged to Revenue and capital if material is used for Rs. 15,000 and sale proceeds of the old materials are Rs. 10,000? Should three be any difference in capital charge between the sale and re-use of old materials.

Show also the necessary ledger accounts.

(अ) एकं बिजली घर की पुस्तकीय लागत 5,00,000 रु० है जिसे पुन: स्थापित करना है। नये घर की लागत 15,000 रु० है। किन्तु पुराने घर की अनुमानित लागत (उसी आधार का) 8,00,900 हैं। आप निश्चित कीजिए कि कितनी रकम रेवेन्यु और पूँजी में दिखायी जायेगी?

(ब) रंवन्यू में कौन सी रकम लिखी जाय, अगर 15,000 रु॰ की पुरानी सामग्री का पुन: प्रयोग किया गया और 10,000 रु॰ की सामग्री बेची गयी? क्या पूँजी खाता पर कोई प्रभाव पड़ेगा? इनका आवश्यक खाता भी बनावें।

#### Solution of Example-1.

(i) Revenue charges Estimated cost of replacement of the Original Power house Rs. 8,00,000

Capital charges (ii)

Total cost of the construction of a new one is	15,00,000
Less : estimated cost of replacement	8,00,000
Capital charge	7,00,000
SIBILIDIO IO	Rs. 8,00,000

(b) (i) Revenue charge Estimated cost of Replacement Less: cost of re-used materials Sales proceeds old materials

15,000 10,000 25,000

ength of the old main at a cost of Rs. 60 000. The Net Revenue charge 7,75,000

Capital charge to be calculated as under the calculate (ii) Total cost of new construction-Less: estimated cost of replacement of old one

Example No. -2

Add. Amount of old materials

Re

8,00,000 परान पन का गाउ वा भाग लाजा 15,000 है पर डाला। इसने शेष मेन को 60,000 है

## ति: स्थापित किया। इप. बीच अस और धामक्री का अध्य में 20 प्रतिशत की विद्वि हो गयी। Ledger of Example No. -1. The first first of the latest three first firs

## THE PART THE PART WELL SHOW IN the work of THE PART THE PART TO BE THE WORK OF THE PART THE P **Power House Account**

Cr. Solution of Example No. 2 Dr. .sR apital change to be calculated as under Rs. By Balance State Market Control of the National Contro 5,00;000 To Balance U/d 12,00,000 C/d materials used To Bank A/c 6,85,000 Cost of Replacement of old main

(7.00,000 - 15,000)

arri

दाहरा खाता प्रणाला	The state of the s	AND DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE PROPERT	11-15-11-12-11-20
To Replacement	ाष्ट्र कि ०७ १०० है।	या म क्रांस की रक्षम लिखी जाय. आपर	
A/c	15,000	IC 10,000 हरू की सामग्री बची प्रयो	हर्या गहा अ
(Old materials used)		मा भी बनावें।	गावश्यक खात
	12,00,000	on of Example-1.	1,00,000
To Balance U/d	12,00,000	Revenue charges	
se Rs. 8,00,000	Replaceme	ent Account obligat lo 1800 balamile.	
Dr.	14 24	Sanital charges	Cr
Rs.	Rs.		Rs.
To Bank A/c cost	8,00,000	By power House A/c (old	15,000
of replacement		materials used)	
7.00,000		By bank A/c (sale	10,000
000,00,8 eFl		of old materials	
DOU, DOU, DIEN		By Revenue A/c	7,75,000
	8,00,000	ii Revenue charge	8,00,000

#### Example No. -2.

An electricity company laid down a main at a cost of Rs. 50,000 some year later the company laid down an auxilliary main for 8/5th of the length of the old main at a cost of Rs. 15,000. It also replaced the cost of the length of the old main at a cost of Rs. 60,000. The cost of materials and labour has gone up by 20% sale of old materials realised Rs. 800 only. Old materials valued at Rs. 1,000 were used in renewal and those valued at Rs. 500 were also used in the construction of the auxiliary main. Givew the Entries and show the calculation.

एक बिजली कम्पनी ने एक मेन 50,000 रु० की लागत पर बनाया। कुछ समय बाद कम्पनी ने एक सहायक मेन पुराने मेन का 1/5 वाँ भाग लम्बा 15,000 रु० पर डाला। इसने शेष मेन को 60,000 रु० की लागत से पुन: स्थापित किया। इस बीच श्रम और सामग्री के पृत्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि हो गयी। पुरानी सामग्री बेचने से 900 रु० प्राप्त हुआ। 1,000 रु० की सामग्री का प्रयोग पुन: स्थापना पर किया गया तथा 500 रु० का प्रयोग सहायक मेन पर किया गया। इसका प्रविष्ट दीजिए तथा पूँजी और रेवेन्यू का हिसाब दिखलावें।

#### Solution of Example No. 2

Capital change to be calculated as under	. Ps	
Extention cost of auxiliary main	000 00 a Rs. 15,000	To Balance U/d
Add amount of old		
materials uşed	500	15,500
Cost of Replacement of old main	60,000	
Add. Amount of old materials	1,000	7,00,000-15,000)
The state of the s	61,000	

Less : Estir	mated current cost of protion		Revonue A/c
replacemen	nt in original position	0\	To Replacement a
Original cos	$st = 50,000 \times 4/5$	40,000	(Being net Current
Add 20% in	ocrease	8,000	of replacement ita
		28,000	000,13,000
Revenue ch	harge	Railway station is to be rel	28,500
Estimated of	current cost of Replacement	48,000	The original cost w
Less : amo	unt of old materials used	inds. In addition material	
- in newal	ealised from the sale of scap I	000,fls 50,000 were r	the original station
- in auxiliar	ry lineso at beginned of income	the show the show the	1500 lo 1500 lo
	ग किया जाना है जिसक लिए २५	लंबे स्टेशन का प्रतः विमा	46,500
Less : sale	proceeds of old materials	ही प्रसामान्त 7,20,000 रु	अस्ति के विकास
	अतिरिक्त २४,000 ६० तक के मृत्य		

किराध्य काम उन्हीं

Note: It has been assumed that the costs which are given in problem are cash cost that is it, does not include cost of old used material.

Main A/c Replacement A/c To Bank A/c  Dr. Rs. Rs. 27,000 48,000
Replacement A/c Dr. 27,000 27,000
To Ponk A/a
Actual expenditure (000,000 ± 000,000 ± 000,001)
(Being cash spent on the
mains amounting to Capital expenditure
Rs. 75,000 including
Rs. 48,000 for current cost (000.37 + 000.08) - 000.00 (45)
Replacement)
Main A/c Dr. 1,500
To Replacement A/c  1,500
(Old materials used in
Bank A/c Bank A/c
also unconstruction) also unconstruction)
Bank A/c Dr. 800 90010 9122 011931
To Replacement A/c 800
of old materials)

1			•
दोहरा	खाता	प्रण	ाला

Revenue A/c	Less Estima 007,24 ent cost of
To Replacement a/c	norizog lacieno ni tremesal 45,700
(Being net Current cost	Original cost - 50 000 x 4/5
of replacement transferred)	Add 20% increase

#### Example No. 3

Ahmedabad Railway station is to be rebuilt and required a cash outlay of Rs. 29,00.000. The original cost was Rs. 6,50,500 and it is estimated that the station would cost Rs. 24,00,000 to replace as it stands. In addition materials to the value of Rs. 75,000 were taken up from the original station and Rs. 50,000 were realised from the sale of scap. Pass necessary journal entries for the above and show the amount to be charged to capital and to Revenue.

अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का पुन: निर्माण किया जाना है जिसके लिए 29,00,000 हुँ की आवश्यकता है। इसकी प्रारम्भिक 7,20,000 हुँ थी और यह अनुमान लगाया गया कि विद्यमान स्टेशन का बदलन की लागत 24,00,000 हुँ है। इसके अतिरिक्त 75,000 हुँ तक के मूल्य की सामग्री पुरान स्टेशन से प्राप्त हो गयी और 30,000 हुँ लेकर सामग्री से प्राप्त हुए।

उपर्युक्त व्यवहारों के लिए जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए एवं यह भी दिखलाइए कि कितनी राशि पूँजी मानी जाय एवं कितनी राशि आगम मानी जाय।

#### Solution of example No. 3

Calculation of capital expenditure

48,000	Rs.Inc
Actual expenditure	29,00.000
Less : Cost of Replacement	ent no 24,00,000 g
Capital expenditure	5,00,000
Revenue expenditure	5,000 including
(24,00,000 - (50,000 + 75,000)	8,000 for current cost
= 22,75,000 Revenue expenditure	icement)
	The state of the s

#### **Journal Entries**

008.1	Dr.	Rs. Rs.
Bank A/c	Dr.	50,000 pris mism visitivis
To Replacement A/c		(notourlano 50,000s
(Being sale proceeds)	10	Bank A/c
Neworks A/c	Dr.	75.000 A memersleeff of
To Replacement A/c		(2515175,000

(Being value of old

materials used)

Replacement A/c

New work A/c

To Bank

24,00,000 Dr.

कि विकार सह रहे कि विकार कार्क

डबंल एकाउण्ट सिस्टमः के गण और होव का नर्गन

4,25,000

पंजाधत क्यूब आंग

28,25,000

(Being amount spent)

## 8.11 सारांश

दोहरा खाता प्रणाली के अन्तर्गत पूँजी खाता, सामान्य चिट्ठा, रेवेन्यू खाता तथा शुद्ध रेवेन्यू खाता तैयार की जाती है।

# 8.12 अभ्यास हेतु प्रश्न

- 1. What is Double Account system? Explain the main features of the system.
- Explain the advantages and deadvantages of Double Account system. मशीन दारा बहलने का निश्चय किया। परानी मशीन 20.000
- Distinguish between Double account system and Single Account system. हागा और पुरानी पशीन के विक्रय से 10,000 हु। आप्त होंग
- Write short notes on-4.
- A compnay wants to create a Repairs and Renewal Reserve account 5. by transferring Rs. 1,000 every year from Revenue account. Following are the amount of replairs and renewals during the period of second and third years. (i) Rs. 375 and Rs. 450. Pass the necessary entries and open Repairs account and Repairs and Renewals Reserve account.
- Hints: We will open a Repairs and Renewals reserve account. This A/c will be created by the fixed amount and Debited by the actual amount of Repair of the particular a year. The Balance will be shown in the liability side of B/s. The specific trails
  - The directors of Bihar Electric Ltd. decided to replace this existing ma-6. chinery by one with double capacity and power. The old machinery was obtained at a cost of Rs. 90,000 and the old machinery would realise Rs. 10,000.

You are require to allocate cost of Rs. 90,000 between capital and Revenue and give entries.

- ।. दोहरी खाता प्रणाली क्या है? इस प्रणाली की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।
- 2. डबल एकाउण्ट सिस्टम के गुण और दोष का वर्णन कीजिए।
- 3. डबल एकाउण्ट सिस्टम और सिंगल एकाउण्ट सिस्टम में तुलना कीजिए।
- 000 4. संक्षेप में नोट लिखिए
  - (क) पूँजीगत व्यय और
  - (ख) आयगत व्यय ।

decided to replace this existing may

- एक कम्पनी रेवेन्यू खाते से प्रतिवर्ष 1,000 रु० हस्तांतरण करके एक मरम्मत एवं नर्वानमाण संचय खाता स्थिगित करना चाहती है। द्वितीय एवं तृतीय वर्षों में क्रमश: वास्तविक मरम्मत एवं नव निर्माण की राशियाँ निम्न थीं (i) 375 रु० तथा (ii) 450 रु०। लेजर खाते खोलने के लिए जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए और मरम्मत खाता तथा मरम्मत एवं निर्माण संचय खाता बनाइए।
- 6. बिहार बिजली कम्पनी के संचालकों ने एक विद्यमान मशीन की दुगुनी क्षमता एवं शक्तिशाली मशीन द्वारा बदलने का निश्चय किया। पुरानी मशीन 20,000 रु० की लागत पर प्राप्त की गयी थी। लेकिन उसकी लागत अबतक 75% और बढ़ गयी है। नयी मशीन की लागत 90,000 रु० होगी और पुरानी मशीन के विक्रय से 10,000 रु० प्राप्त होंगे। 90,000 रु० की लागत का विभाजन पूँजी एवं आगम व्ययों के मध्य कीजिए और जर्नल में प्रविष्टियाँ कीजिए।

by transferring Rs 1,000 every year

The directors of Bihar Electrical

enue and give entries.

## 8.13 पठनीय पुस्तकें

ति । एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ एम॰ शुक्ल

2. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी डॉ॰ एस॰ कं॰ सिंह कार्या में सबसे

3. एडवांस्ड लेखांकन प्रविधान शुक्ला एवं श्रीनिवास १९०० 🛮 🗷 🕬

4. एडवांस्ड एकाउन्टैन्सी एस० एन० महेश्वरी

5. एडवांस्ड एकाउन्टेन्सी Vol-II शुक्ला, श्रीवास, अग्रवाल एवं गुप्ता

chinery by one with double capacity and power. The old machinery was obtained at a cost of Rs. 90,000 and the old machinery would rualise

You are require to allocate cost of Rs. 90,000 between capital and Hor